किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 260 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 29 जून 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

बांग्लादेश लौटने का ऐलान कर सियासी हलचल तेज, शेख हसीना बोलीं- 'निर्वासन में नहीं रहूंगी'

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने

निर्वासन समाप्त कर इसी वर्ष स्वदेश लौटने का ऐलान कर देश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। भारत में रह रही शेख हसीना ने कहा कि वह अब निर्वासन का जीवन नहीं जीना चाहतीं और बांग्लादेश लौटेंगी। एक साक्षात्कार में शेख हसीना ने अपने खिलाफ आए अदालत के फैसलों को खारिज करते हुए कहा कि ये निर्णय "गैर-कानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित" हैं। उनका आरोप है कि न्यायपालिका का इस्तेमाल अवामी लीग को कमजोर करने और उसके नेतृत्व को खत्म करने के लिए किया जा रहा है।

हसीना की वापसी की घोषणा के बाद बांग्लादेश की राजनीति में चचाओं का दौर तेज हो गया है। अब निगाहें प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार पर हैं कि वह इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार के सामने कानून के शासन और लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा होगी।

इस बीच जमात-ए-इस्लामी ने भी सरकार से सवाल किया है कि क्या वह अवामी लीग को फिर से सक्रिय करने की कोशिश कर रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि शेख हसीना की संभावित वापसी का असर केवल बांग्लादेश की राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पर भारत, अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी करीबी नजर रहेगी। आने वाले दिनों में यह घटनाक्रम दक्षिण एशिया की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

सऊदी अरब में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा,14 की मौत

सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी अरामको का एक हेलीकॉप्टर रविवार को हादसे का शिकार हो गया. इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई.

हिंद महासागर की सुरक्षा भारत-सेशेल्स संबंधों की धुरी

दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को दी नई मजबूती

नई दिल्ली। भारत और सेशेल्स ने हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, आर्थिक विकास और रणनीतिक सहयोग को नई गति देने का संकल्प लिया है। सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने र-विवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद कहा कि हिंद महासागर में सुरक्षा दोनों देशों के संबंधों की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और सीमा पार अपराधों से मिलकर मुकाबला करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति हर्मिनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत व्यापक, सका-रात्मक और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर हुई। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स के बीच संबंध साझा इतिहास, भौगोलिक निकटता और सुरक्षित, स्थिर एवं समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने 'सस्टेनेबिलिटी, आर्थिक विकास और सुरक्षा के लिए संयुक्त विजन' को लागू करने पर विस्तार से चर्चा की। इस साझा दृष्टिकोण के तहत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। राष्ट्रपति ने भारत द्वारा लगातार दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विकास साझेदारी दोनों देशों के रिश्तों का मजबूत आधार है।

बैठक के दौरान विदेश सेवा, डिजिटल बैंकिंग, स्वास्थ्य, कृषि, समुद्र विज्ञान, प्रत्यर्पण, अंतरिक्ष अनुसंधान तथा नए राष्ट्रीय अस्पताल के निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न समझौतों पर सहमति बनी।

175 मिलियन डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज

राष्ट्रपति हर्मिनी ने बताया कि भारत ने सेशेल्स के लिए 175

मिलियन अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज के तहत सामाजिक आवास, परिवहन, कौशल विकास, स्वास्थ्य सेव-ाओं, रक्षा और समुद्री सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों को गति मिलेगी।

समुद्री सुरक्षा पर विशेष जोर

राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्री सुरक्षा भारत-सेशेल्स संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देश हिंद महासागर में समुद्री डकैती, ड्रग तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अन्य सीमा पार अपराधों के खिलाफ मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने समुद्री निगरानी, हाइड्रोग्राफी और रक्षा क्षमता निर्माण में भारत द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना की।

शिक्षा और स्वच्छ ऊर्जा में भी बढ़ेगा सहयोग

राष्ट्रपति हर्मिनी ने बताया कि भारत के सहयोग से सेशेल्स में प्रोफेशनल एवं टेक्निकल एजुकेशन सेंटर की आधारशिला रखी गई है, जिससे युवाओं को विश्वस्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध होगा। इसके अलावा इंटरनेशनल सोलर अलायंस के तहत तीन सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम का भी उद्घाटन किया गया, जो स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई यह उच्चस्तरीय वार्ता दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी। दोनों पक्षों ने लंबित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए विकास संबंधी प्रतिबद्धताओं को तेजी से लागू करने पर सहमति व्यक्त की।

राष्ट्रपति हर्मिनी ने विश्वास जताया कि भारत और सेशेल्स के बीच रणनीतिक, आर्थिक और विकासात्मक सहयोग आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत होगा तथा हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करने में दोनों देश महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राम मंदिर ट्रस्ट विवाद

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे और दान गबन के आरोपों के बीच उनके पैतृक गांव नगीना (बिजनौर) के लोगों ने उनका बचाव किया है। ग्रामीणों और बचपन के मित्रों का कहना है कि चंपत राय ने राम मंदिर आंदोलन के लिए घर और प्रोफेसर की नौकरी तक छोड़ दी थी, इसलिए उन पर लगे आरोप निराधार हैं। वहीं दान गबन मामले में आरोपी रमाशंकर मिश्रा के घर पुलिस ने छापेमारी कर दस्तावेजों की जांच की, हालांकि कोई संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ।

दिल्ली-एनसीआर में बदलेगा मौसम

दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम ने करवट ले ली है। तेज आंधी और काले बादलों से गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में कई जिलों में तेज बारिश, गरज-चमक और 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने की चेतावनी जारी की है। 30 जून से 4 जुलाई तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम सबसे अधिक सक्रिय रहने का अनुमान है।

अमरनाथ यात्रा की तैयारियां

3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा से पहले ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजा होगी। बढ़ती गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग के कारण इस बार पवित्र हिमलिंग करीब 40 प्रतिशत तक पिघल चुका है। ऐसे में शुरूआती दिनों में बाबा बफार्नी के दर्शन को विशेष महत्व दिया जा रहा है। प्रशासन यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने की तैयारियों में जुटा है।

यूरोप में भीषण गर्मी का कहर

यूरोप इन दिनों रिकॉर्डतोड़ गर्मी की चपेट में है। फ्रांस, जर्मनी सहित कई देशों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित हुआ है और अस्पतालों पर दबाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार फ्रांस में गर्मी से 1,000 से अधिक लोगों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें अधिकांश की उम्र 65 वर्ष से अधिक थी। वैज्ञानिकों ने इसके लिए जलवायु परिवर्तन को प्रमुख कारण बताया है।

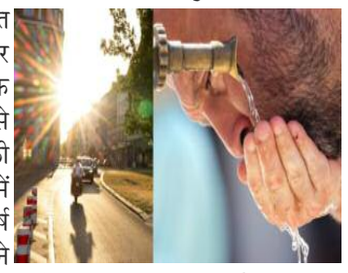

दिल्ली में गर्मी का कहर जारी, 48°C तक महसूस होगी तपिश

समाज जागरण

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी और उमस से लोगों का हाल बेहाल है। रविवार को भी मौसम साफ रहने के साथ तेज धूप और गर्म हवाओं का असर जारी रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, जबकि अधिक नमी के कारण हीट इंडेक्स (महसूस होने वाला तापमान) 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिन में कुछ स्थानों पर आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं और दोपहर या शाम के समय हल्की आंधी-तूफान आने की संभावना है। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि हवा के झोंके 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं।

बुधवार तक मिलेगी राहत

आईएमडी का अनुमान है कि मंगलवार और बुधवार से मौसम

में बदलाव शुरू होगा। इन दिनों अधिकतम तापमान घटकर 35 से 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने दोनों दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए बारिश और गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है।

शनिवार रहा सबसे गर्म दिन

शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वहीं न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा।

सफदरजंग मौसम केंद्र के अनुसार, अधिक नमी के कारण शनिवार को हीट इंडेक्स 48.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे लोगों को वास्तविक तापमान से कहीं अधिक गर्मी महसूस हुई। दिल्ली के अन्य इलाकों में भी रात का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। पालम में न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस और लोधी रोड पर भी तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई।

हल्की बारिश के बावजूद नहीं मिली राहत

शनिवार तड़के राजधानी के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई, लेकिन इससे तापमान में कोई खास गिरावट नहीं आई। दिनभर तेज धूप और उमस बनी रही, जिससे लोगों को गर्मी से काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह

मौसम विभाग और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के सूती कपड़े पहनने और धूप से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को बारिश और आंधी-तूफान के बाद दिल्लीवासियों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

भविष्य का शहर होगा 'हाथरस अर्बन सेंटर', यीडा ने शुरू किया 'मास्टर प्लान 2041' पर काम

50 से अधिक गांवों को जोड़कर 10 हजार एकड़ में बसेगा हाईटेक शहर, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से भी होगा कनेक्ट

यीडा द्वारा विकसित हो रहे चार मुख्य अर्बन नोड्स में हाथरस बनेगा इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग हब

'हींग और गुलाल' समेत स्थानीय एमएसएमई उद्योगों को मिलेगा वैश्विक मंच, रोजगार के लाखों अवसर

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा/हाथरस, 28 जून। योगी स-रकार में उत्तर प्रदेश के एक और जिले व उसके कई गांवों को हाईटेक शहर बनाने की तैयारी चल रही है। यह जल्द ही इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के साथ लाखों रोजगार पैदा करने वाला डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की गति को और तेज करते हुए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा)

ने एक बेहद महत्वाकांक्षी ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। यमुना एक्सप्रेसवे के फेज-2 विकास के तहत 'महायोजना/मास्टर प्लान 2041' के अंतर्गत 'हाथरस अर्बन सेंटर' को एक हाई-टेक औद्योगिक और आवासीय सैटेलाइट टाउन के रूप में डिजाइन किया जा रहा है।

यीडा द्वारा विकसित किए जा रहे चार मुख्य अर्बन नोड्स (अलीगढ़, मथुरा, आगरा और हाथरस) में से हाथरस को विशेष तौर पर एक प्रमुख इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में चुना गया है।

10 हजार एकड़ में बसेगा नया शहर

इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए हाथरस और सासनी तहसील के कुल 50 से अधिक गांवों को अधिसूचित किया गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 4 हजार हेक्टेयर (करीब 10 हजार एकड़) होगा। इस अत्याधुनिक शहर के नियोजन के लिए कंसल्टेंट कंपनी 'आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स लिमिटेड' को नियुक्त किया गया है, जो जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) तकनीक पर आधारित नक्शे से इसका सुनियोजित विकास सुनिश्चित कर रही है।

अर्बन सेंटर की चार प्रमुख श्रेणियां

मास्टर प्लान 2041 के तहत इस अर्बन सेंटर को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। पहला औद्योगिक जोन, इस विशाल भूभाग का मुख्य ध्यान फैक्ट्रियों और भारी विनिर्माण इकाइयों पर केंद्रित होगा। दूसरा आवासीय क्षेत्र, यहां काम करने वाले लोगों के लिए आधुनिक सोसाइटी, फ्लैट्स और किफायती आवास विकसित किए जाएंगे।

तीसरा कमर्शियल और लॉजिस्टिक्स हब जो व्यापारिक गतिविधियों के लिए मॉल, कमर्शियल टावर, होटल्स और विशाल वेयरहाउस के लिए विशेष स्थान आरक्षित हैं। चौथा ग्रीन बेल्ट, जहां पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए कुल योजना क्षेत्र का 15 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पूरी तहत हरित और खुले क्षेत्र के रूप में संरक्षित रहेगा।

प्रस्तावित हाथरस अर्बन सेंटर की भौगोलिक स्थिति इसकी सबसे बड़ी ताकत है। यह नया शहर सीधे नोएडा (जेवर) अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के कैचमेंट एरिया में आता है.

बढ़ते तापमान पर मौसम वैज्ञानिकों,पर्यावरण विदों की चिंता'

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के पहले की तुलना में लगभग 1.2 से 1.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ा, तो इसके परिणाम भयावह होंगे। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है।
संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गटरेस ने चेतावनी देते हुए कहा है कि

"मानवता ग्लोबल वार्मिंग के युग से निकलकर ग्लोबल बॉयलिंग के दौर में प्रवेश कर चुकी है।"यह कथन अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि आज की वास्तविकता है। वर्ष-दर-वर्ष नए तापमान रिकॉर्ड बन रहे हैं। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में 48 से 50 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुँच चुका है। इससे लाखों लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। विश्वप्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक जेम्स हैंडसेन जिन्हें ग्लोबल वार्मिंग पर प्रारंभिक चेतावनी देने वाले वैज्ञानिकों में अग्रणी माना जाता है, कहते हैं जलवायु परिवर्तन भविष्य की समस्या नहीं है, यह आज की वास्तविकता है।
वास्तव में, बढ़ता तापमान केवल गर्मी नहीं बढ़ा रहा, बल्कि हमारी खाद्य सुरक्षा, जल सुरक्षा और स्वास्थ्य पर भी गंभीर संकट उत्पन्न कर रहा है। खेतों की उत्पादकता घट रही है, जलस्रोत सूख रहे हैं और वायु प्रदूषण के कारण श्वसन रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।
जोहन रोकस्टोर्म का मानना है कि
हम पृथ्वी की उन सीमाओं को पार कर रहे हैं जिनके भीतर मानव सभ्यता सुरक्षित रह सकती है।
धरती तप रही, हिमालय की चोटियाँ पिघल रही, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जंगल धधक रहे हैं और मौसम का स्वभाव अनिश्चित होता जा रहा है। कभी भीषण गर्मी, कभी बेमौसम वर्षा, कभी सूखा तो कभी विनाशकारी बाढ़–ये सब प्रकृति की चेतावनी हैं कि यदि मानव ने

अभी भी अपनी जीवनशैली नहीं बदली, तो वह दिन दूर नहीं जब साँस लेने के लिए शुद्ध हवा भी दुर्लभ हो जाएगी।
सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि विश्व के अनेक महानगरों में वायु की गुणवत्ता लगातार गिर रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में स्वच्छ हवा भी बोतलों में खरीदनी पड़ेगी। आज कई देशों में ऑक्सीजन बार और शुद्ध हवा बेचने वाले उद्योग प्रारंभ हो चुके हैं। यह मानव विकास नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ हमारे असंतुलित संबंध का परिणाम है।
प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सुनीता नरेंन कहती है जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि विकास और न्याय का भी प्रश्न है। सबसे अधिक पीड़ा उन लोगों को झेलनी पड़ती है जिन्होंने प्रदूषण सबसे कम फैलाया है।
यह कथन भारत जैसे विकासशील देशों पर पूरी तरह लागू होता है। गरीब किसान, मजदूर, आदिवासी और ग्रामीण समाज सबसे पहले जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रहे हैं।
पर्यावरण संरक्षण के लिए जीवन समर्पित करने वाली वंदना शिवा का स्पष्ट मत है कि हमारी आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन हमारे लालच को कभी नहीं।
वास्तव में, अंधाधुंध औद्योगीकरण, जंगलों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग और अनियंत्रित शहरीकरण ने पृथ्वी का प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ दिया है। कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और अन्य ग्रीनहाउस गैसें वातावरण में लगातार बढ़ रही हैं, जिससे पृथ्वी का तापमान तेजी से ऊपर जा रहा है।
आज आवश्यकता केवल सरकारों की नीतियों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी की है। एक पेड़ लगाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक परिवहन अपनाना, ऊर्जा की बचत करना और जल संरक्षण करना–ये छोटे-छोटे कदम मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।
स्वीडन की युवा पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने विश्व नेताओं को चेताते हुए कहा है कि
"हमारा घर जल रहा है, और मैं चाहती हूँ कि आप उसी तरह घबराएँ जैसे किसी घर में आग लगने पर घबराते हैं।"
यह केवल एक युवती की भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि पूरी मानवता की पुकार है।
भारत की परंपरा सदैव प्रकृति-पूजक रही है। हमारे ऋषियों ने पृथ्वी को माता, नदियों को देवी और वृक्षों को जीवनदाता माना। यदि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लें तो पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन का सहज हिस्सा बन सकता है।
आज विश्व को आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। विकास वह नहीं जो जंगलों को समाप्त कर दे, नदियों को प्रदूषित कर दे और हवा को विषैला बना दे। वास्तविक विकास वही है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित और स्वस्थ पृथ्वी छोड़ जाए।
अंततः यह स्मरण रखना होगा कि पृथ्वी को हमारी आवश्यकता नहीं है; हमें पृथ्वी की आवश्यकता है। यदि हमने समय रहते चेतावनियों को नहीं समझा, तो भविष्य की पीढ़ियाँ हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज लिया गया प्रत्येक पर्यावरणीय निर्णय कल की साँसों का आधार बनेगा।
आइए संकल्प लें धरती को केवल विरासत में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व के रूप में देखें। एक वृक्ष लगाएँ, एक जीवन बचाएँ; क्योंकि यदि हवा नहीं बचेगी, तो मानव सभ्यता भी नहीं बचेगी।

संजीव ठाकुर,वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

भारतीय पासपोर्ट और नागरिकता का प्रश्न

महेन्द्र तिवारी

व्यापक वैश्विक व्यवस्था में पासपोर्ट को किसी भी व्यक्ति की राष्ट्रीयता और पहचान का सबसे सशक्त प्रतीक माना जाता है। जब कोई व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार करता है, तो उसका पासपोर्ट ही उस-ाकी पहचान, उसके मूल देश और उस देश के प्रति उसकी निष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय संदर्भ में भी, आम जनता के बीच यह एक बेहद सामान्य और सुदृढ़ धारणा है कि यदि किसी के पास भारत स-रकार द्वारा जारी किया गया वैध पासपोर्ट है, तो वह अकाट्य रूप से भारत का नागरिक है। सामान्य व्यावहारिक जीवन में यह धारणा सही प्रतीत हो सकती है क्योंकि बैंक खाता खुलवाने, सिम कार्ड लेने या किसी गैर-सरकारी कार्य में पासपोर्ट को पहचान के सर्वोच्च दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाता है। परंतु, जब हम इस विषय का विधिक, संवैधानिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करते हैं, तो एक अत्यंत महत्वपूर्ण और बारीक कानूनी अंतर सामने आता है। भारतीय कानून और न्यायपालिका की दृष्टि में पासपोर्ट को भारत की नागरिकता का अंतिम, अकाट्य और संप्रभु प्रमाण नहीं माना जाता है। इस विसंगति को समझने के लिए हमें भारतीय कानूनी तंत्र के दो अलग-अलग स्तंभों को गहराई से देखना होगा, जिनमें पहला है पासपोर्ट अधिनियम 1967 और दूसरा है नागरिकता अधिनियम 1955। इन दोनों कानूनों के निर्माण के पीछे के उद्देश्य, उनके कार्यक्षेत्र और उन्हें संचालित करने वाले संवैधानिक अधिकार पूरी तरह से भिन्न हैं।

इस कानूनी भिन्नता का प्राथमिक कारण दोनों दस्तावेजों के मूल उद्देश्यों में छिपा हुआ है। पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी होने वाला पासपोर्ट मूल रूप से एक यात्रा दस्तावेज है। जब भारत के राष्ट्रपति के प्राधिकार से किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी किया जाता है, तो वह वास्तव में भारत सरकार द्वारा विदेशी सरकारों से किया गया एक आधिकारिक अनुरोध होता है। इस दस्तावेज के माध्यम से विदेशी राष्ट्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे धारक को अपने देश में बिना किसी बाधा के आने-जाने की अनुमति दें और आवश्यकता पड़ने पर उसे हर संभव सुरक्षा और सहायता प्रदान करें। इसके विपरीत, नागरिकता एक अत्यंत गंभीर, स्थाई और संवैधानिक दर्जा है। भारत के संविधान के भाग 2 में अनुच्छेद 5 से लेकर अनुच्छेद 11 तक नागरिकता के मूलभूत सिद्धांतों को परिभाषित किया गया है। नागरिकता का अर्थ केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज का होना नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और राज्य के बीच एक संप्रभु विधिक संबंध को दशार्ता है। यह संबंध व्यक्ति को देश के भीतर मतदान करने का अधिकार, मौलिक अधिकारों का पूर्ण संरक्षण, सरकारी नौकरियों के लिए पात्रता और देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों जैसे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या न्यायाधीश बनने की योग्यता प्रदान करता है। एक यात्रा दस्तावेज किसी व्यक्ति को इतने व्यापक और संप्रभु अधिकार अकेले अपने दम पर प्रदान नहीं कर सकता।

इस विषय का दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण व्यावहारिक पहलू यह है कि पासपोर्ट एक व्युत्पन्न यानी द्वितीयक दस्तावेज है। इसका अर्थ यह है कि पासपोर्ट का निर्माण अपने आप में स्वतंत्र रूप से नहीं होता, बल्कि यह कुछ प्राथमिक और मूल दस्तावेजों के आधार पर किया जाता है। जब कोई व्यक्ति पासपोर्ट के लिए आवेदन करता है, तो वह अपनी पहचान और राष्ट्रीयता को प्रमाणित करने के लिए अपना जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र या आधार कार्ड जैसे दस्तावेज संलग्न करता है। पासपोर्ट जारी करने वाला प्राधिकरण इन दस्तावेजों की सत्यता की जमीनी जांच करने के लिए पूरी तरह से स्थानीय पुलिस प्रशासन की जांच रिपोर्ट पर निर्भर करता है। अब यदि कोई विदेशी नागरिक या अवैध घुसपैठिया देश में प्रवेश करने के बाद अनुचित साधनों का उपयोग करके, जाली दस्तावेजों के सहारे या प्रशासनिक त्रुटियों का लाभ उठाकर एक नकली जन्म प्रमाण पत्र या मतदाता पहचान पत्र बनवा लेता है, तो उसी आधार पर उसका पासपोर्ट भी जारी हो सकता है। कानून का एक सर्वमान्य सिद्धांत है कि यदि किसी इमारत की नींव ही अवैध या जाली है, तो उस पर खड़ी की गई पूरी इमारत कभी वैध नहीं हो सकती। यदि भविष्य में कभी यह पता चलता है कि पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए जमा किए गए मूल दस्तावेज फर्जी थे, तो वह पासपोर्ट तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया जाता है। यही कारण है कि अदालतें पासपोर्ट को नागरिकता का अंतिम सुबूत नहीं मानतीं, क्योंकि इसकी वैधता पूरी तरह से उन प्राथमिक दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर टिकी होती है जिनके आधार पर इसे बनाया गया था।

भारतीय न्यायपालिका ने भी समय-समय पर इस विधिक स्थिति को अत्यंत स्पष्टता के साथ परिभाषित किया है। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों, जैसे बॉम्बे हाई कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट के कई ऐतिहासिक निर्णयों में यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया है कि पासपोर्ट को केवल प्रथम दृष्टया साक्ष्य माना जा सकता है। इसका अर्थ यह है कि जब तक कोई विवाद न हो, तब तक पहली नजर में पासपोर्ट धारक को भारतीय माना जाएगा, लेकिन कानूनी चुनौती की स्थिति में यह नागरिकता का अंतिम और अकाट्य प्रमाण नहीं होगा। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर देश की संप्रभुता या सुरक्षा के लिहाज से कोई कानूनी सवाल खड़ा होता है, तो वह व्यक्ति केवल अपना पासपोर्ट दिखाकर जांच से बच नहीं सकता। ऐसी स्थिति में, उस व्यक्ति पर यह साबित करने का विधिक भार होता है कि वह नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत निर्धारित वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुसार भारत का नागरिक है। भारत के कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में, जैसे असम में राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर की तैयारी के दौरान, यह व्यावहारिक रूप से देखा गया कि कई व्यक्तियों के पास वैध पासपोर्ट होने के बावजूद उन्हें अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए वर्ष 1971 या उससे पहले के अपने पूर्वजों के मूल भू-राजस्व रिका-र्ड, वंश वृक्ष और जन्म से जुड़े प्राथमिक दस्तावेज प्रस्तुत करने पड़े थे।

नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 9(2) इस पूरी कानूनी व्यवस्था की धुरी है। इस विशिष्ट धारा के अनुसार, यदि कभी भी यह प्रश्न या विवाद उत्पन्न होता है कि किसी व्यक्ति ने कब, कैसे और किस प्रकार भारत की नागरिकता प्राप्त की है, या क्या उसने किसी अन्य देश की नागरिकता ले ली है, तो इस विषय पर निर्णय लेने का अनन्य और अंतिम अधिकार केवल केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकरण के पास होता है, जो कि भारत सरकार का गृह मंत्रालय है। देश के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों में बैठने वाले प्रशासनिक अधिकारियों के पास किसी व्यक्ति की नागरिकता का न्यायिक या अर्ध-न्यायिक निर्धारण करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं होता है। उनका कार्य केवल प्राप्त आवेदनों और पुलिस रिपोर्ट के आधार पर यात्रा दस्तावेज जारी करना है। इसलिए, एक प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत जारी किया गया दस्तावेज उस संप्रभु दर्जे का स्थान नहीं ले सकता जिसका फैसला करने की शक्ति संविधान ने केवल देश की कार्यपालिका के सर्वोच्च स्तर को दी है।

इसके अलावा, नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत नागरिकता प्राप्त करने और उसे बनाए रखने के नियम अत्यंत कड़े और समयबद्ध हैं। उदाहरण के लिए, धारा 5 के तहत पंजीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त करने के लिए किसी भी व्यक्ति को आवेदन करने से ठीक पहले कम से कम 7 वर्षों तक भारत में निवास करना अनिवार्य होता है। इसी प्रकार, धारा 6 के तहत देशीकरण द्वारा नागरिकता पाने के लिए किसी विदेशी नागरिक को पिछले 14 वर्षों में से कम से कम 11 वर्ष भारत में बिताने होते हैं और आवेदन की तारीख से ठीक पहले 1 वर्ष लगातार भारत में रहना पड़ता है। यद्यपि नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के माध्यम से इसमें एक विशेष रियायत जोड़ी गई, जिसके तहत 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए विशिष्ट पीड़ित अल्पसंख्यक समुदायों के लिए इस 11 वर्ष की अवधि की शर्त को घटाकर 5 वर्ष कर दिया गया है। इन सभी जटिल ऐतिहासिक, भौगोलिक और वैधानिक तथ्यों की गहन जांच करने का एक विस्तृत तंत्र केवल गृह मंत्रालय के पास होता है। पासपोर्ट कार्यालय के पास इतनी व्यापक न्यायिक जांच करने की न तो व्यवस्था होती है और न ही उनका यह उद्देश्य होता है।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों और वैश्विक संधियों के आलोक में भी इस स्थिति की पुष्टि होती है। भारत का संविधान एकल नागरिकता के सिद्धांत पर काम करता है और यहां दोहरी नागरिकता की स्पष्ट मनाही है। संविधान का अनुच्छेद 9 यह प्रावधान करता है कि यदि कोई भारतीय नागरिक स्वेच्छा से किसी अन्य विदेशी देश की नागरिकता स्वीकार कर लेता है, तो उसकी भारतीय नागरिकता उसी क्षण स्वतः ही समाप्त हो जाती है। ऐसी परिस्थिति में, भले ही उस व्यक्ति के पास भौतिक रूप से भारत का पासपोर्ट मौजूद हो और उसकी वैधता तिथि में कई वर्ष शेष हों, वह कानून की नजर में भारत का नागरिक नहीं रह जाता। यदि वह नागरिकता समाप्त होने के बाद भी उस भारतीय पासपोर्ट का उपयोग यात्रा के लिए करता है, तो वह एक गंभीर विधिक अपराध की श्रेणी में आता है। यह तथ्य इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि पासपोर्ट केवल नागरिकता के अधिकार का एक दृश्य माध्यम मात्र है, वह स्वयं नागरिकता का सृजक या शाश्वत रक्षक नहीं है। अंततः, देश की आंतरिक सुरक्षा, संप्रभुता और जनस-ांख्यिकीय स्थिरता को अक्षुण्ण रखने के लिए यह अनिवार्य है कि नागरिकता जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय का निर्धारण केवल उन अपरिवर्तनीय मूल दस्तावेजों और वैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ही किया जाए जो पूरी तरह से अकाट्य हों। इसी विधिक और प्रशासनिक दूरदर्शिता के कारण, भारतीय पासपोर्ट को पहचान और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए सर्वोपरि दस्तावेज मानते हुए भी, देश की नागरिकता के अंतिम और निर्विवाद साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता है।

30 जून विश्व सोशल मीडिया दिवस

संवाद की क्रांति, सूचना की शक्ति और सामाजिक चेतना की नई चुनौती

इस दिवस की शुरूआत वर्ष 2010 में मशाबले द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से वैश्विक संवाद, सूचना आदान-प्रदान और सामाजिक जुड़ाव के महत्व को रेखांकित करना है। आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन या व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज, राजनीति, शिक्षा, व्यापार, संस्कृति और जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुका है।
21वीं सदी को यदि ह्लडिजिटल युगह्व कहा जाए तो सोशल मीडिया उसकी सबसे सक्रिय धुरी है। फेसबुक ,इंस्टाग्राम, यूट्यूब ,एक्स और व्हाट्सएप जैसे मंचों ने पूरी दुनिया को एक डिजिटल परिवार की तरह जोड़ दिया है। अब सूचनाएँ सीमाओं में कैद नहीं रहतीं; एक छोटी सी घटना भी कुछ ही क्षणों में वैश्विक चर्चा का विषय बन जाती है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नई ताकत दी है। पहले आम नागरिक की आवाज सीमित दायरे तक ही पहुँच पाती थी, लेकिन आज कोई भी व्यक्ति अपनी बात दुनिया तक पहुँचा सकता है। सामाजिक आंदोलनों, जनजागरूकता अभियानों और मानवीय सहायता कार्यों में सोशल मीडिया ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राकृतिक आपदाओं, रक्तदान, शिक्षा सहायता और सामाजिक न्याय जैसे अनेक अभियानों में इसकी सकारात्मक शक्ति स्पष्ट दिखाई देती है।
पत्रकारिता और सूचना जगत में भी सोशल मीडिया ने अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। अब समाचार केवल अखबारों और टीवी चैनलों तक सीमित नहीं रहे। घटनाएँ सीधे लोगों के मोबाइल तक पहुँचती हैं। नागरिक पत्रकारिता का विस्तार हुआ है और आम व्यक्ति भी घटनाओं का प्रत्यक्ष साक्षी बनकर सूचना साझा कर सकता है। लोकतंत्र में जनभागीदारी बढ़ाने में सोशल मीडिया की यह भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है।
किन्तु हर शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा संकट यही है कि इसकी गति कई बार सत्य से अधिक तेज हो जाती है। फेक न्यूज, अफवाहें, भ्रामक सूचनाएँ और डिजिटल नफरत समाज में तनाव और विभाजन पैदा कर रही हैं। कई बार बिना सत्यापन की गई सूचनाएँ हिंसा, सामाजिक अशांति और मानसिक तनाव का कारण बन जाती हैं। डिजिटल माध्यम की यह अनियंत्रित प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बनती जा रही है।
विशेष चिंता का विषय युवाओं और बच्चों पर सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव है। अत्यधिक स्क्रीन समय, आभासी दुनिया की लत, मानसिक तनाव, साइबर बुलिंग और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। आज कई लोग वास्तविक संबंधों से अधिक डिजिटल मान्यता को महत्व देने लगे हैं। लाइक, शेयर और फॉलोअर्स की प्रतिस्पर्धा ने मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डाला है।
सोशल मीडिया का एक बड़ा सका-रात्मक पक्ष यह भी है कि इसने शिक्षा, व्यापार और रोजगार के नए अवसर खोले हैं। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल मार्केटिंग, स्वतंत्र लेखन, कला प्रदर्शन और उद्यमिता को नई दिशा मिली है। छोटे व्यवसाय और स्थानीय प्रतिभाएँ भी अब वैश्विक पहचान प्राप्त कर पा रही हैं। इस प्र-कार सोशल मीडिया आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का भी प्रभावी माध्यम बना है।
भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता देशों में शामिल है। यहाँ सोशल मीडिया जनमत निर्माण, सामाजिक आंदोलनों और राजनीतिक संवाद का प्रमुख मंच बन चुका है। लेकिन इसके साथ डिजिटल नैतिकता और जिम्मेदारी की आवश्यकता भी उतनी ही बढ़ गई है।
विश्व सोशल मीडिया दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि तकनीक का उपयोग मानवता के हित में कैसे किया जाए। सोशल मीडिया तभी सार्थक है जब वह समाज को जोड़ने, जागरूकता फैलाने और सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बने। यदि इसका उपयोग नफरत, भ्रम और विभाजन फैलाने के लिए होगा, तो यह मानव संबंधों को कमजोर कर देगा।
आज आवश्यकता केवल डिजिटल रूप से सक्रिय होने की नहीं, बल्कि डिजिटल रूप से जिम्मेदार बनने की है। सत्य, संवेदना, संयम और सामाजिक उत्तरदायित्व ही सोशल मीडिया की वास्तविक शक्ति होनी चाहिए। सोशल मीडिया आधुनिक युग का दर्पण है। यह समाज की सोच, संस्कृति और चेतना को प्रतिबिंबित करता है। इसलिए यह हमारे हाथ में है कि हम इसे संवाद और विकास का माध्यम बनाते हैं या भ्रम और विभाजन का हथियार।

- सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

इच्छाएं पूरी नही होती

लेखकः- जर्नलिस्ट वेद प्रकाश

इच्छाएं पूरी नही होती,
क्योकि वह अनन्त होती है।
इच्छाएं सबको होती है,
चाहे वह गरीब हो या अमीर।
इच्छाएं बढ़ती जाती है,
लेकिन वह पूरी नही होती।
जब एक इच्छाएं पूरी होती है,
तो दूसरी इच्छाएं उतपन्न होती है।
इच्छाएं पूरी नही होती,
क्योकि वह अनन्त होती है।

जो खुश रहते थे झोपड़ीयो में,
वो आज दुखी है महलों में।
दीपक की रोशनी भाती थी जिन्हें,
आज बिजली भी नही भाती उन्हें।
जो चलते थे पगडंडियों पर,
वो खुश नही है पक्की सड़को पर।
गांव में बिजली, सड़क पानी पहुंची,
लेकिन सुकून नही मिल पाई।
गांव शहर बनती जा रही है,
लेकिन संस्कृतियां दूर जा रही है।
इच्छाएं अबतक पूर्ण नही हुई,
क्योकि इच्छाएं अनन्त है।

व्यंग्यः "गर्मी का दोषी कौन?"

आजकल तापमान बढ़ने पर दुनिया भर में चिंता व्यक्त की जा रही है। यूरोप में लोग 40 डिग्री तापमान पर ऐसे परेशान हैं, मानो सूरज ने व्यक्तिगत दुश्मनी निकाल ली हो। उधर हम भारतीय मुस्कुर-ाकर कहते हैं, "अरे भाई, अभी तो असली गर्मी आई ही कहाँ है!" लेकिन सवाल यह है कि इस गर्मी का जिम्मेदार आखिर कौन है?
हमने विकास के नाम पर पेड़ों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए। हर घर में दो एसी लगा दिए और फिर कहते हैं कि धरती गर्म हो रही है। दिन में बिजली चाहिए, रात में भी दिन जैसा उजाला चाहिए। सड़कें चमकनी चाहिए, इमारतें जगमगानी चाहिए और फिर शिकायत भी कि रात को ठंडक क्यों नहीं पड़ती!
पहले लोग आंगन में नीम के नीचे सोते थे, अब बंद कमरों में एसी चलाकर पर्यावरण बचाने पर सेमिनार करते हैं। सुबह पौधे लगाने की पोस्ट सोशल मीडिया पर डालते हैं और शाम को नई पार्किंग बनाने के लिए वही पौधे कटवा देते हैं।
हम चाहते हैं कि बारिश समय पर हो, लेकिन तालाबों की जगह मॉल बना दिए। हवा शुद्ध मिले, मगर हर छोटी दूरी पर कार निकालना नहीं छोड़ेंगे। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी करेंगे और पर्यावरण दिवस पर भाषण भी देंगे।
कहावत है–"जैसा बोओगे, वैसा काटोगे।" हमने सीमेंट बोया है, इसलिए अब गर्मी की फसल काट रहे हैं।
तापमान कम करने का सबसे बड़ा उपाय किसी सम्मेलन या सरकारी घोषणा में नहीं, बल्कि हमारे अपने व्यवहार में छिपा है। एक पेड़ लगाना, पानी बचाना, अनावश्यक बिजली की खपत रोकना और प्रकृति के साथ संतुलन बनाना–यही असली समाधान है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

सीएम योगी सोमवार को पीलीभीत- मुरादाबाद दौरे पर, विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

पीलीभीत में 569 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण/शिलान्यास एवं पट्टा विवरण

मुरादाबाद मंडल में चल रहे विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की करेंगे समीक्षा

समाज जागरण

लखनऊ, 28 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार 29 जून को पीलीभीत और मुरादाबाद के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री पहले पीलीभीत पहुंचेंगे, जहां बीसलपुर में पीलीभीत के बरखेड़ा एवं बीसलपुर विधानसभा क्षेत्रों के 569 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का

लोकार्पण/शिलान्यास एवं पट्टा विवरण करेंगे। यहां वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

पीलीभीत के बाद मुख्यमंत्री मुरादाबाद पहुंचेंगे, जहां वह सर्किट हाउस में आयोजित मुरादाबाद मंडल में लोक निर्माण विभाग के पुराने कार्यों की समीक्षा और नए कार्यों की कार्ययोजना के संबंध में बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री मुरादाबाद के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा भी करेंगे।

इसके बाद मुरादाबाद सदर, मुरादाबाद देहात व कुन्दरकी विधानसभा क्षेत्रों तथा नगर निगम मुरादाबाद एवं मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के विकास कार्यों का लोकार्पण/ शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे।

यहां वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। यहां दानवीर भामाशाह जयंती एवं व्यापारी कल्याण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन होगा। साथ ही मुख्यमंत्री गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री मुरादाबाद के सर्किट हाउस में ही रात्रि विश्राम करेंगे।

अयोध्या को रामभक्तों ने संवारा, अखिलेश पश्चाताप कर रामलला के दर्शन करें : मुख्यमंत्री योगी

समाज जागरण

हाथरस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हाथरस में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अयोध्या को किसी राजनीतिक दल ने नहीं, बल्कि रामभक्तों ने संवारा है। उन्होंने अखिलेश यादव को सलाह दी कि वे पश्चाताप कर एक बार रामलला के दर्शन करें, शायद उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने 548 करोड़ रुपये की लागत से 143 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को आवास की चाबियां, स्मार्टफोन, आयुष्मान कार्ड और युवा उद्यमी योजना के तहत चेक भी वितरित किए।

'पहले मंदिरों का पैसा कब्रिस्तानों पर खर्च होता था'

योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से पहले मंदिरों के विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता था और सरकारी धन कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने में खर्च होता था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने मंदिरों के सौंदर्यीकरण और धार्मिक स्थलों के विकास को प्राथमिकता दी है क्योंकि मंदिर भारतीय आस्था के केंद्र हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भी बोले सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी वास्तव में धार्मिक आस्था का सम्मान करती है तो उसे श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर भी खुलकर अपनी राय रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे राम जन्मभूमि आंदोलन चला, वैसे ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए भी समर्थन होना चाहिए।

कांग्रेस और सपा पर साधा निशाना

सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर संविधान और लोकतंत्र के मुद्दे पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि आपातकाल लगाकर कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा था और आज वही दल संविधान बचाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा ने हमेशा समाज और राष्ट्रहित के विपरीत कार्य किए हैं।

'आज यूपी दंगा और कर्फ्यू मुक्त'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश दंगों, कर्फ्यू और माफियाओं के लिए जाना जाता था, जबकि आज प्रदेश विकास और सुरक्षा का मॉडल बन चुका है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मोहर्रम के दौरान प्रदेश में करीब 12 हजार जुलूस निकले, लेकिन कहीं भी दंगा, उपद्रव या कर्फ्यू जैसी स्थिति नहीं बनी।

किसानों और युवाओं के लिए कई घोषणाएं

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हाथरस में आलू किसानों के लिए प्रोसेसिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जिससे उन्हें बेहतर मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बिना किसी भेदभाव के गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए योजनाएं चला रही है तथा प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत होने से निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

हीट वेव के बढ़ते खतरे के बीच बच्चों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार सतर्क, शिक्षकों के लिए विशेष दिग्दर्शिका जारी

- योगी सरकार ने विद्यालयों में स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए जारी किए निर्देश

- विद्यार्थियों को लू से बचाने में शिक्षकों की होगी अहम भूमिका, हर विद्यालय में बनेगा हीट एक्शन प्लान

- सुरक्षित पेयजल, प्राथमिक उपचार, छायादार परिसर, स्वास्थ्य जागरूकता और आपातकालीन तैयारियों पर विशेष जोर

- ऑरेंज और रेड हीट अलर्ट के दौरान बाहरी गतिविधियां स्थगित करने के निर्देश, अभिभावकों की भी तय हुई जिम्मेदारी

समाज जागरण

लखनऊ, 28 जून। बदलती जलवायु चुनौतियों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार विद्यालयों में बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और जलवायु-अनुकूल वातावरण देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी नीति के अन्तर्गत विद्यालयों को नए सत्र में खोलने के साथ बेसिक शिक्षा विभाग ने 'हीट-संबंधी बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों के संवेदनशीलकरण हेतु शिक्षकों के लिए दिग्दर्शिका-2026' जारी की है।

अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा तथा माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के निर्देश पर तैयार इस दिग्दर्शिका का उद्देश्य शिक्षकों को हीट वेव से बचाव, हीट एग्जॉशन एवं हीट स्ट्रोक के लक्षणों की पहचान, प्राथमिक उपचार तथा विद्यार्थियों के प्रभावी बचाव के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही विद्यालयों में 'क्या करें-क्या न करें' संबंधी पोस्टरों के माध्यम से बच्चों, अभिभावकों और विद्यालय समुदाय को भी जागरूक किया जाएगा, ताकि भीषण गर्मी बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और विद्यालयी जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न डाल सके।

हीट वेव से विद्यार्थियों की सुरक्षा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी

दिग्दर्शिका में स्पष्ट किया गया है कि हीट वेव से विद्यार्थियों की सुरक्षा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होंगे। शिक्षक प्रार्थना सभा, कक्षा शिक्षण, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा विद्यालय की दैनिक दिनचर्या के माध्यम से विद्यार्थियों को हीट वेव से बचाव के उपायों से अवगत कराएंगे। उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, तेज धूप से बचने, हल्के एवं सूती वस्त्र पहनने, जलयुक्त फलों के सेवन तथा हीट स्ट्रोक के शुरूआती लक्षणों की पहचान के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही बच्चों को यह भी सिखाया जाएगा कि यदि किसी सहपाठी की तबियत बिगड़ती है तो तत्काल शिक्षक को सूचना दें।

हर विद्यालय में बनेगा हीट एक्शन प्लान, होगी व्यापक तैयारी

योगी सरकार ने प्रत्येक विद्यालय में स्कूल हीट एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विद्यालयों में स्वास्थ्य नोडल शिक्षक नामित किए जाएंगे, जो हीट वेव से संबंधित गतिविधियों का समन्वय करेंगे। शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कराया जाएगा। विद्यालय परिसर में हीट वेव से बचाव संबंधी संदेश और आपातकालीन संपर्क नंबर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएंगे। प्रत्येक विद्यालय में फर्स्ट एड किट, ओआरएस, डिजिटल थर्मामीटर तथा 108 एम्बुलेंस सहित आवश्यक चिकित्सा संपर्क व्यवस्था उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पेयजल और सुरक्षित वातावरण पर विशेष फोकस

गाइडलाइन के अनुसार विद्यालयों का समय शासन के निदेर्शों के अनुरूप निर्धारित किया जाएगा। प्रार्थना सभा, खेलकूद, शारीरिक शिक्षा तथा अन्य बाहरी गतिविधियां सुबह 10 बजे से पहले आयोजित की जाएंगी। ऑरेंज अथवा रेड हीट वेव अलर्ट के दौरान सभी कठिन शारीरिक एवं बाहरी गतिविधियां स्थगित रहेंगी। विद्यालयों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी तथा विद्यार्थियों को प्रत्येक 20 से 30 मिनट के अंतराल पर पानी पीने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रत्येक विद्यार्थी को पानी की बोतल साथ लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यशील पंखे, पर्याप्त वेंटिलेशन, छायादार स्थान, वृक्षारोपण तथा जहां संभव हो कूल रूफ और रिफ्लेक्टिव पेंट जैसी व्यवस्थाओं को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

स्वास्थ्य, पोषण और प्राथमिक उपचार पर विस्तृत दिशा-निर्देश

दिग्दर्शिका में हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनने, टोपी अथवा छाते का उपयोग करने, तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी और अन्य जलयुक्त मौसमी फलों के सेवन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं। कैफीनयुक्त, काबोर्नेटेड और अत्यधिक मीठे पेयों से बचने तथा मध्याह्न भोजन स्वच्छ एवं छायादार स्थान पर परोसने पर भी जोर दिया गया है। यदि किसी विद्यार्थी में अत्यधिक पसीना, तेज प्यास, सिरदर्द, चक्कर, कमजोरी, मांसपेशियों में ऐंठन, उल्टी, भ्रम या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तत्काल छायादार स्थान पर ले जाकर प्राथमिक उपचार देने, ठंडी पट्टी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर 108 एम्बुलेंस या निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने के निर्देश दिए गए हैं।

संवेदनशील बच्चों की विशेष निगरानी, अभिभावकों और समुदाय की भी होगी सहभागिता

अस्थमा, हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, दिव्यांगता अथवा हाल ही में बुखार या दस्त से पीड़ित विद्यार्थियों की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही अभिभावकों से बच्चों को विद्यालय भेजने से पहले पर्याप्त पानी पिलाने, अस्वस्थ बच्चों को विद्यालय न भेजने तथा घर पर भी हीट वेव से बचाव संबंधी व्यवहार अपनाने की अपील की गई है। विद्यालयों को हीट वेव संबंधी घटनाओं का अभिलेखीकरण करने, नियमित समीक्षा करने, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अलर्ट पर सतत निगरानी रखने तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

दादरी में फलों की ठेली लगाने वालों के बीच मारपीट, चार आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के थाना दादरी क्षेत्र में फलों की ठेली लगाने वाले दो पक्षों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। सूचना मिलते ही थाना दादरी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस ने दोनों पक्षों के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। प्रथम पक्ष से आसिफ पुत्र सईद निवासी कस्बा दादरी तथा नसीर पुत्र बाबू निवासी कठहैरा रोड, दादरी को हिरासत में लिया गया।

वहीं दूसरे पक्ष से सुल्तान उर्फ अट्टू पुत्र बिल्लू निवासी बिलासपुर (वर्तमान पता नई आबादी, दादरी) तथा चाहत पुत्र भूरा निवासी कठहेरा रोड, मेवातियान मोहल्ला, दादरी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, विवाद पैसों के लेन-देन को लेकर हुआ था। सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। थाना दादरी पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की हिंसा या उपद्रव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नोएडा: सेक्टर-113 पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर स्नैचर, चोरी की बाइक, नकदी और अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण

संदीप गर्ग नोएडा। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी और स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल, स्नैचिंग की वारदात से प्राप्त 12,300 रुपये नकद तथा एक अवैध चाकू बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान विजय प्रताप उर्फ राजा ठाकुर (32 वर्ष) पुत्र विशुन सिंह निवासी ग्राम अकबरपुर डाढ़ा, थाना

फफूंद, जनपद औरैया के रूप में हुई है। उसे एफएनजी सर्विस रोड, सोरखा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी और स्नैचिंग की घटनाओं में लंबे समय से सक्रिय है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 17 से अधिक संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिससे उसका लंबा आपराधिक इतिहास सामने आया है।

बरामदगी

चोरी की 01 मोटरसाइकिल (बिना नंबर प्लेट), 12,300 नकद, 01 अवैध चाकू

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी अन्य चोरी और स्नैचिंग की घटनाओं में भी शामिल रहा है या नहीं।

नोएडा के सेक्टर-20 स्थित हनुमान और शिव मंदिर में स्थापित हुए 'निर्मल्या कलश पात्र', धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समाज जागरण

नोएडा। धार्मिक आस्था के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में मंगलमय परिवार, नोएडा ने एक सराहनीय पहल करते हुए सेक्टर-20 स्थित श्री हनुमान मंदिर एवं शिव मंदिर परिसर में 'निर्मल्या कलश पात्र' स्थापित किए। इस पहल का उद्देश्य धार्मिक सामग्री का सम्मानपूर्वक संग्रह और विधि-विधान से उसका निस्तारण सुनिश्चित करना है, ताकि सनातन परंपराओं की गरिमा बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रह सके।

कार्यक्रम में संतुष्टि सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष नवीन पोरवाल के नेतृत्व में आयोजित समारोह के दौरान समाजसेवी संजय जिंदल ने मंदिर समितियों को निर्मल्या कलश पात्र समर्पित किए।

हनुमान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्षा श्रीमती विनय गुप्ता, महासचिव संदीप पोरवाल, गंगाराम

यादव, सुनील गिरी, प्रेमशंकर चौधरी, हेमचंद गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं शिव मंदिर में श्रीमती मीरा चौहान, सुमित्रा चौहान, शीला वर्मा, हेमचंद्र गुप्ता एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने इस अभियान का स्वागत किया।

मंदिर के महासचिव संदीप पोरवाल ने इस जनहितकारी पहल के लिए मंगलमय परिवार, नोएडा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अभियान धार्मिक आस्था, सनातन संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने संतुष्टि सेवा फाउंडेशन की सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका की भी सराहना की।

आयोजकों ने बताया कि इन निर्मल्या कलश पात्रों में घरों से निकली खंडित देवी-देवताओं की मूर्तियां, धार्मिक चित्र, पूजा-पाठ की पुस्तकें, भगवान के वस्त्र, चुनरी तथा अन्य पूजन सामग्री सम्मानपूर्वक एकत्रित की जाएगी। इसके बाद इनका शास्त्रोक्त विधि-विधान के अनुसार गरिमापूर्ण निस्तारण किया जाएगा, जिससे धार्मिक भावनाओं का सम्मान बना रहेगा और पवित्र सामग्री के अनुचित तरीके से फेंके जाने की समस्या भी समाप्त होगी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर इस अभियान का समर्थन किया।

उल्लेखनीय है कि मंगलमय परिवार, नोएडा द्वारा अब तक शहर के 201 मंदिरों में निर्मल्या कलश पात्र स्थापित किए जा चुके हैं। संस्था यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। कोई भी मंदिर, सेक्टर या आवासीय सोसायटी इस अभियान से जुड़ने के लिए 88009640061 पर संपर्क कर सकती है।

मंगलमय परिवार का यह अभियान धार्मिक आस्था के संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल माना जा रहा है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण में खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज में।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, तीन लोगों की मौत; लापरवाही बनी बड़ी वजह

नई दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटना का मुख्य कारण यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही माना जा रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे में शामिल एक वाहन एक्सप्रेसवे पर पीछे की ओर रिवर्स हो रहा था, जो हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे पर बेहद खतरनाक और गंभीर यातायात उल्लंघन है। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे भीषण दुर्घटना हो गई।

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि एक्सप्रेसवे पर सफेद लेन (लेन मार्किंग) का पालन, निर्धारित लेन में वाहन चलाना और केवल निर्धारित स्थान पर ओवरटेक करना बेहद आवश्यक है। तेज रफ्तार के साथ लेन अनुशासन का पालन न करना भी दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनता है। यह हादसा एक बार फिर इस बात की याद दिलाता है कि देश में विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे तो बनाए जा रहे हैं, लेकिन यदि वाहन चालक यातायात नियमों का पालन नहीं करेंगे तो ऐसे हादसों को रोक पाना मुश्किल होगा।

सम्राट मिहिरभोज समाज पार्टी में प्रजापति समाज के कई प्रमुख लोगों का शामिल होना, मिशन-2027 को लेकर गांव-गांव जनसंपर्क अभियान तेज

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। सम्राट मिहिरभोज समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को गौतमबुद्ध नगर के गढ़ी आजमपुर स्थित जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र गुर्जर 'गुरुजी' ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रजापति समाज के प्रमुख लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

पार्टी में शामिल होने वालों में मास्टर भोपाल सिंह प्रजापति, महेश प्रजापति, हरलाल प्रजापति, सुनील प्रधान प्रजापति, कैलाश प्रजापति, राजेश दिवाकर सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। सभी नए सदस्यों का पार्टी नेतृत्व ने फूल-माला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर चौधरी हरेंद्र गुर्जर 'गुरुजी' ने कहा कि सम्राट मिहिरभोज समाज पार्टी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर प्रदेश में एक मजबूत राजनीतिक विकल्प तैयार करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य सामाजिक समरसता, जनहित और विकास के मुद्दों को मजबूती से उठाना है।

बैठक में चौधरी जिले सिंह भाटी (गढ़ी आजमपुर), चौधरी जुगेंद्र भाटी (पूर्व प्रदेश सचिव), चौधरी धीरज गुर्जर (पूर्व अध्यक्ष, पश्चिमी उत्तर प्रदेश), चौधरी देवेंद्र भाटी (पूर्व मंडल अध्यक्ष, मेरठ), चौधरी बलराज भाटी (जिला अध्यक्ष, गौतमबुद्ध नगर) तथा पंडित मास्टर सोनू शर्मा (जिला महासचिव एवं जेवर विधानसभा प्रभारी) सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के बाद जिला अध्यक्ष चौधरी बलराज भाटी के नेतृत्व में मिशन-2027 विधानसभा चुनाव को लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। पार्टी कार्यकताओं ने बांजरपुर, सरकपुर, राजपुर, चीती सहित आसपास के कई गांवों का दौरा कर लोगों से संपर्क किया और पार्टी की नीतियों एवं भावी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए लगातार सदस्यता अभियान, जनसंपर्क और संगठन विस्तार कार्यक्रम चलाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जा सके।

45 दिन में पूरा होना था काम, चार साल बाद भी अधूरी 1.34 करोड़ की डीप सीवर परियोजना; मधु विहार के हजारों लोगों की जान जोखिम में

30 फीट गहरा खुला गड्ढा बना हादसों का कारण, रोजाना जाम और दुर्घटना का खतरा; रणबीर सिंह सोलंकी ने एलजी और मुख्यमंत्री से तत्काल कार्रवाई की मांग

समाज जागरण

नई दिल्ली (महेश मिश्रा)। द्वारका सेक्टर-3 स्थित मधु विहार में दिल्ली जल बोर्ड की 1.34 करोड़ की डीप सीवर परियोजना पिछले लगभग चार वर्षों से अधूरी पड़ी है। महज 45 दिनों में पूरा होने वाला यह कार्य अब हजारों लोगों के लिए गंभीर सुरक्षा संकट बन चुका है। परियोजना के तहत खोदा गया करीब 30 फीट गहरा गड्ढा आज भी खुला पड़ा है, जिससे प्रतिदिन स्कूली बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और वाहन चालकों की जान जोखिम में बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, मधु विहार में वर्षों पुरानी सीवर निकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने 27 अप्रैल 2022 को लगभग 1.34 करोड़ रुपये की लागत से डीप सीवर परियोजना का कार्यादेश जारी किया था। अनुबंध के अनुसार कार्य को 45 दिनों में पूरा किया जाना था, लेकिन निर्धारित समय सीमा समाप्त हुए लगभग चार वर्ष बीत जाने के बावजूद परियोजना अधूरी पड़ी है।

जीवनरेखा बनी सड़क आज बनी परेशानी का सबब

परियोजना के तहत सी-ब्लॉक स्थित महाराणा प्रताप द्वार के पास सर्विस रोड पर गहरा गड्ढा खोदा गया। यह सड़क मधु विहार को द्वारका सेक्टर-2 सहित आसपास के स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक भवनों, प्रशिक्षण केंद्रों और प्रमुख यातायात मार्गों से जोड़ने वाली मुख्य सड़क है।

प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं, नौकरीपेशा लोग, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। यही सड़क भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, सरकारी विद्यालय, एमसीडी प्राथमिक विद्यालय, आरोग्य मंदिर डिस्पेंसरी तथा गुरुग्राम, पालम और आईजीआई एयरपोर्ट जाने वाले लोगों के लिए भी प्रमुख संपर्क मार्ग है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

स्थानीय निवासियों का कहना है कि खुले गड्ढे के कारण पिछले चार वर्षों में कई दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर घायल हो चुके हैं। 31 अक्टूबर 2023 को एक इको कार भी इस गड्ढे में गिर गई थी, जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हुआ था।

फिलहाल सड़क का एक हिस्सा बंद होने के कारण प्रतिदिन लंबा जाम लगता है। दूसरी सर्विस लेन भी लगभग अनुपयोगी हो चुकी है, जिसके चलते कई वाहन चालक मजबूरी में गलत दिशा से वाहन चलाने को विवश हैं। इससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ रही है।

'यह केवल निर्माण कार्य नहीं, हजारों लोगों की सुरक्षा का सवाल'

फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन एवं समाजसेवी रणबीर सिंह सोलंकी ने कहा कि पिछले चार वर्षों से क्षेत्रवासी लगातार दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित अधिकारियों को शिकायतें भेज रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

उन्होंने कहा कि यह केवल अधूरी परियोजना का मामला नहीं, बल्कि हजारों नागरिकों की सुरक्षा और जीवन से जुड़ा गंभीर विषय है। जिस परियोजना को 45 दिनों में पूरा होना था, वह चार वर्ष बाद भी अधूरी है। नई सरकार को कार्यभार संभाले भी एक वर्ष से अधिक समय हो चुका है, लेकिन लोगों की समस्या जस की तस बनी हुई है।

सोलंकी ने कहा कि जनकपुरी की दुखद घटना के बाद केवल बैरिकेडिंग कर औपचारिकता पूरी कर दी गई, जबकि स्थायी समाधान आज तक नहीं किया गया। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

एलजी और मुख्यमंत्री से की चार प्रमुख मांगें

रणबीर सिंह सोलंकी ने उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से मांग की है कि–

डीप सीवर परियोजना को युद्धस्तर पर शीघ्र पूरा कराया जाए।

लगभग 30 फीट गहरे खुले गड्ढे को तत्काल सुरक्षित कर सड़क आमजन के लिए पूरी तरह खोली जाए।

परियोजना में हुई लगभग चार वर्षों की देरी की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों, एजेंसी और ठेकेदार की जवाबदेही तय की जाए।

स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्थायी एवं प्रभावी वैकल्पिक यातायात व्यवस्था तत्काल लागू की जाए।

उन्होंने कहा कि समय रहते प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। क्षेत्र के हजारों नागरिकों को उम्मीद है कि प्रशासन जनहित से जुड़े इस गंभीर मामले में शीघ्र संवेदनशील और प्रभावी कार्रवाई करेगा।

शासन की मंशा का स्वागत है, परंतु केमिस्टों की समस्याओं का भी हो निराकरण- मो. नसीम

सदस्यता अभियान के दसवें दिन बने पांच नए सदस्य

समाज जागरण

संभल।केमिस्ट एसोसिएशन की बैठक नगर की तिरंगा मार्केट में शर्मा मेडिकोज पर संपन्न हुई जिसमें वक्ताओं ने नशा निरोधक दिवस मनाया। इस अवसर पर सभी ने प्रतिबंधित और नशीली दवाएं न खरीदने और न बेचने का संकल्प लिया और अपने साथी केमिस्टों को भी प्रतिबंधित दवाओं की खरीद और बिक्री न करने की सलाह देने का प्रण लिया। केमिस्ट एसोसिएशन के

उपाध्यक्ष मोहम्मद नसीम ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी केमिस्ट बंधु व्यापार के साथ समाज की सेवा कर रहे हैं। परंतु दवाइयों की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाने जैसे महत्वपूर्ण कदम विभाग एवं सरकार को भी उठाने चाहिए। क्योंकि समाज और केमिस्टों की चिंता शासन प्रशासन को भी करनी होगी। केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री अजय कुमार शर्मा ने एसोसिएशन द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के अंतर्गत सैनी मेडिकल स्टोर, कार्तिकेय मेडिकल स्टोर, विशाल मेडिकल स्टोर, कुमार मेडिकल स्टोर, राजश्री मेडिकल स्टोर के मेडिकल स्वामी हरपाल सिंह, विशाल कुमार, दुर्वेश सैनी, सत्यवीर सिंह तथा लोकेश कुमार आदि पांच सदस्यों को माल्यार्पण करके केमिस्ट एसोसिएशन का सक्रिय सदस्य मनोनीत किया। दुर्वेश सैनी ने कहा कि केमिस्ट एसोसिएशन गत लंबे समय से समाज, केमिस्ट और क्षेत्र का विश्वास अर्जित किए हुए है। इसकी साख बनाने के लिए हम सभी केमिस्ट तन मन धन से समर्पित रहेंगे। कार्यक्रम में मोहम्मद शाहनवाज, सुबोध पाल, राहिल भारतीय, अंकुश त्यागी,

मोहम्मद शाहनवाज, आदित्य शर्मा, अतुल त्यागी, मनोज गुप्ता सहित अनेक केमिस्ट बंधु उपस्थित रहे। अध्यक्षता हरपाल सिंह ने की संचालन सुबोध पाल ने किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

समाज जागरण

बहजोई/संभल। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, पी.एम.श्री विद्यालय पाठकपुर, विकासखण्ड बहजोई में जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया गया। अभियान की शुरूआत करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भारत भले ही पोलियो मुक्त हो चुका है, लेकिन पड़ोसी देशों में अभी भी इसके मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में हमारे बच्चों की सुरक्षा के लिए यह सुरक्षा चक्र बनाए रखना बेहद जरूरी है। जनपद के 1448 पोलियो बूथों पर दवा पिलाई जा रही है। इसके बाद छूटे हुए बच्चों के लिए स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर (डोर-टू-डोर) पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। जनपद में मोबाईल एवं ट्रांजिट टीमें गठित कर ईंट-भट्टों, निर्माण स्थलों, बस स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों (हाई-रिस्क एरिया) में पोलियो

की खुराक पिलाई जायेगी।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. तरुण पाठक द्वारा बताया गया कि अभियान को सफल बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध है और सभी बूथों पर वैक्सीन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कोल्ड चेन का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्य में अध्यापक, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को तैनात किया गया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. पंकज कुमार विश्नोई द्वारा बताया गया कि इस अभियान में 0-5 वर्ष के 397518 बच्चों का लक्ष्य रखा गया है जिस हेतु 1448 बूथ, 854 हाउस टू हाउस टीमें, 123 ट्रांजिट टीमें एवं 36 मोबाईल टीमें लगाई गई है। इस अवसर पर अल्का शर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सम्भल, डा. मनमोहन शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, बहजोई, संजीव राठौर, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एम .एल. पटेल, विनोद वार्ष्णेय, लवली सक्सैना, मौ. अनस, अध्यापक, एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी उपस्थित रही।

उपसंचालक चकबंदी न्यायालय ने लगभग 2.25 से 2.50 हेक्टेयर ग्राम सभा भूमि पुनः ग्राम सभा के नाम दर्ज करने का आदेश किया पारित

समाज जागरण

संभल।उपसंचालक चकबंदी न्यायालय, सम्भल द्वारा विकासखंड सम्भल के ग्राम/ मौजा तख्त गोसाईं स्थित लगभग 2.25 से 2.50 हेक्टेयर (कुल 5.06 एकड़) भूमि को पुनः ग्राम सभा के नाम दर्ज करने का आदेश पारित किया गया है। आदेश के अंतर्गत गाटा संख्या 206 (0.34 एकड़), 207 (1.91 एकड़), 233 (1.78 एकड़), 242/378 (0.53 एकड़) एवं 279 (0.50 एकड़) सम्मिलित हैं। प्रकरण के अनुसार, शासन के 11 अगस्त 1954 के गजट के माध्यम से मौजा तख्त गोसाईं को गैर आबाद घोषित करते हुए उसका प्रबंधन तत्कालीन परिस्थितियों में नगर पालिका परिषद, सम्भल को सौंपा गया था। यह क्षेत्र उस समय भी तथा वर्तमान में भी नगर पालिका परिषद की सीमा से बाहर स्थित है। वर्ष 1995 में ग्राम चकबंदी प्रक्रिया के अंतर्गत आया, जिसमें उक्त गाटों सहित लगभग 2.25 से 2.50 हेक्टेयर ग्राम सभा भूमि नवीन अभिलेखों में दर्ज थी। चकबंदी कार्यवाही के दौरान सईदुल रहमान ने दावा किया कि उक्त भूमि उन्हें तत्कालीन नगर पालिका परिषद, सम्भल के अध्यक्ष स्वर्गीय साहू चिरंजीलाल द्वारा पट्टे पर प्रदान की गई थी। इसी आधार पर उन्होंने 12 जुलाई 1967 को अपना नाम दर्ज कराने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, अमीर चन्द्र ने स्वयं को अनुसूचित जाति का बताते हुए विवादित भूमि पर कब्जा होने का दावा किया तथा उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम की धारा 122-बी(4-एफ) का लाभ दिए जाने की मांग की।
चकबंदी अधिकारी द्वारा दोनों दावे निरस्त कर भूमि की स्थिति यथावत बनाए रखी गई। इसके पश्चात दोनों पक्षों ने बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के समक्ष अपील दायर की, जिसे भी निरस्त कर दिया गया। बाद में उपसंचालक चकबंदी न्यायालय में निगरानी याचिका दायर की गई। तत्कालीन उपसंचालक चकबंदी ने अमीर चन्द्र की निगरानी यह कहते हुए खारिज कर दी कि चकबंदी अधिकारियों को धारा 122-बी(4-एफ) का लाभ देने का अधिकार नहीं है। वहीं सईदुल रहमान के कथित पट्टे के दावे को स्वीकार करते हुए उनके पक्ष में नाम दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया गया।
इसके उपरांत तहसील स्तर पर चकबंदी से पूर्व तथा बाद में कई बार बेदखली की कार्यवाही भी संचालित हुई, किन्तु न्यायालय से प्राप्त स्थगन आदेशों के आधार पर कब्जा बना रहा। इस दौरान सईदुल रहमान एवं उनके उत्तराधिकारियों द्वारा भूमि का अधिकांश भाग अन्य व्यक्तियों को विक्रय कर दिया गया। दिनांक 3 जून 2026 को जिला शासकीय अधिवक्ता ने पुनरीक्षण प्रार्थना पत्र तत्कालीन प्रभारी उपसंचालक चकबंदी (अपर जिलाधिकारी न्यायिक) के समक्ष प्रस्तुत किया। बाद में वर्तमान उपसंचालक चकबंदी ओमप्रकाश अंजोर द्वारा सभी पक्षों को विधिवत नोटिस जारी कर सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान नगर पालिका परिषद, सम्भल की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें स्पष्ट किया गया कि सईदुल रहमान के नाम कोई पट्टा कभी जारी नहीं किया गया। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष को इस प्रकार का पट्टा देने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं था तथा नगर पालिका के अभिलेखों में ऐसे किसी पट्टे का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार कथित पट्टा फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज के आधार पर तैयार किया गया था।
उपसंचालक चकबंदी द्वारा समस्त अभिलेखों का गहन परीक्षण एवं सभी पक्षों को सुनवाई का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया। सईदुल रहमान के निधन के कारण उनके उत्तराधिकारियों को भी सूचना दी गई, किन्तु वे न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। जबकि भूमि क्रय करने वाले व्यक्ति न्यायालय में उपस्थित रहे और उनकी भी सुनवाई की गई।

सभी तथ्यों एवं साक्ष्यों के परीक्षण के उपरांत न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि तत्कालीन आदेश कपटपूर्ण एवं फर्जी तथ्यों के आधार पर न्यायालय को भ्रमित कर प्राप्त किया गया था। फलस्वरूप उक्त आदेश को निरस्त करते हुए दिनांक 27 जून 2026 को लगभग 2.25 से 2.50 हेक्टेयर

(कुल 5.06 एकड़) ग्राम सभा भूमि पुनः ग्राम सभा के नाम दर्ज किए जाने का आदेश पारित किया ।

न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह, प्रशासनिक न्यायाधीश, जनपद सम्भल का प्रथम निरीक्षण भ्रमण सम्पन्न

समाज जागरण

संभल। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह, न्याया धीश, इलाहाबाद उच्च न्याया लय एवं प्रशासनिक न्यायाधीश, जनपद सम्भल का जनपद सम्भल का प्रथम प्रशासनिक भ्रमण सम्पन्न हुआ है न्यायमूर्ति महोदय के जनपद सम्भल आगमन पर जनपद न्यायाधीश डॉ. विदुषी सिंह द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात न्याय मूर्ति महोदय ने जनपद न्यायालय परिसर का निरीक्षण कर न्यायालयों की व्यवस्थाओं एवं आधारभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के उपरांत न्यायमूर्ति महोदय ने जिला बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान अधिवक्ताओं द्वारा न्यायिक कार्यों एवं न्यायालय परिसर से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिन्हें माननीय

न्यायमूर्ति ने गंभीरतापूर्वक सुना तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके पश्चात न्यायमूर्ति महोदय ने जनपद के समस्त न्यायिक अधि कारियों के साथ बैठक कर न्यायिक कार्यों की प्रगति, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध न्यायिक निस्तारण तथा न्यायिक प्रशासन से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा की एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। भ्रमण के दौरान न्यायमूर्ति महोदय ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एम .ए.सी.टी.) का भी निरीक्षण किया तथा अभिलेखों एवं न्यायिक कार्यों का अवलोकन करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। यह प्रथम प्रशासनिक भ्रमण जनपद न्यायालय सम्भल के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक रहा। उनके द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश न्यायिक कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

पेट्रोलियम उत्पादों (एमएस/एचएसडी) की बिक्री संबंधी नए प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने निदेशक (विपणन-पीएनजी)पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना तथा शासनादेश के अनुपालन में जानकारी देते हुए बताया कि मोटर स्पिरिट और उच्च वैग डीजल (खुदरा) विक्रय केन्द्र के माध्यम से प्रदाय का अस्थायी विनियमन आदेश-2026 निर्गमन विषयक है। प्रश्नगत पत्र के साथ खुदरा ब्रिकी केन्द्र के माध्यम से एम०एस०/ एच०सी०डी०
की अधिप्राप्त मात्रा पर प्रतिबन्ध लगाते हुये निर्देश जारी किये गये है। उन्होंने बताया कि जारी निदेशों के अनुसार संस्थागत और प्रत्यक्ष अथवा औद्योगिक और व्यवसायिक ग्राहक, खुदरा बिक्री केन्द्र से एम०एस० और / या एच०एस०डी० नहीं खरीदेंगे या नहीं मंगवायेंगे और अपनी एम०एस० / एच०सी०डी० की आवश्यकताओं को केवल अपने उपभोक्तआओं पंप से ही पूरी करेंगे। खुदरा ब्रिकी केन्द्र एचएसडी० केवल वाहनों के टैंक अथवा पैसो (ढएरड) से अनुमोदित कंटेनर में ही ब्रिकी करेंगे और एक दिन में एक ग्राहक / वाहन को 200 लीटर से ज्यादा एच०एस०डी० ब्रिकी नहीं करेंगे। ऐसे ग्राहक इस एच०एस०डी० की पुनः ब्रिकी नहीं कर सकते है। तेल विपणन कंपनियां तथा खुदरा विक्रय केन्द्र डीलर धारा 3 के अधीन लगाये गये प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा उनके उल्लंघन को रोकेंगे। इस प्रावधान के तहत की आदेश जारी होने की तिथि से अधिकतम 90 दिनों की प्रारम्भिक वैधता के लिये या किसी अन्य आदेश द्वारा रद्द किए जाने तक, जो भी पहले हो जारी किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, यदि आदेश अपनी समाप्ति से पहले रद्द नहीं किया जाता है तो इसे लागू रखने के लिये किसी अन्य आदेश द्वारा उसका विस्तार करा होगा और यह विस्तार आदेश में निर्धारित अवधि तक वैध रहेगा। अतः एम०एस०/ एच०एस०डी० निर्गत करने सम्बंधी जारी पूर्व समस्त आदेशों को अवक्रमित करते हुये समस्त सम्बंधित को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त दिये गये निदेशों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर जनपद में होगा भव्य कार्यक्रम

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

बिजनौर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महान दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर 29 जून को व्यापारी कल्याण दिवस मनाए जाने के क्रम में जनपद बिजनौर में राज्य कर विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित विदुर सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा जिलाधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में विभिन्न व्यापारी एवं उद्यमी संगठनों के प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर जनपद के 10 उत्कृष्ट व्यापारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान महान दानवीर भामाशाह के जीवन, उनके राष्ट्रहित में दिए गए योगदान एवं आदर्शों पर प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही वर्तमान समय में व्यापारी वर्ग की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका, उनके उल्लेखनीय योगदान तथा व्यापारियों के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, बिजनौर ने जनपद के समस्त व्यापारी संगठनों, उद्यमियों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे 29 जून को अपराह्न 3:30 बजे कलेक्ट्रेट स्थित विदुर सभागार में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं तथा व्यापारी कल्याण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति में हाशिम अहमद लगातार पांचवीं बार बने जिला अध्यक्ष

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। पत्रकार हितों और पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर कार्य कर रहे अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक नजीबाबाद स्थित कक्कू फार्म पर आयोजित की गई। बैठक में संगठन की समीक्षा, विस्तार और आगामी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।
प्रदेश स्तरीय टीम के नजीबाबाद पहुंचने पर आयोजित समीक्षा बैठक में संगठन नेतृत्व ने एक बार फिर भरोसा जताते हुए हाशिम अहमद को लगातार पांचवीं बार बिजनौर का जिला अध्यक्ष घोषित किया। इस घोषणा के बाद उपस्थित पत्रकारों और संगठन से जुड़े सदस्यों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया।
प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने बताया कि संगठन वर्तमान में भारत के 22 राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर लगातार अभियान चला रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश भ्रमण के उपरांत जल्द ही लखनऊ में बड़े स्तर पर राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। बैठक में जय प्रकाश पाण्डेय, विपिन कांत सिंह, संतोष कुशवाहा, अशफाक अहमद के साथ नगर अध्यक्ष नौशाद सैफी, डॉ. आफताब नोमानी, अशरफ अली, अल्ताफ रजा, जुनैद अंसारी, सुहैल राजू, मयंक कश्यप, अब्दुल रऊफ, गुलजार शेख, आफताब आलम मरगूब नासिर शादाब जफर शमीम सिद्दीकी डॉ वसीम बारी शाही अराफात मोहम्मद अशरफ जूनियर रिपोर्टर अमन, झालू से इम्तियाज अली, अफसर अली, शहजाद अहमद सहित अनेक पत्रकार एवं संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे।
लगातार पांचवीं बार जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर मीडिया कर्मियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। सभी ने पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। मीटिंग में जूनियर रिपोर्टर अमन को भी सम्मानित किया गया है।

पल्स पोलियो की दवा पिलाकर सीएमओ ने अभियान का किया शुभारम्भ।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। रविवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मटसेना पर बच्चों को पोलियो की दवा पिला कर अभियान का शुभारम्भ किया मटसेना प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रविवार को राष्ट्रीय

पल्स पोलियो अभियान के अन्तर्गत केन्द्र पर मौजूद बच्चो को पल्स पोलियो की दवा मुख्य चिकित्सा अधिकारी रामवदन राम ने अपने हाथों से पिलाकर अभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर डॉ कमल किशोर वर्मा नोडल अधिकारी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी , डॉ कृति गुप्ता, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उसायनी, डॉ रवि कांत चिकित्सा अधिकारी पीएचसी मटसेना, एस. एम.ओ डब्लू एच ओ फिरोजाबाद, एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी रामवदन राम द्वारा शत प्रतिशत बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के लिए निर्देशित किया गया है।

यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले चोर को जीआरपी ने किया गिरफ्तार

कब्जे से दो मोबाइल बरामद

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। ट्रेनो में सफर के दौरान यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले दो शातिर चोरो को जीआरपी फिरोजाबाद ने शनिबार को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन भी बरामद किये है महानिदेशक रेलवे के आदेशानुसार पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज के पर्यवेक्षण एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग आगरा के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे इटावा के नेतृत्व में चलती ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर आपराधिक घटनाओं की रोकथाम, वाछित,वारंटी -इनामियां

अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ,सघन चैकिंग अभियान के अन्तर्गत शनिबार को थाना जीआरपी फिरोजाबाद पुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन शिकोहाबाद पर चैकिंग की जा रही थी, इस दौरान मुखबिर द्वारा मिली सूचना के आधार पर मोबाइल चोरी करने वाले अभियुक्त प्रियांशु उर्फ प्रांशू राठौर निवासी गली नं0 1 मोहल्ला अग्रवाल धर्मशाला के पीछे थाना कोतवाली मैनपुरी जिला मैनपुरी को शिकोहाबाद स्टेशन से गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त के कब्जे से चोरी के 02 मोबाइल बरामद हुए।

जमीन विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, एक ही परिवार के चार लोग घायल खबरः

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना जसराना क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। घटना में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घायलों के परिजनों का आरोप है कि चंद्रशेखर की सड़क किनारे स्थित जमीन पर कब्जा करने को लेकर गांव के कुछ लोगों से पिछले करीब एक वर्ष से

विवाद चल रहा है। आरोप है कि विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। घटना में सोनी, पूनम, अनिल और रघुनंदन गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने रामवीर, ओमवीर, धर्मवीर और छोटेलाल सहित अन्य लोगों पर मारपीट और जमीन पर कब्जे का प्रयास करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के बयान लेकर घटना की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रॉमा सेंटर के नए वार्ड में सुरक्षा पर सवाल, मुख्य गेट पर ताला... हादसा हुआ तो कैसे बचेंगे मरीज?

समाज जागरण

फिरोजाबाद। लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रशासन अलर्ट, जिला अस्प ताल के निरीक्षण में नहीं दिखी यह बड़ी खामी; ईडी-3 वार्ड में एक ही रास्ते से हो रहा आवागमन फिरोजाबाद में लखनऊ के कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद प्रशासन भले ही सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सख्ती दिखा रहा हो, लेकिन जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में हाल ही में शुरू हुए ईडी-3 वार्ड की व्यवस्था कई सवाल खड़े कर रही है। वार्ड के मुख्य गेट पर अंदर से ताला लगा होने और केवल एक रास्ते से आवाजाही होने से आपात स्थिति में मरीजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिरोजाबाद। लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में प्रशासन और अग्निशमन विभाग सुरक्षा मानकों की पड़ताल में जुटा है। फिरोजाबाद में भी जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, एसएसपी आदित्य लांग्हे और अग्निशमन विभाग की टीम ने ट्रॉमा सेंटर समेत जिला अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा इंतजाम संतोषजनक बताए गए, लेकिन ट्रॉमा सेंटर के नए ईडी-3 वार्ड की वास्तविक स्थिति कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। हाल ही में शुरू किए गए ईडी-3 वार्ड में मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। यहां वार्ड के मुख्य बड़े गेट पर अंदर से ताला लगा रहता है, जबकि प्रवेश और निकासी के लिए केवल एक दरवाजे का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में यदि आग लगने या किसी अन्य आपात स्थिति में तत्काल वार्ड खाली कराने की नौबत आती है तो मरीजों और तीमारदारों के बीच भगदड़ मच सकती है।

सबसे गंभीर सवाल यह है कि आपातकाल के दौरान बंद गेट की चाबी समय पर मिलेगी या नहीं। यदि चाबी तलाशने में देरी हुई तो राहत और बचाव कार्य प्रभावित हो सकता है। इससे मरीजों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। गौरतलब है कि लखनऊ की घटना के बाद अस्पतालों, कोचिंग संस्थानों और अन्य सार्वजनिक भवनों में फायर सेफ्टी मानकों की विशेष जांच की जा रही है। ऐसे समय में जिला अस्पताल के नए वार्ड में सामने आई यह व्यवस्था सुरक्षा दावों पर सवाल खड़े कर रही है। अब सवाल यह है कि यदि भविष्य में कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी तय होगी? स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन को तत्काल इस खामी को दूर करते हुए सभी आपात निकासी मार्ग हर समय खुले और उपयोग योग्य रखने चाहिए, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में जनहानि से बचा जा सके।

थाना समाधान दिवस में क्षेत्राधिकारी धामपुर ने सुनीं जनसमस्याएं, मौके पर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

स्योहारा। थाना परिसर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में क्षेत्राधिकारी धामपुर ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान एक ग्रामीण महिला ने क्षेत्राधिकारी के समक्ष शिकायत रखते हुए बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते कुछ लोगों ने उसके खेत में लगी सिंचाई की मोटर खराब कर दी है। इसके कारण खेत में पानी नहीं पहुंच पा रहा है और उसकी फसल सूखने की स्थिति में है। महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी धामपुर ने तत्काल एसआई राजेश कुमार को निर्देशित किया कि स्वयं मौके पर जाकर जांच करें तथा हर हाल में शाम तक महिला के खेत में सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं, ताकि उसे किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी दौरान एक अन्य महिला ने भी अपनी समस्या

क्षेत्राधिकारी के समक्ष रखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।
थाना समाधान दिवस में कुल चार शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी शिकायतों को गंभीरता से दर्ज करते हुए उनके शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी धामपुर ने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता आमजन को त्वरित न्याय दिलाना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति को न्याय पाने के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। शिकायत प्राप्त होते ही उसकी निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध तरीके से समाधान कराया जाए, ताकि लोगों का पुलिस और प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो। थाना समाधान दिवस के दौरान थाना प्रभारी सहित पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे और फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान की प्रक्रिया शुरू की गई।

संपादकीयः दावों के 'अमृत काल' में जहर पीती हिंडन-कृष्णा बेल्ट

बड़ौत में समाजसेवी मोहित चौहान ने कहा- फैक्ट्रियों का रसायन बना साइलेंट किलर; कैंसर विलेज में बदले सैकड़ों गांव, AIIMS की मांग उठी

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। नगर में प्रेस वार्ता करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी सामाजिक कार्य कर्ता मोहित चौहान ने कहा कि नदियों को जीवित रखना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सहारनपुर से गाजियाबाद-नोएडा तक बहने वाली हिंडन-कृष्णा नदियां आज मृत जलस्रोत नहीं, बल्कि पश्चिमी यूपी की सभ्यता के लिए साइलेंट किलर बन चुकी हैं। कभी कृषि की धमनियां रहीं इन नदियों में अब फैक्ट्रियों का गाढ़ा, काला और तेजाबी रसायन बह रहा है। केंद्रीय-राज्य प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट से इतर जमीनी हकीकत यह है कि हेवी मेटल्स ने नदी और जमीन का पानी जहरीला कर दिया है। नतीजे में बागपत-मेरठ-गाजियाबाद बेल्ट के सैकड़ों गांवों में कैंसर, अस्थमा, त्वचा और पेट की बीमारियां महामारी बन गई हैं, कई गांव 'कैंसर विलेज' कहे जाने लगे हैं। मोहित चौहान ने कहा कि देश को सबसे ज्यादा राजस्व-अनाज देने वाला यह क्षेत्र स्वास्थ्य के मोर्चे पर लाचार है। गरीब मरीजों को इलाज के लिए दिल्ली AIIMS की कतारों या कर्ज लेकर निजी अस्पताल जाना पड़ता है। यह प्राकृतिक आपदा नहीं, प्रशासनिक-राजनीतिक विफलता है। उन्होंने मांग की कि हिंडन-कृष्णा बेसिन के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाकर प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर आपराधिक कार्रवाई हो और युद्धस्तर पर एक समर्पित AIIMS की स्थापना हो, क्योंकि बीमार जनता के कंधों पर सशक्त राष्ट्र नहीं बन सकता।

बड़ौत में ई-रिक्शा चालकों की बैठक, यूनियन गठन और किराया बढ़ोतरी पर सहमति

बड़ौत श्रमिक एसोसिएशन के नेतृत्व में तहसील परिसर में मंथन; अड्डे-अड्डे 10₹ किराया तय, लाइन से सवारी बिठाने और परिचय पत्र का प्रस्ताव पास

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। तहसील परिसर बड़ौत के मैदान में बड़ौत श्रमिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों के नेतृत्व में ई-रिक्शा चालकों की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता सभासद विक्रांत तोमर ने की और संचालन प्रवीण वर्मा ने किया। बैठक में ई-रिक्शा चालकों ने यूनियन बनाने और बढ़ती महंगाई के कारण किराया वृद्धि की मांग रखी। साथ ही प्रशासन से सहयोग की अपील की गई। चालकों ने कहा कि बड़ौत में दुकानदारों व फेरीवालों के कारण जाम की समस्या रहती है, जिससे ई-रिक्शा वालों को रोज लड़ाई-झगड़े का सामना करना पड़ता है। समाजसेवी मोहित चौहान ने रिक्शा चालकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का आह्वान करते हुए सभी से एकजुट होकर यूनियन बनाने और कानून का पालन करने को कहा। बैठक में रिक्शा चालकों की सहमति से तीन प्रस्ताव पास हुए एक मांग अड्डे से अड्डे तक और अड्डे से नगर के मध्य भाग तक किराया 10 रुपए होगा। दूसरी मांग हर अड्डे पर क्रम से लाइन लगाकर रिक्शा चालक सवारी बिठाएंगे। तीसरी मांग रिक्शाओं पर यूनियन की ओर से रिक्शा नंबर, रूट अनुसार किराया, चालक का नाम, पता, मोबाइल नंबर और परिचय पत्र दिया जाएगा। इस मौके पर प्रमोद, सूरस खान, सत्तार, नाहिद हसन, सोहन वीव विक्की, मुकेश, ताहिर, सोनू, राजपाल, मनीष चालक उपस्थित रहे।

लाला अर्जुन सिंह की पुण्यतिथि पर टटीरी में नेत्र शिविर व अभिनंदन समारोह, 594 मरीज लाभान्वित

524 को चश्मे , 32 को श्रवण यंत्र मिले, 10 के मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए लोनी भेजा; गोपाल गोयल समेत राष्ट्रीय पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

समाज जागरण

अग्रवाल मंडी टटीरी। स्वतंत्रता सेनानी स्व. लाला अर्जुन सिंह जी की 34वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में निःशुल्क नेत्र शिविर और अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भव्य अभिनंदन समारोह आयो जित किया गया। शिविर में 594 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में 594 नेत्र रोगियों की जांच की गई। इनमें 524 जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि 32 मरीजों को सुनने की मशीन यानी श्रवण यंत्र प्रदान किए गए। मोतियाबिंद से पीड़ित 10 मरीजों को ऑपरेशन के लिए तारा नेत्रालय, लोनी भेजा गया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन इकाई बागपत द्वारा आयोजित समारोह में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य भूषण जैन, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल और राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनोद गुप्ता का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, पगड़ी व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंडल अध्यक्ष लायन एमएस जस्सार ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि लायन आलोक भटनागर ने कहा कि लाला अर्जुन सिंह के संस्कारों से प्रेरित होकर लायन अभिमन्यु गुप्ता पीड़ित समाज की निरंतर सेवा कर रहे हैं। राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल ने स्व. लाला अर्जुन सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि अग्रवाल सम्मेलन समाज से कुरीतियां दूर करने और चौमुखी विकास के लिए विश्वभर में कार्यरत है। मुख्य संयोजक एमजेएफ लायन अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन सेवा, शिक्षा, संस्कार और संगठन की भावना को सशक्त कर रहा है। जिलाध्यक्ष हंसराज गुप्ता, नगर अध्यक्ष दीपक गोयल, जिला महामंत्री प्रवीण गुप्ता और संयोजक डॉ. कमला अग्रवाल ने भी नवनिर्वाचित टीम को शुभकामनाएं दीं।

वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, युवाओं की सहभागिता और सेवा कार्यों को गति देने का आह्वान किया। समारोह के अंत में मुख्य संयोजक ने सभी का आभार जताते हुए कहा, "एकता, सेवा, संस्कार – यही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है।"

झुलसे चार बच्चों के लिए देवदूत बनी 108 एंबुलेंस, मेरठ मेडिकल कॉलेज पहुंचाया

आग से झुलसे रिहान, बिलाल, शाहिल और उजैद को जिला अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए किया रेफर, तीमारदारों ने जताया आभार

समाज जागरण

बिजनौर। आग से झुलसे चार बच्चों के लिए 108 एंबुलेंस सेवा वरदान साबित हुई। जिला अस्पताल बिजनौर से गंभीर हालत में चारों बच्चों को बेहतर इलाज के लिए शुक्रवार को मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां 108 एंबुलेंस ने उन्हें सुरक्षित पहुंचाया। 108 एंबुलेंस सेवा के कार्यक्रम प्रबंधक राजन कुमार ने बताया कि चारों बच्चे आग की चपेट में आकर झुलस गए थे। जिला अस्पताल बिजनौर में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बर्न यूनिट की सुविधा के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल चारों बच्चों की हालत स्थिर है, लेकिन विशेषज्ञ उपचार और बर्न यूनिट की जरूरत के चलते उन्हें मेरठ भेजा गया। 108 एंबुलेंस टीम ने रिहान 13 वर्ष, बिलाल 12 वर्ष, शाहिल 13 वर्ष और उजैद 12 वर्ष को जिला अस्पताल बिजनौर से पूरी निगरानी में मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। एंबुलेंस स्टाफ ने रास्ते भर बच्चों की स्थिति पर नजर रखी और समय से अस्पताल पहुंचाया। मरीजों के तीमारदारों ने 108 एंबुलेंस सेवा की तत्परता की सराहना की। उन्होंने एंबुलेंस चालक और ईएमटी का धन्यवाद करते हुए कहा कि समय पर मिली सेवा से बच्चों को बेहतर इलाज मिल सका। 108 सेवा एक बार फिर जरूरतमंदों के लिए देवदूत बनकर सामने आई।

समाज में मानसिक अशांति, कटुता और रिश्तों में बढ़ रही दूरियां : धीरज यादव

समाज जागरण बागपत।

सुप्रसिद्ध समाजसेवी धीरज यादव हरियाखेड़ा ने कहा कि आज के समय में मनुष्य के पास सुविधाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं, इसके बावजूद समाज में मानसिक अशांति, कटुता और रिश्तों में दूरियां बढ़ती जा रहे है। धीरज यादव ने बताया कि इसका एक बड़ा कारण यह है कि लोग अपने शब्दों की मयार्दा भूलते जा रहे हैं। बातचीत, जो कभी प्रेम, सहयोग और आत्मीयता का माध्यम हुआ करती थी, आज दूसरों की आलोचना, उप हास और निंदा का साधन बनती जा रही है।किसी व्यक्ति की असफलता, गलती या निजी जीवन पर टिप्पणी करना अब लोगों के लिए सामान्य बात बन चुकी है। यही नहीं, कई बार किसी व्यक्ति की सफलता की सराहना करने के बजाये उसमें खामियां निकालने की कोशिश की जाती है। धीरे-धीरे यह प्रवृत्ति लोगों के व्यक्तित्व का हिस्सा बनती जा रही है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका जीवन समाज के बीच ही विकसित होता है। वह अपने विचारों और व्यवहार से ही लोगों के बीच सम्मान प्राप्त करता है। मगर जब उसकी वाणी में कटुता और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति आ जाती है, तब उसका प्रभाव केवल सामने वाले व्यक्ति पर ही नहीं, बल्कि उसके अपने व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। जो व्यक्ति हर समय दूसरों की कमियां खोजने में लगा रहता है, वह अनजाने में अपने भीतर की असुरक्षा और नकारात्मक सोच को प्रकट कर देता है। कुछ समय के लिए उसे यह लग सकता है कि वह दूसरों से बेहतर है, मगर धीरे-धीरे लोग उसके स्वभाव को समझने लगते हैं और उससे दूरी बनाने लगते हैं। निंदा का स्वभाव बिल्कुल उस दीमक की तरह होता है, जो बाहर से दिखाई नहीं देता, लेकिन भीतर ही भीतर मजबूत लकड़ी को खोखला करता रहता है। उसी प्रकार दूसरों की बुराई करने की आदत भी मनुष्य के चरित्र को अंदर से लगतार कमजोर करती रहती है। जो व्यक्ति दूसरों की गलतियों की चर्चा करता है, वह अक्सर यह भूल जाता है कि सुनने वाला व्यक्ति केवल उन बातों को नहीं सुन रहा होता, बल्कि उसके व्यक्तित्व का भी आकलन कर रहा होता है। लोग सामने से उसकी बातों में रुचि दिखा सकते हैं, लेकिन उनके मन में उसके प्रति सम्मान कम होने लगता है। समाज यह अच्छी तरह समझता है कि जो व्यक्ति आज किसी की बुराई कर रहा है, वह कल किसी और के बारे में भी वैसा ही बोल सकता है।

दूसरों की बुराई करना एक ऐसा अवगुण है, जो निंदक के मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है। यह न केवल आपसी विश्वास को नष्ट करता है, बल्कि व्यक्ति के अपने व्यक्तित्व को भी कमजोर बनाता है।

आंखों से दी गई स्व. नरेश सैनी को श्रद्धांजलि,रस्म तेहरवीं में उमड़ा जनसैलाब

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

नगर के कद्दावर एवं जनप्रिय नेता स्वर्गीय नरेश सैनी की रस्म तेहरवीं रविवार को उनके पैतृक आवास पर अत्यंत गमगीन माहौल में संपन्न हुई। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा क्षेत्र के हजारों लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। रविवार को स्वर्गीय नरेश सैनी के आवास पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई लोगों ने स्व. नरेश सैनी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शोक सभा में वक्ताओं ने उनके समाज सेवा के कार्यों को याद करते हुए कहा कि स्व. सैनी का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने जीवनभर गरीब, शोषित और वंचित वर्ग के हितों के लिए संघर्ष किया तथा अपने सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण सभी वर्गों में विशेष सम्मान प्राप्त किया।रस्म तेहरवीं में स्थानीय लोगों के अलावा दूर-दराज से पहुंचे उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी भी परिवार को ढांढस बंधाने के लिए पहुंचे। कार्यक्रम के अंत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की गई। वहीं, शोकाकुल परिवार ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाजपा महानगर फिरोजाबाद द्वारा पांच महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन संपन्न।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। रविवार को भारतीय जनता पार्टी महानगर फिरोजाबाद द्वारा संगठन को बूथ स्तर तक अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रविवार को महानगर के विभिन्न मंडलों एवं सेक्टरों में पांच महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सभी कार्यक्रमों में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम *"मन की बात"* के 135वें संस्करण का बूथ संख्या-8 पर महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर के निज निवास पर सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सरोकार, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार तथा जनभागीदारी से जुड़े प्रेरणादायी विचारों को कार्यकताओं ने गंभीरता से सुना। इसके उपरांत महान राष्ट्रवादी चिंतक, प्रखर शिक्षाविद् एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित कार्य कताओं ने उनके राष्ट्रवादी विचारों एवं देश की एकता-अखंडता के लिए दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से गांधी पार्क में माँ के नाम एक पेड़ अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। कार्यकताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लेते हुए समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

संगठन की डिजिटल कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से कार्यकताओं ने लर्निंग डिजिटल प्लेटफॉर्म टेस्ट में भी सहभागिता की। इसके माध्यम से डिजिटल तकनीक के उपयोग एवं संगठनात्मक दक्षता को बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही प्रत्येक सेक्टर पर मासिक बैठकों का आयोजन कर संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा बूथ सशक्तिकरण पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से प्रत्येक कार्यक्रम के फोटो एवं गतिविधियों को सरल ऐप पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे संगठनात्मक कार्यों का प्रभावी दस्तावेजीकरण होगा तथा कार्यों की पारदर्शिता और सक्रियता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि संगठन सर्वोपरि झ राष्ट्र प्रथम" भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र है और प्रत्येक कार्यकर्ता को इसी भावना के साथ पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ संगठन के कार्यों में जुटना चाहिए। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर, महानगर महामंत्री आनंद अग्रवाल, महानगर मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता, महानगर आईटी सेल संयोजक शिवम शर्मा, व्यापार प्रकोष्ठ जिला संयोजक शैलेंद्र कुमार गुप्ता (शालू), मुकुल शुक्ला, ज्ञान श्रीवास्तव, सुनील बिधौलिया, त्रिलोकी नाथ सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आशिका ने साइंस घर में ऑटोमैटिक स्ट्रीट लाइट मॉडल का किया प्रस्तुतिकरण।

समाज जागरण

सिरसागंज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में समर में जिला समन्यवक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में जनपद में प्रथम बार साइंस घर कार्यक्रम का आयोजन निःशुल्क रूप से जिला विज्ञान क्लब के कार्यालय पर किया जा रहा है। जिसमें 28 वें दिवस पर कक्षा 12 की छात्रा कु आशिका ने अपने ऑटोमैटिक स्ट्रीट लाइट मॉडल के प्रस्तुतिकरण में बताया कि यह मॉडल अंधेरा होने पर स्ट्रीट लाइट को स्वतः चालू तथा उजाला होने पर स्वतः बंद करने की कार्यप्रणाली को दशार्ता है। इसमें एलडीआर सेंसर का उपयोग किया गया है, जो वातावरण में प्रकाश की मात्रा के अनुसार कार्य करता है। दिन में पर्याप्त प्रकाश होने पर लाइट बंद रहती है, जबकि शाम होते ही सेंसर सक्रिय होकर स्ट्रीट लाइट को अपने आप जला देता है। सुबह सूर्य का प्रकाश मिलने पर लाइट बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के स्वतः बंद हो जाती है। इस मॉडल के माध्यम से बिजली की अनावश यक खपत को कम किया जा सकता है तथा ऊर्जा का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है। साथ ही, रात के समय सड़कों पर पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध होने से आवागमन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनता है। इस तकनीक का उपयोग शहरों, गाँवों, पार्कों, विद्यालयों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किया जा सकता है। यह मॉडल आधुनिक तकनीक के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा तथा स्मार्ट प्रकाश व्यवस्था की दिशा में एक सरल, उपयोगी और प्रभावी प्रयास को प्रदर्शित करता है।

अश्वनी कुमार जैन ने आशिका के ऑटोमैटिक स्ट्रीट लाइट मॉडल के रचनात्मक एवं कलात्मक प्रयास की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि साइंस घर में प्रतिदिन विद्यार्थी अपने नवाचार मॉडलों का प्रस्तुतिकरण कर रहे हैं। इस अवसर पर साइंस घर के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

SAFE CLICK 2.0 अभियान के तहत थाना पथरिया, कुम्हारी, बटियागढ़ और रजपुरा में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। पुलिस मुख्यालय के निदेशों नुसार संचालित "SAFE CLICK 2.0" साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले के थाना पथरिया, कुम्हारी, बटियागढ़ एवं रजपुरा क्षेत्र में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजन, विद्यार्थियों, व्यापारियों एवं ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। इस दौरान लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने के खतरे, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड, यूपीआई एवं बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी निवेश योजनाओं तथा साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। पुलिस ने नागरिकों से किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, सीवीवी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई। उपस्थित लोगों को साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित कर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम में जन-जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहकर स्वयं सुरक्षित रहने के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना चाहिए। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए।

दीक्षाः भारत की डिजिटल शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाना

शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय मंच

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) एक खुला मंच है जिससे देश भर के छात्र और शिक्षक अनेक भाषाओं में अच्छी गुणवत्ता वाली पाठ्यक्रम से जुड़ी डिजिटल शिक्षा सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। यह शिक्षा मंत्रालय की 'पीएम ई-विद्या' पहल का एक अहम हिस्सा है जिसका लक्ष्य ऑनलाइन माध्यमों से पढ़ाई को जारी रखना है। दीक्षा को विद्यालयी शिक्षा के लिए देश का 'वन नेशन, वन डिजिटल प्लेटफॉर्म' कहा जाता है। इस मंच की शुरूआत 2017 में की गई थी। यह राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईईटी) के सहयोग से चलाया जाता है। दीक्षा को अलग-अलग जरूरतों के अनुसार कस्टमाइज किया जा सकता है और इसलिए इसे लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न बोर्डों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है। यह के-12 (किंडरगार्टन से 12वीं कक्षा तक) की पूरी डिजिटल शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराता है। इसमें बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) से लेकर वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा तक सब कुछ शामिल है। दीक्षा का लक्ष्य प्रौद्योगिकी और नवाचार से चलने वाली एक गतिशील शिक्षा प्रणाली बनाना है। यह अलग-अलग तरह के सीखने वालों की आवश्यकताओं के लिए आसान, रोचक और व्यक्तिगत अनुभव को बढ़ावा देता है। डिजिटल और संवादात्मक संसाधनों के माध्यम से शिक्षा पारंपरिक कक्षाओं से आगे बढ़ती है। यह छात्रों में ऐसे कौशल विकसित करता है जो अकादमिक सफलता, व्यक्तिगत विकास और सर्वांगीण विकास में सहायता करते हैं। इस मंच पर मीडिया-रिच, इंटरैक्टिव संसाधन हैं। इन संसाधनों में 2डी/3डी एनिमेशन, एआर अनुभव, सिमुलेशन, वर्चुअल लैब और साइन लैंग्वेज वीडियो शामिल हैं। इन्हें

अवधारणात्मक स्पष्टता बढ़ाने और सीखने के अलग-अलग तरीकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें क्यूआर-कोड वाली 'एनर्जाइज्ड टेक्स्टबुक' हैं जो कक्षा में आसानी से जुड़ने के लिए एनसीईआरटी की वास्तविक पुस्तकों को वीडियो, संवादात्मक और शिक्षकों के मार्गदर्शन से जोड़ती हैं। इसमें दिव्यांगों के लिए डेजी (डिजिटल एक्सेसिबल इंफॉर्मेशन सिस्टम) फॉर्मेट, टेक्स्ट-टू-स्पीच और इंडियन साइन लैंग्वेज (आईएसएल) वीडियो जैसी समावेशी सुविधाएं है। दीक्षा असंख्य अभ्यास प्रश्नों, विस्तृत समाधानों, अनुकूल आकलन और योग्यता-आधारित प्रश्न बैंक द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा को बढ़ावा देता है। ये कमियों की पहचान करता है और समय पर सुधार करने में सहायता करता है। यह निष्ठा और राज्य-विशिष्ट टीपीडी मॉड्यूल के माध्यम से शिक्षकों के पेशेवर विकास में सहायता करता है

जमीनी विवाद में चले लाठी फावड़ा डंडे दो लोग गंभीर रूप से घायल। 9 लोगों के ऊपर नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

राजगढ़ मीरजापुर / राजगढ़ थाना क्षेत्र के तालर ग्राम सभा के चित्रबिश्राम गांव में आज दोपहर में दबंगों ने संतोष पटेल और उसके पुत्र को लाठी डंडे फावड़ा से पीट कर गंभीर रूप से घायल किया। जानकारी के अनुसार संतोष पटेल अपने परिवार के साथ खेत में काम कर रहे थे इस बीच गांव के दबंग लोग पहले से घात लगाकर बैठे हुए थे और मौका पाकर संतोष पटेल और उनके पुत्र पर जानलेवा हमला कर दिया। बीच बचाव करने उनकी पत्नी मंजू देवी और भतीजी रानी पहुंची तो दबंगों ने भी इन पर हमला करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। पहुंचकर लाठी डंडे से संतोष पटेल उनके पुत्र आकाश पत्नी मंजू देवी और भतीजी रानी पर जानलेवा हमला कर दिया और मार कर इन लोगों को घायल कर दिया। और मौके से सभी लोग फरार हो गए। पीड़ित को सर में गंभीर चोट लगी है इनका पुत्र भी गंभीर रूप से घायल है पत्नी मंजू देवी और भतीजी रानी भी गंभीर रूप से घायल है पीड़ित ने इसकी सूचना राजगढ़ थाने में 9 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया हैं । अस्पताल में सभी का इलाज चल रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। सभी के खिलाफ राजगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज हो गया है।

गोमांस प्रकरण में एक और आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) वलीमे की दावत में गोमांस पकाने के मामले में एक और कारीगर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गत 18 जून को ग्राम खुरगान के जंगल में गोवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। जहां से कुछ आरोपी गोकशी के घटना को अंजाम देकर को गोमांस लेकर फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने मोहल्ला रेतावाला स्थित मुगल गार्डन बैंक्वेट हॉल पर छापा मारा था। पुलिस का कहना था कि मोहल्ला छड़ियान निवासी फरमान के वलीमे की दावत का खाना गोमांस से तैयार कराया गया था, जिसके बाद पुलिस ने मौके से फरमान व उसके मामा सलमान को स्कार्पियो गाड़ी सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाद में मुगल गार्डन के संचालक अनीस अहमद व खाना बनाने वाले कारीगर खलील फरीदी सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। रविवार को पुलिस ने बैंक्वेट हॉल में खाना बनाने वाले एक और आरोपी सादिक निवासी मोहल्ला खैलकलां को गिरफ्तार कर लिया, जिसका चालान कर दिया है।

भाजपा से 2027 तक गठबंधन रहेगा, केंद्रीय योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंच रहा : जयंत चौधरी

--राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण की एसआईटी जांच पर जताया भरोसा, शामली में केंद्रीय विद्यालय का किया शिलान्यास

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को शामली के गांव कांबडौत में केंद्रीय विद्यालय का शिलान्यास किया। इसके बाद आयोजित जन सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इनका लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक भी प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि शामली को केंद्रीय विद्यालय मिलना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।जयंत चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार में राष्ट्रीय लोकदल भागीदार है और किसानों व ग्रामीणों के हितों की रक्षा के लिए पार्टी लगातार अपनी बात मजबूती से रख रही है। उन्होंने बताया कि एक प्रस्तावित कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में कोल्हू और क्रशर उद्योग से जुड़े हजारों लोगों के रोजगार पर संकट उत्पन्न हो सकता था, लेकिन रालोद ने किसानों और ग्रामीणों की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचाई, जिसके बाद वह कानून लागू नहीं हो सका। इससे प्रदेश के हजारों किसानों और श्रमिकों के रोजगार सुरक्षित रहे।उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। शामली में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना भी इसी दिशा में केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने युवाओं से तकनीकी शिक्षा अपनाने की अपील करते हुए कहा कि आईटीआई, पॉलिटेक्निक और अन्य तकनीकी संस्थानों पर भरोसा करें, क्योंकि सरकार युवाओं को रोजगा रोन्मुख बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

2027 में भाजपा से गठबंधन रहेगा

विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर जयंत चौधरी ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय लोकदल का भाजपा के साथ गठबंधन जारी रहेगा।और कहा की राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि पूरे मामले की जांच एसआईटी कर रही है। उन्हें विश्वास है कि जांच निष्पक्ष होगी और "दूध का दूध, पानी का पानी" हो जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थाओं पर लोगों का गहरा विश्वास है और जांच एजेंसी पूरी पारदर्शिता के साथ सच्चाई सामने लाएगी।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के देशभक्त इंटर कॉलेज में चल रहे 85 यूपी बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैडेट्स को ट्रैफिक नियमों, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।
शिविर में हवलदार ओमप्रकाश एवं चीफ ऑफिसर नीरज कुमार के नेतृत्व में कैडेट्स ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्हें पेड़ों के महत्व, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस के हेड कांस्टेबल नितिन कुमार और अंकित चौधरी ने सड़क सुरक्षा विषय पर कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए वाहन चलाते समय शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। उन्होंने कैडेट्स से अपील की कि वे शिविर से प्राप्त जानकारी अपने गांव और समाज में कम से कम चार से पांच लोगों तक अवश्य पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग यातायात नियमों के प्रति जागरूक हो सकें। शिविर में सीएचसी शामली की चिकित्सक ने हेल्थ एंड हाइजीन विषय पर जानकारी देते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता, आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने तथा गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर चीफ ऑफिसर अशोक कुमार, लेफ्टिनेंट शिवकुमार, लेफ्टिनेंट आशीष कुमार, लेफ्टिनेंट संजीव कुमार मौजूद रहे।

धर्म केवल सुनने, बोलने या चर्चा करने का विषय नहीं है, जैन मुनि

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) निर्मलायतन तीर्थ प्रणेता आचार्य श्री 108 नयन सागर मुनिराज का ननौता तीर्थ से एटा चातुर्मास के लिए विहार करते हुए रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर शामली में मंगल प्रवेश हुआ। जैन धर्मशाला में आयोजित प्रवचन में उन्होंने कहा कि धर्म केवल सुनने, बोलने या चर्चा करने का विषय नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारना ही सच्ची साधना है।
प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि संसार का प्रत्येक जीव सुख चाहता है और दुख से बचना चाहता है, लेकिन जीवन में मिलने वाले सुख-दुख हमारे पूर्व जन्मों और पूर्वकृत कर्मों का परिणाम हैं। केवल इच्छा करने से कर्मों का उदय समाप्त नहीं होता। उन्होंने कहा कि सभी जीवों के सुख की कामना करना ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है, किंतु व्यवहार में जब किसी विरोधी, पड़ोसी या प्रतिद्वंद्वी की उन्नति होती है तो मन प्रसन्न नहीं होता। यही सिद्धांत और व्यवहार का अंतर है। उन्होंने कहा कि धर्म हमारे अनुसार नहीं चलता, बल्कि हमें धर्म के अनुसार चलना सिखाता है। यदि शास्त्र की बात हमारे स्वार्थ के विरुद्ध हो तो उसे बदलने या अपनी सुविधा के अनुसार उसकी व्याख्या करना धर्म नहीं, बल्कि स्वार्थ है।
आचार्यश्री ने कामयाबी और काबिलियत का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि धन, पद और वैभव पूर्व पुण्य के उदय से प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन योग्यता, सद्गुण और चरित्र ही मनुष्य की वास्तविक संपत्ति हैं। कामयाबी क्षणिक हो सकती है, जबकि काबिलियत जीवनभर साथ रहती है। उन्होंने कहा कि पाप से कभी सुख और धर्म से कभी दुःख नहीं मिलता। यदि कोई पापी सुखी दिखाई देता है तो वह उसके पूर्व पुण्य का परिणाम है और यदि कोई धर्मात्मा कठिनाइयों का सामना कर रहा है तो वह पूर्व कर्मों का उदय है। इसलिए किसी के वर्तमान वैभव को देखकर धर्म और अधर्म का निर्णय नहीं करना चाहिए। प्रवचन का लाभ शामली के श्रद्धालुओं के अलावा मुल्हेड़ा, एटा, बड़ौत, ननौता और दिल्ली से पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्राप्त किया।

अनियंत्रित कार ने युवक को मारी टक्कर, लोगों ने कार में की तोड़फोड़

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) देर रात्रि शहर के सरवरपीर रोड रोड पर मजदूरी कर वापस अपने घर लौट रहे एक युवक को एक अनियंत्रित स्कॉर्पियों सवार ने टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे के बाद आरोपी मौके कार को छोडकर मौके से फरार हो गया। वही लोगों ने भीड ने गाडी में तोडफोड भी की। दोनों घायलों को शामली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक ही दशा गंभीर होने के कारण मेरठ और मेरठ से दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कलंदरशाह निवासी शान मोहम्मद पुत्र वजीर व जावेद पुत्र नाजिर दोनों राज मिस्त्री का कार्य करते है। बताया जाता है कि देर रात्रि करीब 10 बजे दोनों अपने मजदूरी का कार्य पूर्ण कर सरवरपीर रोड से पैदल होते हुए अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान एक स्कॉर्पियों सवार वहां पहुंचा और एक सुनियोजित तरीके से दोनों युवकों को टक्कर मारकर बुरी तरह से कुचल दिया। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके पर कार छोडकर फरार हो गया। वही हादसे से गुस्साऐं लोगों की भीड ने कार में तोडफोड भी की। वही सूचना पाकर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों घायलों को शामली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जावेद ही हालत नाजुक होने के कारण उसको मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन वहां भी उसकी हालत में सुधार न होने के बाद दिल्ली के लिए रेफर किया गया है। वही कोतवाली पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी सचिन शर्मा का कहना है कि कार को घटनास्थल से कब्जे में लिया गया है, लेकिन अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नही है। घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में भी हो गई।

सीता हरण प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के हनुमान धाम स्थित अग्रसेन भवन में श्री राम लखन सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास दीपक महाराज ने सीता हरण प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, मयार्दा और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।
कथा व्यास ने बताया कि वनवास के दौरान पंचवटी में रावण की बहन शूर्पणखा ने भगवान श्रीराम से विवाह का प्रस्ताव रखा, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद उसने माता सीता पर आक्रमण करने का प्रयास किया, जिस पर लक्ष्मण ने उसकी नाक और कान काट दिए। अपमानित शूर्पणखा ने रावण को पूरी घटना बताते हुए माता सीता के सौंदर्य का वर्णन किया, जिसके बाद रावण ने प्रतिशोध लेने और सीता हरण की योजना बनाई। उन्होंने बताया कि रावण ने अपने मामा मारीच को स्वर्ण मृग का मायावी रूप धारण कर पंचवटी भेजा। स्वर्ण मृग को देखकर माता सीता ने भगवान श्रीराम से उसे लाने का आग्रह किया। श्रीराम के मृग के पीछे जाने और मारीच द्वारा श्रीराम की आवाज में पुकार लगाने पर माता सीता की चिंता बढ़ गई। उनके आग्रह पर लक्ष्मण भी कुटिया से चले गए। इसी अवसर का लाभ उठाकर रावण साधु का वेश धारण कर कुटिया पहुंचा और भिक्षा मांगने के बहाने माता सीता का बलपूर्वक हरण कर लंका की ओर ले गया।कथा के दौरान उन्होंने गिद्धराज जटायु के पराक्रम का वर्णन करते हुए कहा कि जटायु ने माता सीता की रक्षा के लिए रावण से वीरतापूर्वक युद्ध किया, लेकिन रावण ने उनके पंख काट दिए। बाद में घायल जटायु ने भगवान श्रीराम को सीता हरण की पूरी घटना बताई, जिसके बाद श्रीराम ने माता सीता की खोज प्रारंभ की। यही प्रसंग आगे चलकर सुग्रीव और हनुमान से मिलन तथा लंका विजय का आधार बना। उन्होंने कहा कि सीता हरण का प्रसंग रामायण में अधर्म पर धर्म की विजय की दिशा में एक निर्णायक मोड़ है। कथा का संचालन यशपाल पंवार एवं सचिन जैन भगतजी ने किया। इस अवसर पर राजकुमार तायल, अवनीश संगल,
अशोक गोयल, संदीप मित्तल, सचिन मित्तल, संजय एरन, सक्षम संगल, कपिल जिंदल, शुभम तायल, अमित गर्ग, खुशीराम अरोड़ा, नवीन अरोड़ा मौजूद रहे।

जनपद में पल्स पोलियों अभियान की शुरूआत, बच्चों को पिलाई पोलियो रोधी दवा

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जिले में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत करते हुए प्रथम दिन जनपद के 684 बूथों पर जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियोरोधी दवा की खुराक पिलाई गई। इस दौरान लोगों को जागरूक भी किया गया।
रविवार को शहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पल्स पोलियों अभियान की शुरूआत करते हुए जीरों से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाई गई। शामली सीएचसी में पूर्व विधायक तेजेन्द्र निर्वाल ने अभियान की शुरू की। चिकित्सा अधीक्षक डा. दीपक चौधरी ने जीरों से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाई। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. करन चौधरी ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान 28 जून से शुरू होकर 6 जुलाई तक चलेगा। अभियान के पहले दिन रविवार को जनपद के 684 बूथों पर जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियोरोधी दवा की खुराक पिलाई गई। उन्होंने बताया कि 29 जून से 3 जुलाई तक 511 टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। इसके अलावा 37 ट्रांजिट टीमें बस अड्डों एवं रेलवे स्टेशन पर तथा 26 मोबाइल टीमें ईंट-भट्ठों एवं घुमंतू परिवारों के बच्चों को पोलियो की खुराक उपलब्ध कराएंगी। अभियान के अंतिम चरण में 6 जुलाई को बी-टीम द्वारा शेष रह गए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने जनपद के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत बनाया जा सके।

पांचवें दिन भी जारी रहा मीठे शरबत का वितरण

समाज जागरण

शामली। भीषण गर्मी में राहगीरों और जरूरतमंदों की सेवा के उद्देश्य से श्री नारायण कुटुम्ब ट्रस्ट द्वारा माजरा रोड स्थित शिव मिष्ठान के बाहर संचालित निशुल्क मीठे शरबत के प्याऊ का संचालन पांचवें दिन भी श्रद्धा, सेवा-भाव और उत्साह के साथ जारी रहा। सेवा अभियान में नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने सहभागिता कर सेवा कार्य का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सभासद रॉबिन गर्ग, अमित गुप्ता, अरुण, विपिन अग्रवाल, अमित मित्तल एडवोकेट, पंडित हिमांशु, छवि शर्मा, कविता मित्तल, आकाश बंसल और तुषार धीमान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वही नारायणी सेना के अध्यक्ष वैभव बंसल, आदित्य गोयल, अवधेश गोपाल एवं अन्य सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ राहगीरों को शीतल मीठा शरबत वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया।

परिवहन विभाग ने स्कूली बसों की सुरक्षा को लेकर बरतनीं शुरू की सख्ती

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) नए शैक्षणिक सत्र के मद्देनजर परिवहन विभाग ने स्कूल बसों की सुरक्षा को लेकर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी परवेश कुमार ने सभी स्कूल संचालकों एवं प्रधानाचार्यों से स्कूल बसों की तकनीकी जांच समय रहते पूर्ण कराने तथा आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने की अपील की है।
एआरटीओ परवेश कुमार ने जिले के प्राईवेट स्कूल संचालकों से आहवान किया कि सभी विद्यालय नए सत्र के प्रारंभ होने से पहले अपनी-अपनी स्कूल बसों की तकनीकी जांच अवश्य करा लें। साथ ही बस चालकों का चरित्र सत्यापन भी कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने कहा कि बिना वैध परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र के किसी भी स्कूल बस का संचालन नहीं किया जाए। चेतावनी दी कि यदि प्रवर्तन अभियान के दौरान कोई स्कूल बस बिना आवश्यक दस्तावेजों के संचालित मिलती है तो संबंधित बस को तत्काल सीज किया जाएगा। इसके साथ ही संबंधित विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध भी नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ ने सभी स्कूल संचालकों से बसों की मरम्मत और सुरक्षा संबंधी सभी कमियों को समय रहते दूर करने का आग्रह किया है, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि एक जुलाई से जनपद में स्कूल बसों का विशेष जांच अभियान शुरू किया जाएगा, जो 31 जुलाई तक संचालित रहेगा। इस अभियान के दौरान स्कूल बसों की फिटनेस, सुरक्षा उपकरणों, तकनीकी मानकों तथा सभी आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की जाएगी। इसके अलावा बस चालकों का भौतिक सत्यापन एवं उनके दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग, भारी मशक्कत के बाद पाया काबू

समाज जागरण शामली।

शहर के मोहल्ला दयानंदनगर में अचानक इंवर्टर बैटरे में हुए शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग घर में फैलने से काला धुआ निकलने लगा, जिसको मोहल्लेवासियों ने बामुश्किल बुझाया। शहर के मोहल्ला दयानंदनगर गली नंबर 7 निवासी नमन पुत्र संदीप कुमार के मकान में अचानक शॉर्ट सार्किट हो गया। जिसके बाद इंवर्टर में आग लग गई और आग आसपास फैल गई। आग लगने से मकान से काला धुआ निकलने लगा, जिससे परिजनों में हडकंप मच गया और मामले की सूचना दमकल विभाग को दी गई। वही परिजनों तथा मोहल्लेवासियों ने कडी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। वही दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन इससे पूर्व ही आग पर काबू पा लिया गया था। आग लगने से इंवर्टर बैटरा, कपडे व अन्य सामान जलकर खाक हुइ है।

गंगेरू हिंसक संघर्ष में पुलिस की कार्रवाई सात आरोपियों का चालान

--42 नामजद समेत कई अज्ञात के खिलाफ बलवा, जानलेवा हमला व सीएलए एक्ट में मुकदमा दर्ज

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 42 नामजद एवं कई अज्ञात के खिलाफ बलवा, जानलेवा हमला, मारपीट, शांति भंग करने और सीएलए एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में विगत शनिवार को सदात पट्टी में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर लाठी-डंडों, ईंट-पत्थरों तथा धारदार हथियारों से हमला कर दोनों पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों ओर से लोग एक-दूसरे पर हमला करते रहे। ग्रामीणों में सूचना पुलिस को दी मौके पर पुलिस बल पहुंचा और झगड़ा कर लोगों पर हल्का बल प्रयोग कर मामला शांत कराया।पुलिस के अनुसार घटना का वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला करते दिखाई दिए। मौके से पुलिस ने 10 लाठी-डंडे, 35 ईंटों के टुकड़े तथा संघर्ष के दौरान छूटी चप्पलों को कब्जे में लेकर साक्ष्य के रूप में सील कर दिया।पुलिस ने मौके से इस्तकार पुत्र इस्ताक उर्फ छाको, अकबर पुत्र इरशाद, साहिल अब्बास पुत्र मोहम्मद अली, रजी हैदर पुत्र इतरत हुसैन, इनाम पुत्र औसाब, समीर पुत्र नजर मोहम्मद तथा अजादार हुसैन पुत्र अब्बास हुसैन को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। और पुलिस ने मुकदमे में प्रथम पक्ष से इस्तकार पुत्र इस्ताक उर्फ छाको, राजा, नजरू, उरुज, अरशद, बोबी, मिशम, सोनू, नजर, जफर, अली, चांद, इस्तकार पुत्र मुशियाय, जान (नामालूम), मुराद, आलम, पप्पू, आसिफ, अकबर, साहिल अब्बास, दिलावर हुसैन और नवाजिश को नामजद किया गया है।दूसरे पक्ष से रजी हैदर, सूजा, तकी, इनाम, शाह अब्बास, किल्ला, सरकार, हुसैन, सम्मो, अय्या, राहिल, अफसर अली, समीर, अजादार हुसैन, फिरोज अब्बास, मोहम्मद रजब अली, अमीर मोहम्मद, फरहत हुसैन तथा तासीन को नामजद किया गया है। इसके अलावा दोनों पक्षों के कई अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है कई लोगों का चालान किया फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है जल्दी गिरफ्तार किया जाएगा।

ई रिक्शा में दौड़ा करंट, चालक झुलसा हालत गंभीर

समाज जागरण

शामली। ई-रिक्शा चार्जिंग के दौरान करंट आने से एक ई-रिक्शा चालक करंट लगने से झुलस गया। जिसको गंभीर अवस्था में शामली के जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। क्षेत्र के गांव गोहरनी निवासी रवि पुत्र ब्रहमदास ई-रिक्शा चलाने का कार्य करता है। बताया जाता है कि गत शनिवार देर रात्रि अपने प्रतिदिन के अनुसार ई-रिक्शा के अपने घर के आंगन में चार्जिंग पर लगाया, लेकिन जैसे ही उसने ई-रिक्शा को पकडने का प्रयास किया तो पूरी ई-रिक्शा में फैले करंट से की चपेट में आकर वह बुरी तरह से झुलस गया। परिजनों ने किसी तरह से उसकी जान बचाई और जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, नौनिहालों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की खुराक

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

रविवार से शुरू हुए राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 के तहत ब्लॉक क्षेत्र में अभियान का शुभारंभ किया गया। प्राथमिक विद्यालय नंबर-1, गंगेरू में स्थापित पोलियो बूथ का उद्घाटन खंड विकास अधिकारी वेद प्रकाश एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया।खंड विकास अधिकारी वेद प्रकाश ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रत्येक अभिभावक की जिम्मेदारी है कि वह अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलवाएं। वहीं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीरेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर भी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रह जाए। कार्यक्रम के दौरान एआरओ मनीष, कार्यक्रम प्रबंधक तौहीद सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री बालाजी धाम डोभ में भव्य संकीर्तन करते हुए पहुंची 95वीं पैदल ध्वजा यात्रा

धाम पर पहुंचे सभी मरीजों को निःशुल्क वितरित किए जाते हैं दवाइयां एवं चश्मे

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 28 जून । भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम, गांव डोभ में रविवार को भव्य संकीर्तन, भंडारा एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। धाम के संस्थापक प्रधान श्री पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक धाम में संकीर्तन, भंडारा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में आंखों की जांच, दांतों की जांच, फिजियोथेरेपी, मेडिसिन द्वारा उपचार की सुविधा दी जाती है। सभी मरीजों को दवाइयाँ एवं चश्मे निःशुल्क वितरित किए जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में डूबकर बालाजी महाराज के भजनों का आनंद लिया विनोद गुप्ता, अमित कौशिक ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जबकि रिंकू महादेव द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक झांकियाँ प्रस्तुत की गईं।

प्रधान श्री पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि प्रत्येक रविवार शनि देव मित्र मंडल, तेज कॉलोनी रोहतक एवं अन्य भक्तजनों द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर, भिवानी स्टैंड से श्री बालाजी धाम डोभ तक पैदल ध्वजा यात्रा निकाली जाती है। इस रविवार 95वीं पैदल ध्वजा यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धाम पहुँची। यात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर जय श्री राम के जयकारों एवं भजनों के साथ झूमते-गाते हुए धाम

तक पहुँचते हैं।

यात्रा के दौरान दो स्थानों पर भक्तों के विश्राम एवं जलपान की व्यवस्था की जाती है। पहला पड़ाव खुशबू गार्डन के सामने जगदम्बा ट्रैक्टर हाउस तथा दूसरा पड़ाव पंचमुखी हनुमान मंदिर, भिवानी रोड पर रखा जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धाम से वापसी हेतु निःशुल्क ऑटो सेवा भी उपलब्ध करवाई जाती है। आगे प्रधान जी ने बताया कि कल सोमवार को श्री बालाजी धाम डोभ पर ज्येष्ठ पूर्णिमा बड़ी धूम-धाम से मनाई जायेगी इस अवसर पर बालाजी महाराज का संकीर्तन , विशाल भंडारा, भक्त्मेला और निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जायेगा श्री सूरज पांचाल विजय नगर रोहतक बतौर मुख्य यजमान शिरकत करेंगें, बालाजी के गुणगान के लिए रतन भारती पार्टी सोनीपत , ललित मलिक रोहतक,रेखा चोपड़ा, प्रिंस राज रोहतक को आमंत्रित किया गया हैं इस अवसर पर हर्षित कोचर,नवीन तनेजा, रमेश गाँधी, विनोद गुप्ता, बिट्टू दुआ, पवन सरीन,बलदेव कत्याल, शिवम

कत्याल, तुषार तनेजा, वंश चुघ,नंदन मिश्रा, सुनील यादव, निखिल चिन्दा,सुनील यादव, पंडित सुरेश शर्मा, सुनील निमड़ी, सोनू निमड़ी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मोहनलालगंज कस्बे में निकला विशाल कैंडल मार्च...

पत्रकार, अधिवक्ता, व्यापारी, सामाजिक संगठनों और युवाओं ने एक स्वर में उठाई निष्पक्ष जांच व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग......

विवेक कुमार दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। बिहार के भोजपुर जनपद के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिलौटी गांव निवासी समाजसेवी भरत भूषण तिवारी की 16 जून को हुई संदिग्ध मौत के विरोध में रविवार को मोहनलालगंज कस्बे में निगोहां प्रेस क्लब के बैनर तले विशाल कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च में पत्रकारों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और सैकड़ों युवाओं ने शामिल होकर दिवंगत समाजसेवी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।वक्ताओं ने कहा कि भरत भूषण तिवारी हमेशा समाजहित के कार्यों में अग्रणी रहे और गरीबों, जरूरतमंदों तथा सामाजिक सरोकारों के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे। उनका कहना था कि 16 जून को पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई उनकी मौत ने पूरे देश के सामाजिक संगठनों, पत्रकारों और आम नागरिकों को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना की निष्पक्ष जांच कर सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि देशभर में लगातार हो रहे धरना-प्रदर्शन, कैंडल मार्च और जन आंदोलन के दबाव के बाद संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा तो दर्ज किया गया, लेकिन अभी तक सभी जिम्मेदार लोगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है। उन्होंने मांग की कि मामले की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए और दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कठोरतम सजा दी जाए।कैंडल मार्च की शुरूआत मोहनलालगंज कस्बे के कलवीर बाबा मंदिर परिसर से हुई। हाथों में मोमबत्तियां और न्याय की मांग लिखी तख्तियां लिए लोग शांतिपूर्वक कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरे। पूरे रास्ते लोगों ने भरत भूषण तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित करते

हुए न्याय की मांग बुलंद की। मार्च का समापन पुनः मंदिर परिसर में हुआ, जहां सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि न्याय मिलने तक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि दोषियों के विरुद्ध समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो देशभर में जनआंदोलन और तेज किया जाएगा। कैंडल मार्च को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मोहनलालगंज पुलिस पूरे समय मुस्तैद रही। पुलिस बल ने पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संभालने के साथ यातायात को भी सुचारु बनाए रखा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।इस अवसर पर श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह, मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री ललित मिश्रा, मान्यता प्राप्त पत्रकार योगेंद्र तिवारी, निगोहां प्रेस क्लब के संरक्षक मुकेश द्विवेदी, अध्यक्ष विमल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार ललित दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार सरोज यादव, नवीन वर्मा, कृष्ण गोपाल मिश्रा, सनी पांडे, अनुराग तिवारी, अवनीश पांडे, राघवेंद्र सिंह, मुकेश मिश्रा,उमेश गुप्ता, सतेंद्र मिश्रा, सौरभ सिंह, सुजीत गुप्ता, आयुष द्विवेदी,अक्षत मिश्रा, हेरम दीक्षित, सत्यम सिंह, शिवांश सैनी, वंश वर्मा, शनि शुक्ला, विवेक अवस्थी, विशाल शुक्ला, सत्यम मिश्रारमेश द्विवेदी,सिसेंडी व्यापार मंडल के अध्यक्ष इमरान खान, महामंत्री वीरेंद्र शुक्ला 'सोनू', शिक्षामित्र संघ नेता प्रदीप सिंह, हामिद, संतोष बाथम, समाजसेवी मुरारी सिंह राठौड़, समाजसेवी पुष्पराज सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में पत्रकार, अधिवक्ता, व्यापारी, समाजसेवी एवं युवा मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि जब तक भरत भूषण तिवारी को न्याय नहीं मिलेगा और दोषियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा।

डिजिटल इंडिया को 11 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और किफायती डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम से प्रौद्योगिकी आधारित विकास के भारत के अगले चरण को बढ़ावा मिल रहा है

12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में 1.64 लाख करोड़ रुपये का निवेश स्वीकृत; इलेक्ट्रॉनिक्स भारत की तीसरी सबसे बड़ी निर्यात श्रेणी बना

45,000 से अधिक जीपीयू के साथ साझा कंप्यूट सुविधा भारत के एआई इकोसिस्टम को सुदृढ़ करती है; शासन संबंधी दिशानिर्देश सुरक्षित, समावेशी और भरोसेमंद एआई को बढ़ावा देते हैं सुदृढ़ डिजिटल इंडिया के साथ, भारत के नवाचार परितंत्र का सबसे बेहतरीन वर्ष दर्ज किया है; स्टार्टअप्स में रोजगार का आंकड़ा 23.36 लाख तक पहुंचा और लगभग आधे स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या साझीदार हैं भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से 1 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया गया था। ग्यारह वर्ष बाद, वह बदलाव भारतीय जीवन के हर स्तर पर दिखाई दे रहा है - फिर चाहे वह हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड से जुड़ी ग्राम पंचायत हो, कुछ ही सेकंड में सीधे लाभ पाने वाले किसान हों या स्मार्टफोन पर बेहतर शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र हों। इंटरनेट कनेक्शन पहले की तुलना में लगभग चार गुना बढ़ गए हैं और मोबाइल डेटा की कीमत 269 रुपए प्रति जीबी से घटकर 8झ10 रुपए हो गई है, जिससे डिजिटल पहुंच सुविधा दुनिया में सबसे किफायती में से एक सुविधा बन गई है।

डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष पूरे होने पर, इसकी यात्रा एक निर्णायक मोड़ पर है। पहले दशक में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय समावेशन और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने का बुनियादी ढांचा तैयार करने के बाद, अब यह कार्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग जैसे नए और महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ये दोनों ही क्षेत्र भारत के तकनीकी भविष्य को निर्धारित करेंगे और 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

इंडियाएआई मिशनः भारत का स्वदेशी एआई परितंत्र तैयार करना

10,372 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय से अनुमोदित इंडियाएआई मिशन ने पिछले वर्ष में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इसके आधार के रूप में 45,000 से अधिक जीपीयू वाली एक साझा कंप्यूट सुविधा विकसित करना शामिल है, जो राष्ट्रीय स्तर पर

एआई अनुसंधान और उसे लागू करने के लिए कंप्यूटिंग का आधार तैयार करती है। एआई फाउंडेशन मॉडल के तहत, स्पीच, टेक्स्ट और विजन अलग-अलग तरीकों (मोडैलिटी) में 15 बड़े और छोटे भाषा मॉडल को सपोर्ट किया जा रहा है। एआई कोश प्लेटफॉर्म पर अब 12,519 से अधिक डेटासेट, 307 एआई मॉडल और 20 टूलकिट मौजूद हैं, जिससे देश भर के शोधकताओं, स्टार्टअप और संस्थानों के लिए एआई विकास संसाधन आसानी से उपलब्ध हो गए हैं। चुनौतियों, हैकाथॉन और इन-हाउस डेवलपमेंट के माध्यम से 12 क्षेत्रों में बीस एआई समाधानों को लागू किया गया है। एआई क्षमता महानगरीय केंद्रों से आगे पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए 27 डेटा और एआई प्रयोगशालाएं टियर 2 और टियर 3 शहरों में स्थापित की गई हैं, छात्रों को 684 फैलोशिप प्रदान की गई हैं, और वाईयूवीए एआई पाठ्यक्रम के माध्यम से 8.4 मिलियन शिक्षार्थियों को सहायता प्रदान की गई है। देश भर में अठारह उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं और क्षमता बढ़ाने के लिए 20 भारतीय एआई स्टार्टअप को सहायता दी गई है। नवंबर 2025 में जारी एआई शासन संबंधी दिशानिर्देश, सुरक्षित, समावेशी और भरोसेमंद एआई विकसित करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। फरवरी में आयोजित भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने वैश्विक एआई नेतृत्व में भारत की भूमिका को एक नई पहचान दी। इस समिट में 100 से अधिक देशों और 20 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए, जिसमें फिजिकल व वर्चुअल माध्यमों से लगभग 15 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारत एआई इम्पैक्ट समिट घोषणपत्र को 92 देशों और संगठनों ने अपनाया, जो भरोसेमंद और विकास-उन्मुख एआई के भारत के दृष्टिकोण के लिए व्यापक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन को दशार्ता है। इस कार्यक्रम से एआई से संबंधित निवेश के लिए में 200 बिलियन अमरिकी डॉलर से अधिक की प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुईं और एआई अनुसंधान, बुनियादी ढांचे और डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक संयोजक के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई।

सेमीकंडक्टर मिशनः नीति से उत्पादन तक

भारत का सेमीकंडक्टर परितंत्र नीति से उत्पादन की ओर निर्णायक रूप से बढ़ गया है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत, लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपये की निवेश वाली 12 सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें एक सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई, दो कंपाउंड सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयां और नौ पैकेजिंग इकाइयां शामिल हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, चिप मैन्युफैक्चरिंग के प्रति राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है, जिसमें सेमीकंडक्टर उपकरण, सामग्री, स्वदेशी बौद्धिक संपदा और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। डिजाइन के मामले में, 24 परियोजनाओं को डिजाइन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत सहायता दी जा रही है, 105 कंपनियों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स के साथ सहायता दी गई है और उन्नत नोड्स सहित विभिन्न फाउंड्री में 23 डिजाइन टेपआउट पूरे किए गए हैं, जो सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की बढ़ती क्षमता को दशार्ते हैं। सेमीकॉन इंडिया 2025 में भारत के एक वैश्विक सेमीकंडक्टर गंतव्य (डेस्टिनेशन) के रूप में उभरने को मजबूत अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली, जिसमें 48 देशों और क्षेत्रों की 350 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया था। 13 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर और प्रमुख वैश्विक सेमीकंडक्टर सीईओ की भागीदारी ने भारत के नीतिगत ढांचे और सेमीकंडक्टर से संबंधित दीर्घकालिक दृष्टिकोण में बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय भरोसे को उजागर किया।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिमार्णः वैश्विक स्तर पर पहचान

एआई और सेमीकंडक्टर में निवेश के अनुरूप भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का परिदृश्य बदल रहा है। यह क्षेत्र 13 लाख करोड़ रुपए का उद्योग बन गया है और इलेक्ट्रॉनिक्स भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात सेक्टर बनकर उभरा है, जो ऐसी उपलब्धि है जिसकी कल्पना भी एक दशक पहले नहीं की जा सकती थी। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन बनाने वाला देश है। वर्तमान में एआई-सक्षम डेटा सेंटर कंपोनेंट्स, 5जी उपकरणों और उच्च-स्तरीय नेटवर्किंग गियर तक फैला जो उन्नत विनिर्माण परितंत्र बन रहा है, वह भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ रहा है और इसके साथ ही देश में बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित कर रहा है।

यूपीआई का एक दशक पूरा हुआ : वैश्विक भुगतान भारत का नेतृत्व

अप्रैल 2026 में, भारत के वित्तीय परिदृश्य को बदलने वाले यूपीआई के दस वर्ष पूरे हो गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, इस प्लेटफॉर्म पर 24,162 करोड़ लेनदेन दर्ज किए। यूपीआई अब भारत के 81% डिजिटल भुगतान को संचालित करता है और वैश्विक स्तर पर सभी वास्तविक समय डिजिटल लेनदेन लगभग 49% है, जिससे वास्तविक समय भुगतान के क्षेत्र में भारत के वैश्विक नेतृत्व के रूप में स्थिति सुदृढ़ हुई है। यूपीआई कई देशों में काम कर रहा है और सहयोग समझौतों के जरिए 23 देशों ने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को औपचारिक रूप से अपनाया है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार

पिछले एक वर्ष में भारत का डिजिटल आधार और मजबूत हुआ है। मार्च 2026 तक ब्रॉडबैंड ग्राहकों (सब्सक्राइबर्स) की संख्या 106.58 करोड़ तक पहुंच गई है। भारतनेट ने 2.18 लाख ग्राम पंचायतों को हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड से जोड़ा है, जिससे ग्रामीण भारत के आखिरी कोने तक डिजिटल पहुंच संभव हो पाई है। भारत का 5जी नेटवर्क अब 99.9% ज़िलों तक पहुंच चुका है और इसके लिए 4.74 लाख टावर लगाए गए हैं। फरवरी 2026 में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए गुवाहाटी में राष्ट्रीय डेटा केंद्र शुरू किया गया, जिससे इस क्षेत्र में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा संप्रभुता को मजबूती मिली है।

डिजिटल शासन संबंधी ढांचे का सुदृढ़ीकरण

पिछले वर्ष भारत के डिजिटल शासन संबंधी संरचना में निर्णायक प्रगति हुई है। जनवरी 2025 में जारी किए गए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण मसौदा नियमों में सहमति-आधारित डेटा शासन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसमें डेटा उल्लंघन को रिपोर्ट करना और डेटा संरक्षण बोर्ड का गठन जैसे उपाय शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम, जिसे अगस्त 2025 में राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली, 1 मई 2026 को लागू हुआ, और अप्रैल 2026 में ऑनलाइन गेमिंग अथोरिटी ऑफ इंडिया का गठन किया गया, जो भारत के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल क्षेत्रों में से एक के लिए एक संरचित और संतुलित नियामक ढांचा प्रदान करता है।

नवाचार और स्टार्टअप परितंत्र

भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के लिए यह अभी तक का सबसे बेहतरीन वर्ष रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में अकेले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा 55,200 से अधिक संस्थाओं को प्रमाणित किया गया था, जो कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से एक वर्ष में जुड़ी संस्थाओं की सबसे अधिक संख्या है। मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स से सीधे तौर पर 23.36 लाख लोगों को

बहादुर सैनिकों का सम्मान

मीडिया और सोशल मीडिया के कुछ मंचों पर यह भ्रामक दावा किया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले छह वीर सैनिकों को हाल ही में सर्वप्रथम आधिकारिक मान्यता दी गई या उनके बलिदान को पहली बार सार्वजनिक किया गया। यह दावा पूरी तरह तथ्यात्मक नहीं है। वास्तविकता यह है कि राष्ट्र ने इन शहीद वीरों को उन खबरों के सामने आने से बहुत पहले ही समय पर श्रद्धांजलि अर्पित कर दी थी। 11 मई, 2025 को आयोजित आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तत्कालीन डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स ने इन वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए स्पष्ट रूप से कहा था कि सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। इसके बाद इन बहादुर सैनिकों को उनके अद्वितीय साहस और बलिदान के लिए वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसकी आधिकारिक जानकारी 14 अगस्त, 2025 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सार्वजनिक की गई थी। यह सम्मान भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप उनकी वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को औपचारिक तथा राष्ट्रीय स्तर पर दी गई मान्यता का प्रमाण है।

साथ ही, भारतीय सेना ने अपने आधि कारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी देरी के इन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को सम्मानपूर्वक नमन किया।

इसके बाद भी देश इन वीर नायकों को निरंतर सम्मान देता रहा है। 15 जनवरी, 2026 को जयपुर में आयोजित आर्मी डे परेड के दौरान, सेना प्रमुख ने इनमें से तीन शहीद सैनिकों के परिजनों को सेना मेडल (वीरता) प्रदान किया। इसी प्रकार, 8 अक्टूबर, 2025 को आयोजित एक विशेष समारोह में वायु सेना प्रमुख ने भी संबंधित वीर सैनिकों के परिजनों को वीरता सम्मान प्रदान किया। यह देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के प्रति भारतीय सशस्त्र बलों की अटूट वचनबद्धता का एक और प्रमाण है। राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीद सैनिकों के नाम अंकित करने की प्रक्रिया एक व्यवस्थित और स्पष्ट प्रोटोकॉल के तहत की जाती है। भारतीय सशस्त्र बल इस निर्धारित प्रक्रिया का पूरी सावधानी, गरिमा और सम्मान के साथ पालन करते हैं, जो दिए जा रहे सम्मान की गंभीरता के अनुरूप है। इसलिए यह कहना कि निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, तथ्यात्मक रूप से गलत है। यह खेदजनक है कि इस मुद्दे पर एक ऐसी बहस छिड़ गई है, जिसे आसानी से टाला जा सकता था और जिसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। इस तरह के दावे न केवल तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत करते हैं, बल्कि शोकाकुल परिवारों को अनावश्यक पीड़ा देने और देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के सम्मान को भी ठेस पहुंचाने का जोखिम पैदा करते हैं। सभी संबंधित पक्षों से आग्रह है कि शहीद सैनिकों से जुड़े मामलों की रिपोर्टिंग करते समय जिम्मेदारी और संयम बरतें व अपुष्ट जानकारी के प्रसार से बचें। भारतीय सशस्त्र बल देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले प्रत्येक सैनिक के सम्मान के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता पर अडिग हैं। ऑपरेशन सिंदूर के ये छह वीर सैनिक राष्ट्र के नायक हैं। उनका साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

उनकी स्मृति का सम्मान हमेशा उसी गरिमा, कृतज्ञता और श्रद्धा के साथ किया जाएगा, जिसके वे वास्तविक हकदार हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कंपनियों से सतत व्यापारिक सहभागिता के माध्यम से भारत-यूके सीईटीए की गति को आगे बढ़ाने का आग्रह किया

श्री पीयूष गोयल ने भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी पर चार जानकारी संबंधी रिपोर्ट का विमोचन किया

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने लंदन में आयोजित भारत-ब्रिटेनः प्रगति में भागीदार व्यापार सत्र का नेतृत्व किया और भारतीय कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) के अंतर्गत उभरते अवसरों को सतत व्यापार प्रगति में परिवर्तित करने के लिए अपने ब्रिटिश समकक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करें।

इस सत्र में दोनों देशों के प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्होंने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को सुदृढ़ करने के लिए सीईटीए को एक परिवर्तनकारी फ्रेमवर्क बताते हुए इसका स्वागत किया। चचाओं में भारत और युनाइटेड किंगडम के बीच दीर्घकालिक निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी, नवाचार, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं और गहन आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहन देने की समझौते की क्षमता पर प्रकाश डाला गया। विचार-विमर्श में सीईटीए के प्रभावी कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें उद्योग प्रतिनिधियों ने समझौते के बारे में, विशेष रूप से एमएसएमई के मध्य, अधिक जागरूकता पैदा करने, नियामक प्रक्रियाओं और प्रमाणन संबंधी आवश्यकताओं को सरल बनाने, उद्योग-से-उद्योग साझेदारी को मजबूत करने और प्रतिभा की गतिशीलता को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया, जिससे व्यवसाय समझौते से मिलने वाले अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठा सकें। इस अवसर पर श्री पीयूष गोयल ने चार जानकारी संबंधी रिपोर्ट–एफआईसीसी की 'द इवॉल्विंग इंडिया-यूके पार्टनरशिप', सीआईआई की 'इंडियन रूट्स, ब्रिटिश सॉइलः चार्टिंग इंडियन इंडस्ट्रीज फुटप्रिंट्स इन द यूके 2026', यूकेआईबीसी-एचएसबीसी यूके-इंडिया सीईटीए यूटिलाइजेशन मैनुअल और केयरएज की 'सॉवरेन रेटिंग्स - ए फ्रेश पर्सपेक्टिव जारी कीं। इन रिपोर्टों का उद्देश्य व्यवसायों को सीईटीए के अंतर्गत अवसरों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना है। पूर्ण सत्र के दौरान, उद्योग प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य सेवा, बेहतर विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सेवाओं और उपभोक्ता वस्तुओं को कवर करने वाली क्षेत्रीय गोलमेज चचाओं से उभरने वाली सिफारिशें भी प्रस्तुत कीं। इन सिफारिशों में नवाचार, निवेश और मजबूत व्यावसायिक साझेदारी के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार के अवसरों पर प्रकाश डाला गया। पूर्ण सत्र के बाद, श्री पीयूष गोयल ने भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ एक संवादात्मक चर्चा सत्र के साथ यूनाइटेड किंगडम में दो दिनों के व्यापारिक कार्यक्रमों का समापन किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अपने कार्यक्रमों से प्राप्त प्रमुख सीख, संभावित साझेदारों के साथ बातचीत और विभिन्न क्षेत्रों में पहचाने गए व्यावसायिक अवसरों को साझा किया। इन मुलाकातों ने भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते के पीछे की मजबूत गति की पुष्टि की और समझौते को ठोस व्यापार और निवेश परिणामों में बदलने के लिए दोनों सरकारों और उद्योग की साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने 'एमएसएमई दिवस 2026-उद्यमी भारत' की अध्यक्षता की

लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने भारत की लघु एवं मध्यम उद्यम प्रणाली तंत्र को मजबूत करने के लिए कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किए; एनएसआईसी को (सीपीएसई) अनुसूची 'ए' में शामिल किया गया सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में बहुभाषी, एआई-सक्षम सेवाओं के साथ डिजिटल समावेशन का विस्तार किया गया एमएसएमई दिवस 2026 में सरकार के एक लचीले, प्रौद्योगिकी-संचालित और भविष्य के लिए तैयार एमएसएमई प्रणाली तंत्र संबंधी दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित 'एमएसएमई दिवस 2026 झ उद्यमी भारत' कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

इस कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे, खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री मनोज गोयल और मंत्रालय तथा इसके संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में नीति निमार्ता, उद्योग जगत के दिग्गज, महिला उद्यमी, वित्तीय संस्थान, शिक्षाविद और एमएसएमई क्षेत्र के अन्य प्रमुख हितधारक भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम ने अधिक लचीले, प्रौद्योगिकी-आधारित, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार एमएसएमई प्रणाली तंत्र के निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान, उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) को अनुसूची 'बी' से अनुसूची 'ए' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) में शामिल किए जाने पर बधाई दी। इस अवसर पर श्री गुंटुकु कामेश्वर प्रसाद और श्री पम्मिना सत्यनारायण ने उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन को जीआई-टैग प्राप्त पोंडुरु खादी का एक उत्कृष्ट नमूना भेंट किया जो आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के इस पारंपरिक वस्त्र की समृद्ध विरासत और असाधारण शिल्प कौशल को दशार्ता है। इस अवसर पर कॉयर बोर्ड द्वारा उपराष्ट्रपति का एक चित्र भी भेंट किया गया।

उपराष्ट्रपति ने भारत भर में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म, पोर्टल और प्रकाशनों का शुभारंभ किया। इनमें पीएमईजीपी 2.0 पोर्टल, समाधान 2.0 पोर्टल, पीएमएस पोर्टल, एमएसएमई ग्लोबल मार्ट 2.0 पोर्टल, एमएसएमई टेस्टिंग पोर्टल और एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन 6.0 शामिल हैं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पर एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया जो योजना के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में है और कारीगरों की प्रेरणादायक सफलता की कहानियों के माध्यम से इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को दशार्ती है। आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) कोष पर भी एक पुस्तक का विमोचन किया गया जिसमें उद्यम विकास, रोजगार सृजन, नवाचार और महिला उद्यमिता में कोष के योगदान को दशार्या गया है।

मंत्रालय ने एमएसएमई पोर्टलों पर बहुभाषी पहुंच की शुरूआत की है जिससे एमएसएमई वेबसाइटों और पोर्टलों पर बहुभाषी और आवाज द्वारा संचालित प्रणाली सक्षम हो गई है। इस पहल के तहत एमएसएमई सेवाओं तक सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में पहुंच प्रदान की जाती है और इसमें एआई द्वारा संचालित आवाज शिकायत निवारण और दस्तावेज अनुवाद सुविधाएं शामिल हैं जिससे पहुंच और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिलता है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ह्लमैं लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को आकार देने वाले उद्यमियों और सभी हितधारकों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मैंने अपने करियर की शुरूआत एमएसएमई क्षेत्र से ही की थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने अपने पेशेवर सफर की शुरूआत कॉयर बोर्ड से की थी और वे स्वयं भी एक उद्यमी रह चुके हैं। उन्होंने कहा, अगर आप दृढ़ निश्चयी हैं तो कोई भी चीज आपको रोक नहीं सकती। आप निश्चित रूप से अपने लक्ष्य हासिल करेंगे। विश्व की हर अर्थव्यवस्था का विकास लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के योगदान से हुआ है। एमएसएमई दिवस के अवसर पर मैं एमएसएमई मंत्रालय, एनएसआईसी, केवीआईसी और एमएसएमई क्षेत्र में योगदान देने वाले सभी हितधारकों को बधाई देता हूं।ह्व उपराष्ट्रपति ने खादी और ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा विकसित कई नवोन्मेषी और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का भी शुभारंभ किया। इन उत्पादों में टुकुन (शिशु वस्त्र), रंगताल (टेबल रनर और मैट), बेला (शिशुओं के लिए रैप शीट), वन्या (एरी स्टोल) और उमंग (ऊनी स्टोल) शामिल थे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने कहा, "भारत सरकार एक ऐसा प्रणाली तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां प्रत्येक उद्यमी को नवाचार करने, विकास करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का समान अवसर मिले।" उन्होंने यह भी कहा, हमारा ध्यान औपचारीकरण, डिजिटल सशक्तिकरण, वित्त तक आसान पहुंच, मजबूत बाजार संबंध, प्रौद्योगिकी अपनाने और नवाचार आधारित विकास पर केंद्रित है।ह्व श्री मांझी ने एमएसएमई दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

शादी के वर्ष गांठ पर किया पौध रोपण

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। पंचकोसी मार्ग के किनारे स्थित जगापट्टी गांव निवासी लक्ष्मीकांत त्रिपाठी और ललिता त्रिपाठी ने अपनी 37वीं सालगिरह पर पौधारोपण किया। लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने कहा कि धरती पर निवास करने वाले प्रत्येक जीव के लिए पौधे जीवनदायी महत्व रखते हैं। बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से निपटने के लिए पेड़-पौधे ही सबसे मजबूत ढाल हैं। हर व्यक्ति को चाहिए कि वह कम से कम एक पौधा जरूर रोपित करें और दूसरों को भी पौधरोपण करने के लिए प्रेरित भी करें। पौधे लगाने के साथ-साथ लगाए हुए पौधों की संभाल भी जरूर करें। इसलिए उन्होंने अपनी 37वीं सालगिरह के अवसर पर आम, नीम, जामुन, कनेर, आंवला, पिपल समेत 11 पौधे लगाए। पुत्र प्रीतेश त्रिपाठी ने अपने पर्यावरण संदेश में कहा कि जीवन के लिए वृक्ष लगाना बहुत जरूरी हो गया है। हरे पेड़ों का कटान बहुत तेजी से हो रहा है। इसी तरह चलता रहा को बिना हरियाली धरती पर प्रदूषण का बोलबाला हो जाएगा और आने वाले समय में नर्क पृथ्वी पर ही दिखाई देने लगेगा। प्रदूषण को रोकने के लिए पौधरोपण एक अनिवार्य कार्य है। इसीलिए हम सभी को अपना जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या अन्य खुशी के मौकों को पौधारोपण करके मनाना चाहिए।

राजातालाब में भाजपा कार्यकताओं ने सुनी मन की बात

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 जून 2026 को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड को संबोधित किया। आज प्रसारित हुए मन की बात कार्यक्रम का श्रवण सेवापुरी विधान सभा के राजातालाब मंडल के शक्ति केंद्र रानी बाजार में संयोजक राकेश वर्मा के नेतृत्व में भाजपा

कार्यकताओं ने सुनी।इस दौरान प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर गंभीर चर्चा करते हुए नागरिकों से संयम बरतने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने सोने की खरीद से बचने, विदेश यात्रा टालने, कार पूलिंग करने और पेट्रोल-डीजल की बचत करने के निर्देश दिए।मन की बात सुनने में मुख्य रूप से बूथ अध्यक्ष जितेंद्र कुमार,प्रभाकर सिंह,श्री नाथ ,धर्मेंद्र कुमार,आशीष कुमार,गंगाराम ,किशन कुमार रमेश सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन्म से चार घन्टे पर बच्ची को पीएचसी प्रभारी हरहुआ ने पिलाई पोलियो ड्राप

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। पल्स पोलियो अभियान की सफलता के लिए आज रविवार को पीएचसी प्रभारी डॉ0 सन्तोष कुमार ने जन्म से चार घण्टे बाद बच्ची को पिलाई दो बूंद पोलियो ड्राप।

डॉ0 सन्तोष कुमार ने कहा कि जहां आज 110 बूथों व 8 मोबाइल दस्ते के द्वारा बूथों पर ड्राप पिलाने का कार्य देर शाम तक चला। वहीं पीएचसी हरहुआ पर शिवांगी विश्वकर्मा पत्नी वरुण विश्वकर्मा निवासी पिसौर प्रसव के लिए भर्ती थी। जिसने एक पुत्री को जन्म दिया। कार्यरत स्टाफ नर्स ने इसकी सूचना दी। जन्म से चार घण्टे बाद ही स्वयं बच्ची को दो बूंद जिंदगी के लिए पोलियो ड्राप पिलाया साथ ही जच्चा -बच्चा का हाल चाल लेकर उनके परिजनों से वार्ता की। परिजनों ने पुत्री के जन्म की खुशी में मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में 219 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। मेले में कुल 219 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर निशुल्क परामर्श और दवाएं प्राप्त कीं।

पीएचसी हलिया में चिकित्सक विवेक खरे ने 51लोगो का उपचार किया इसी प्रकार पीएचसी मतवार में चिकित्सक कामेश्वर तिवारी ने 39,पीएचसी बरौधा डॉक्टर अभिषेक जायसवाल ने 43 पीएचसी ड्रमडगंज डॉक्टर बाल कृष्ण ने 45 लोग पीएचसी मुड़पेली में डॉक्टर मनीष कुमार ने 41 लोगो के सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर, एनीमिया, और मातृ-शिशु स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई। चिकित्सकों ने मरीजों को बीमारियों से बचाव और योग के महत्व के बारे में भी जानकारी दी।प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने बताया कि मेला का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। लोगों ने मेले में मिल रही सुविधाओं की सराहना की और कहा कि इससे उन्हें समय और पैसे दोनों की बचत हुई।इस दौरान फार्मासिस्ट अजय कुशवाहा, स्टॉफ नर्स माया आदि मौजूद रही

विधायक अजगरा पुरेधुर शाहपुर उड़िया बाबा आश्रम के जीर्णोध्दार ,सुंदरीकरण के लिए 1.91करोड़ का किया भूमिपूजन

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी अज रविवार को अपने विधान सभा अजगरा के ग्राम देवरिया पूरेधुरशाह उड़िया बाबा आश्रम पावन धाम नियार में जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण हेतु पर्यटन विभाग से रुपया 1.91 करोड़ लागत का भूमि पूजन / शिलान्यास विधायक त्रिभुवन राम ने किया।

विधायक ने भूमिपूजन समारोह में कहा कि डबल इंजन की सरकार सनातन की रक्षा और स्थलों के विकास के लिए कटिबद्ध है। माननीय योगी जी की विशेष कृपा व पर्यटन एवम संस्कृति मंत्री जसवीर सिंह की प्रेरणा से यह शुभ भूमिपूजन कार्य क्षेत्रीय जन आकांक्षाओं के अनुरूप किया गया। भविष्य में ऐसे कई परियोजनाओं को मूर्तिरूप में दिया जाएगा।

क्षेत्रीय सम्मानित जनों के साथ 329 बूथ संख्या पीएम नरेंद्र मोदी के 135 वे मन की बात का सामूहिक श्रवण किया। कहा कि भारत के विकास में बाधक बने अंधविश्वास से विश्वास की दिशा ,योग में अग्रणी ,ग्लोबल क्राइसिस में जनभागीदारी, राष्ट्र की आपदाओं से मुक्ति जैसे कार पुलिंग ,सोना न खरीदने ,विदेश में छुट्टियां न मनाने के एक आवाज से राष्ट्र का संकट जन सहभागिता के चलते सम्भव हुआ। उनकी आवाज आज हमारी ताकत है।

भूमिपूजन समारोह कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चंद्रशेखर सिंह ,रामप्रकाश सिंह , सुभाष यादव पूर्व प्रमुख,भाजपा नेता कपिल नारायण पांडेय,विनोद उपाध्याय ब्लाक प्रमुख हरहुआ,विपिन चंद्र राय मण्डल अध्यक्ष चोलापुर, लक्ष्मण सिंह मण्डल अध्यक्ष चौबेपुर,शैलेन्द्र पटेल मण्डल अध्यक्ष आयर,अंजनी नंदन पांडेय जिला पंचायत सदस्य, सुभाष सिंह,विनोद सिंह पूर्व मण्डल अध्यक्ष,पंचम राम, डॉ बाबूलाल, राणा चौहान, शिवा जी सिंह, हीरू सिंह,अनुराग प्रधान पूरे दूरशाह, मण्डल के पदाधिकारी गण, कार्यकर्ता गण व क्षेत्रीय प्रधानगण सहित कई अन्य सम्मानित जन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

स्वर्वेद महामंदिर धाम में कबीर प्राकट्य महोत्सव की दिव्य छटा

संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने दिया आत्मबोध का संदेश

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। स्वर्वेद महामंदिर धाम में सद्गुरु कबीर साहेब के प्राकट्य दिवस के पावन अवसर पर आयोजित द्विदिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव का प्रथम दिवस श्रद्धा, साधना और आध्यात्मिक चेतना के अद्भुत संगम के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज के करकमलों द्वारा 'अ' अंकित श्वेत ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रेरणादायी उद्बोधन में संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने कहा कि "सद्गुरु कबीर साहेब की वाणी केवल शब्द नहीं, आत्मा का शुद्ध प्रकाश है। यदि श्रद्धा हो तो वही वाणी आत्मदीप बन जाती है और साधक के भीतर का अंधकार तिरोहित हो जाता है।"

उन्होंने कहा कि कबीर साहेब ने जिस "अनुभव-सत्य" का संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। ग्रंथों का अध्ययन तभी सार्थक है जब मनुष्य अपने अंतर्मन में झाँककर आत्मस्वरूप का साक्षात्कार करे। यही वास्तविक भक्ति और आध्यात्मिक जीवन का मूल आधार है।

संत प्रवर श्री ने कहा कि कबीर साहेब सत्य की ज्वाला थे, जिनके निर्भीक शब्दों ने समाज को झकझोर कर आत्मबोध की अग्नि प्रज्वलित की। वे किसी संप्रदाय, जाति अथवा मत के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता और आत्मा के संत थे। उनकी चेतना संकीर्णताओं से परे थी और उनका सम्पूर्ण जीवन मानव को परम सत्य की ओर उन्मुख करने का दिव्य अभियान था। प्रवचन के दौरान उन्होंने कबीर साहेब के प्रसिद्ध दोहे– "कबीरा खड़ा बाजार में, लिए लुगाठी हाथ। जो घर फूँके आपना, चले हमारे साथ॥"

का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए कहा कि यहाँ घर से आशय बाहरी भवन नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बसे अहंकार, अज्ञान और आसक्ति से है। जो साधक इन बंधनों का त्याग करने का साहस करता है, वही आत्मिक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है।

इसके साथ ही उन्होंने कबीर साहेब का एक अन्य प्रसिद्ध दोहा–"कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर। ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर॥"का उल्लेख करते हुए कहा कि जिसने अहंकार का पूर्ण शमन कर स्वयं को परमसत्ता से जोड़ लिया है, उसके लिए न कोई अपना होता है, न पराया; न मित्र, न शत्रु। वही समदृष्टि, करुणा और विश्वबंधुत्व की भावना का वास्तविक अधिकारी बनता है।दोपहर 2 बजे से मानव मन की शांति एवं आत्मकल्याण के लिए ब्रह्मविद्या विहंगम योग की क्रियात्मक ज्ञान-दीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों जिज्ञासुओं ने दीक्षा ग्रहण कर अपने आध्यात्मिक जीवन की नई शुरूआत की।

समारोह के दौरान प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा कबीर भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं के अंतर्मन को भावविभोर कर दिया। दिनभर विशाल निःशुल्क भंडारा चलता रहा , जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।आगत श्रद्धालुओं की सेवा हेतु प्रसिद्ध आयुवेर्दाचार्यों एवं चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण की व्यवस्था भी की गई, जिसका बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।पूरे परिसर में आध्यात्मिक उल्लास, अनुशासन और सेवा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने स्वर्वेद ज्ञानगंगा में आत्मिक तृप्ति का अनुभव करते हुए संत वाणी से प्रेरणा ग्रहण की।कबीर प्राकट्य महोत्सव का यह प्रथम दिवस इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि जहाँ श्रद्धा होती है, वहाँ संत वाणी आत्मा का दीपक बन जाती है, और वही दीपक मानव जीवन को सत्य, शांति एवं आत्मबोध के प्रकाश से आलोकित कर देता है।

ट्रैक्टर ले जाने से मना करने पर परिवार पर हमला, मां-बेटों समेत 4 घायल

समाज जागरण

मीरजापुर /स्थानीय थाना क्षेत्र के सिकटा (हरदी) गांव में जोते खेत से ट्रैक्टर ले जाने से मना करने पर दो लोगों ने एक परिवार पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना में महिला समेत 4 लोग घायल हो गए। पीड़िता ने हलिया ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है ।

सिकटा (हरदी) निवासी शकुंतला पत्नी श्रवण कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 जून 2026 को शाम करीब 6 बजे हीरालाल पुत्र मगरू और मगरू पुत्र मीरू, निवासी सिकटा (हरदी) उनके जोते खेत से ट्रैक्टर ले जा रहे थे। मना करने पर दोनों लाठी-डंडा लेकर उनके बेटे सर्वेश और प्रवेश पुत्र श्रवण कुमार को मारने लगे। बीच-बचाव करने पर पति-पत्नी को भी पीटा शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे पति श्रवण कुमार और खुद शकुंतला को भी आरोपियों ने मारना शुरू कर दिया। हमले में सर्वेश की कमर, गर्दन और बांह में चोट आई है। प्रवेश के सिर में गंभीर चोट लगने से सिर फट गया और पूरे बदन पर चोट के निशान हैं। पति श्रवण कुमार के हाथ और मस्तिष्क पर चोट आई है, जबकि शकुंतला के पैर में चोट लगी है। पीड़िता का आरोप है कि हमलावरों ने भद्दी-भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी।जिस पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गयी है इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है

मंडलायुक्त व जिलाधिकारी ने किया मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय का निरीक्षण, धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी विश्वविद्यालय परिसर में किया वृक्षारोपण

समाज जागरण

मीरजापुर/ निमार्णाधीन मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय की रफ्तार को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। मंडलायुक्त विंध्याचल मंडल राजेश प्रकाश और जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मड़िहान स्थित निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शैक्षणिक और एकेडमिक ब्लॉकों सहित अन्य भवनों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कार्य की धीमी प्रगति देखकर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई।

मौके पर एकेडमिक ब्लॉक, प्रशासनिक भवन और लाइब्रेरी

ब्लॉक का काम तय शेड्यूल से पीछे चल रहा है। कई जगहों पर मजदूरों की संख्या कम मिली, जिससे फिनिशिंग कार्य प्रगति कम पाई गई। अधिकारियों ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, सेफ्टी मानकों और ड्रेनेज-विद्युतीकरण की प्रगति की फाइलें मौके पर तलब कीं। पेयजल व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। निरीक्षण के बाद मंडलायुक्त ने विश्विद्यालय सभागार में साफ निर्देश दिए कि काम में तेजी लाई जाए, हर ब्लॉक की दैनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। जिलाधिकारी पवन गंगवार ने कार्यदायी संस्था को चेतावनी दी कि लापरवाही पर ठेकेदारी निरस्त करने की कार्रवाई होगी।

मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय के तहत मीरजापुर, भदोही और सोनभद्र के 169 महाविद्यालय संबद्ध होंगे। यहां कृषि, निर्यात, जीआई उत्पाद और कौशल विकास से जुड़े पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं, जो विंध्य क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय रोजगार से जोड़ेंगे। कार्यदायी संस्था को श्रमिक संख्या दोगुनी करने और दो शिफ्ट में काम कराने को कहा गया। विद्युत सब-स्टेशन, पानी और पहुंच मार्ग को प्राथमिकता पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

परिसर में 11 हजार वृक्षारोपण के सापेक्ष प्रत्येक रविवार को चलाये जा रहे अभियान के तहत मंडलायुक्त, जिलाधिकारी द्वारा वृक्षारोपणकिया गया । इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मड़िहान अनेग सिंह, तहसीलदार आशीष पांडे, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग जनार्दन यादव, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण, व अधिशासी अभियंता जल निगम सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिहरपुर वनवासी बस्ती में महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर जागरूकता बैठक कर सेनेटरी पैड का किया गया वितरण

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। विश्व ज्योति जनसंचार समिति के तत्वावधान में हरिहरपुर गांव में महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर रविवार को जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को माहवारी के दौरान उचित स्वच्छता अपनाने, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी देने तथा सुरक्षित मासिक धर्म प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। प्रतिभागियों के बीच सेनेटरी पैड का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शर्मिला देवी ने महिलाओं को माहवारी के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, समय-समय पर सेनेटरी पैड बदलने, साफ पानी से सफाई करने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा संक्रमण से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने माहवारी से जुड़ी आम समस्याओं, भ्रांतियों और उनके वैज्ञानिक समाधान पर भी चर्चा की तथा महिलाओं को बिना संकोच स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रमोद पटेल ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं का बेहतर स्वास्थ्य ही परिवार और समाज के स्वस्थ विकास की आधारशिला है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने आसपास की अन्य महिलाओं एवं किशोरियों को भी मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करें।

कार्यक्रम में दर्जनो महिलाओं एवं किशोरियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

भाजपा हरहुआ मण्डल ,व्यापार मंडल हरहुआ ने सुनी पीएम के 135 वी एपिसोड मन की बात

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" के 135वें एपिसोड को भाजपा हरहुआ मण्डल व व्यापार मंडल हरहुआ के पदाधिकारियों ,सदस्यों ने मण्डल अध्यक्ष अजय मिश्रा के आवास पर सुना।

पीएम ने अपने संबोधन में भारत की आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, युवा शक्ति, खेल संस्कृति, योग और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार भारत आज समुद्र से लेकर आकाश तक अपनी सुरक्षा क्षमताओं को सशक्त बना रहा है तथा आत्मनिर्भर भारत का संकल्प निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। देश के युवाओं की प्रतिभा, खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता, "जो खेलता है वही खिलता है" के मंत्र तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों परिवारों को मिल रही सुरक्षा का उल्लेख किया। उन्होंने देशवासियों के सामूहिक प्रयासों, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

पीएम के प्रेरणादायी विचार हम सभी को राष्ट्रहित, आत्मनिर्भरता, सेवा और विकास के प्रति समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

हरहुआ मण्डल अध्यक्ष अजय मिश्रा ,व्यापार मण्डल महामन्त्री वीरेंद्र गुप्ता,अरुणेंद्र सिंह मण्डल उपाध्यक्ष ने "विकसित भारत 2047" के संकल्प को साकार करने हेतु अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लेंने पर जोर दिया।

प्रमुख रूप से पदाधिकारी ,कार्यकर्ता ,सम्मानित सदस्य व संरक्षक मण्डल के पदाधिकारी सहित वरिष्ठ भाजपा समर्थक प्रधान गण व कार्यकर्ता शामिल रहे।

सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत, चार घायल एक की हालत गंभीर।

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के वाराणसी रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 स्थित भैसौड़ वलाय पहाड़ गांव में शनिवार की देर रात्रि हुए एक भीषण सड़क हादसे में कटनी जिले के बरही थाना क्षेत्र निवासी दंपती की मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज चल रहा है, जिसमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है।मृतकों की पहचान 35 वर्षीय विकास और उनकी 31 वर्षीया पत्नी सोनम, निवासी बरही, जिला कटनी, मध्यप्रदेश के रूप में हुई है। घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे में कार चालक 23 वर्षीय हीरालाल निवासी छिबिया, कटनी, 27 वर्षीय हिमांशु निवासी उचेहरा, जिला सतना, 17 वर्षीय सक्षम निवासी नागौद और 40 वर्षीया राधा पत्नी प्रह्लाद निवासी नागौद घायल हुए हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, घायल राधा की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।कार सवार वाराणसी काशी विश्वनाथ मंदिर से दर्शन कर वापस घर लौट रहे थे की खडी ट्रक में घुसी कार से हादसा हुआ है

ट्रक में पीछे से टकराई कार, मध्यप्रदेश निवासी दंपती की हुई मौत, चार घायल

- कार में सवार दंपती के दो बच्चे बाल बाल बचे

- काशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन कर देर रात कार से जा रहे थे कटनी

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के वाराणसी रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 स्थित लहुरियादह गांव में शनिवार की रात डेढ़ बजे के करीब ट्रक में पीछे से कार टकरा गई। हादसे में कुल छह लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दंपती को अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मध्यप्रदेश के कटनी जिले के बरही थाना क्षेत्र के बरही निवासी विकास ताम्रकार अपने स्वजनों व रिश्तेदारों संग कार से शनिवार को वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन पूजन करने के लिए गए थे। दर्शन पूजन के बाद देर रात घर लौटते समय जैसे ही ड्रमंडगंज क्षेत्र के लहुरियादह गांव में पहुंचे तो सामने खड़ी ट्रक के चालक द्वारा ट्रक को हाइवे पर खड़ा किया जा रहा था उसी दौरान कार ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में कार सवार 35 वर्षीय विकास ताम्रकार व उनकी 31 वर्षीया पत्नी सोनम, कार चालक 23 वर्षीय हीरालाल निवासी छिबिया जिला कटनी,27 वर्षीय हिमांशु ताम्रकार निवासी उचेहरा जिला सतना मध्य प्रदेश,17 वर्षीय सक्षम निवासी नागौद जिला सतना मध्य प्रदेश व 40 वर्षीया राधा पत्नी प्रह्लाद ताम्रकार निवासी नागौद जिला सतना मध्य प्रदेश घायल हो गए। जबकि कार में सवार मृतक दंपती के दोनों पुत्र चार वर्षीय शिवांश व डेढ़ वर्षीय रूद्र बाल बाल बच गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज ले गई जहां चिकित्सक ने देखते ही विकास और उनकी पत्नी सोनम को मृत घोषित कर दिया। वहीं मृतक विकास की बहन राधा की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया।कार चालक हीरालाल, हिमांशु ताम्रकार व सक्षम की हालत सामान्य होने पर चिकित्सक ने रविवार सुबह घर जाने की इजाजत दे दी। मृतक कार सवार विकास ताम्रकार के साले हिमांशु ताम्रकार ने बताया कि विकास ताम्रकार नई दुनिया समाचार पत्र में पत्रकार थे। बताया कि जीजा और दीदी के साथ काशी विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद रात में घर लौट रहा था कि रास्ते में हादसा हो गया। हिमांशु ताम्रकार ने बताया कि जिस समय घटना हुई ट्रक चालक हाइवे पर ट्रक को आगे पीछे कर रहा था उसी दौरान कार अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसी। जिसमें गंभीर रूप से घायल दीदी और जीजा की मौत हो गई।हादसे मृतक दंपती के दोनों पुत्रों को खरोंच तक नही आई हादसे में मृतक दंपती के दोनों पुत्रों शिवांश और रूद्र को खरोंच तक नही आई। संयोग था कि घटना में दोनों बाल बाल बच गए। प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार ने बताया कि कार में दो छोटे बच्चों सहित कुल आठ लोग सवार थे जिसमें गंभीर रूप से घायल पति पत्नी की मौत हो गई है।घायल चार लोगों में तीन की हालत सामान्य है जबकि गंभीर रूप से घायल एक महिला का मंडलीय चिकित्सालय में उपचार चल रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने शून्य से 05 वर्ष तक के बच्चों को दो बूंद पोलियो की खुराक पिलाकर पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत।

समाज जागरण

मीरजापुर / जनपद मीरजापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरसण्डी में आज सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० कीर्ति कुमार मिश्रा के द्वारा क्षेत्र के शून्य से 05 वर्ष तक के बच्चों को 2 बूँद पोलियो की खुराक पिलायी गयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 जून से किया जा रहा है। प्रथम दिवस 'बूथ दिवस' के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें शून्य से 05 वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी। इसके उपरांत 29 जून से स्वास्थ्य

विभाग की घर-घर भ्रमण टीमें छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने हेतु प्रत्येक घर तक पहुँचेंगी।" मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि जनपद के सभी अभिभावकों 28 जून को अपने शून्य से 05 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएँ। हमारा संकल्प है- 'कोई भी बच्चा छूटे नहीं, पोलियो से हर बच्चा सुरक्षित रहे।' सभी जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, धर्मगुरुओं, मीडिया एवं विकास सहयोगी संस्थाओं से भी अनुरोध है कि इस जनहित अभियान को सफल बनाने में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें।" इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा० अनिल कुमार ओझा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० मुकेश प्रसाद, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा० आनन्द सिंह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी जिलेदार, डब्ल्यू एच०ओ० प्रतिनिधि डा० नेहा, तुलसीदास (जे०एस०आई०), श्री अजय श्रीवास्तव, श्री इन्द्रजीत शुक्ल आई०ओ० अभय दूबे एवं प्रा०स्वा० केन्द्र गुरसण्डी के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमलाई कोल यार्ड में पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी, कोयला धूल से स्थानीय लोग परेशान

स्प्रिंकलर व्यवस्था नाकाफी, लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान उड़ रही कोयले की धूल; क्षेत्रवासियों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

समाज जागरण

अमलाई, अनूपपुर। अमलाई रेलवे स्टेशन के समीप संचालित कोल यार्ड में पर्यावरणीय मानकों की लगातार अनदेखी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। यहां प्रतिदिन भारी वाहनों के माध्यम से बड़ी मात्रा में कोयले का भंडारण, लोडिंग और अनलोडिंग की जाती है, जिससे उड़ने वाली कोयले की धूल आसपास के आवासीय क्षेत्रों तक पहुंच रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लगातार बढ़ते प्रदूषण से लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय मामले को नजरअंदाज कर रहे हैं।

क्षेत्रवासियों के अनुसार, कोल यार्ड के संचालन के दौरान आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण उपायों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा है। कोयले के ढेरों को नियमित रूप से ढंकने, पानी का छिड़काव करने और धूल नियंत्रण के अन्य उपाय पर्याप्त रूप से नहीं किए जाते। परिणामस्वरूप तेज हवा चलने पर कोयले की धूल आसपास की कॉलोनियों, घरों और सड़कों तक फैल जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदूषण के कारण बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोग से पीड़ित लोगों को सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी, आंखों में जलन तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि घरों की छतों, आंगनों और पेयजल स्रोतों तक पर काली धूल की परत जम जाती है।

इन पर्यावरणीय मानकों का पालन आवश्यक

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत कोयला भंडारण और परिवहन करने वाले संस्थानों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष उपाय करना अनिवार्य है। इसके अलावा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार–

कोयले के ढेरों पर नियमित पानी का छिड़काव एवं फॉग कैनन का उपयोग किया जाए। कोयला भंडारण स्थल को चारों ओर से घेराबंदी (विंड बैरियर) और हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) से सुरक्षित किया जाए।

लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान धूल नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था हो।

कोयला परिवहन करने वाले वाहनों को तिरपाल से पूरी तरह ढंका जाए।

परिसर एवं संपर्क मार्गों की नियमित सफाई तथा पानी का छिड़काव किया जाए। पर्यावरणीय स्वीकृति एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी शर्तों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका पर सवाल

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन नहीं होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा रेलवे प्रशासन को बार-बार क्लीन चिट दे दी जाती है। उनका कहना है कि यदि नियमित और निष्पक्ष निरीक्षण किया जाए तो मौके पर कई कमियां सामने आ सकती हैं। लोगों ने मांग की है कि स्वतंत्र जांच कराकर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

जांच और कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, रेलवे प्रशासन तथा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मांग की है कि कोल यार्ड में प्रदूषण नियंत्रण संबंधी सभी व्यवस्थाओं की संयुक्त जांच कराई जाए। साथ ही आधुनिक धूल नियंत्रण प्रणाली, नियमित पानी का छिड़काव, फॉग कैनन, हरित पट्टी का विकास तथा पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को प्रदूषण से राहत मिल सके और पर्यावरण की सुरक्षा हो।

अमलाई शंकर मंदिर प्रांगण में मन की बात का सफल आयोजन

समाज जागरण

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित "मन की बात " कार्यक्रम का नगर परिषद अमलाई के समस्त बूथों में उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। बुथ क्रमांक 9 में कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के मार्गदर्शन क्रमांक 9 अध्यक्ष अरविंद साहनी एवं कार्यक्रम के प्रभारी पवन कुमार चीनी पार्षद के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में पूर्व मंडल महामंत्री यदुराज पनिका, अजय दहिया, संजय मौर्य ,युवा मोर्चा अध्यक्ष रवि दुबे ,नीरज नामदेव, विजय तिवारी, बृजेंद्र मिश्रा, अखंड प्रताप सिंह, राजेश यादव ,राहुल सिंह, गौरी प्रसाद राय सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्य कर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी पवन कुमार चीनी तथा अन्य पदाधिकारियों ने भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के "मन की बात" कार्यक्रम को सुना तथा संवाद किया।

इस अवसर पर सफाई कर्मियों का सम्मान भी सफा पहना कर प्रभारी ने किया।

बिना नंबर की गाड़ियां, गांव-गांव शराब की डिलीवरी

क्या आबकारी और पुलिस को खबर नहीं? ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेआम हो रही सप्लाई से उठे सवाल

समाज जागरण

अनूपपुर। जिले के ग्रामीण अंचलों में बिना नंबर प्लेट लगी चारपहिया और दोपहिया वाहनों से कथित रूप से शराब की अवैध सप्लाई किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेका क्षेत्र से शराब लेकर कुछ वाहन दिनदहाड़े गांव-गांव पहुंचते हैं और निर्धारित दुकानों के बाहर भी शराब की बिक्री एवं डिलीवरी की जा रही है। इसके बावजूद आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना नंबर प्लेट वाले वाहन मुख्य मार्गों से होकर गांवों तक पहुंचते हैं, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर ऐसे वाहन पुलिस की नियमित जांच से कैसे बच जाते हैं। लोगों का आरोप है कि यदि सामान्य नागरिक बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाते हुए पकड़ा जाए तो तत्काल चालानी कार्रवाई की जाती है, लेकिन शराब ढोने वाले वाहनों के मामले में सख्ती दिखाई नहीं देती। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गांवों में आसानी से शराब उपलब्ध होने से युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है और सामाजिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे वाहनों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा अवैध शराब सप्लाई पर प्रभावी रोक लगाई जाए।

नियम क्या कहते हैं?

भारतीय मोटर वाहन कानून के अनुसार बिना वैध पंजीकरण संख्या (नंबर प्लेट) के सार्वजनिक सड़क पर वाहन चलाना नियमों का उल्लंघन है और इस पर चालान तथा अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, मध्य प्रदेश आबकारी कानून के तहत शराब का परिवहन, भंडारण और विक्रय केवल निर्धारित लाइसेंस एवं नियमों के अनुरूप ही किया जा सकता है। लाइसेंस की शर्तों के विपरीत शराब की आपूर्ति या अवैध परिवहन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

जांच और कार्रवाई की मांग

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक एवं आबकारी विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की पहचान करने, नियमित जांच अभियान चलाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ माहेश्वरी समाज ने मनाया महेश नवमी का कार्यक्रम सभी ने लिया हिस्सा

समाज जागरण

अनूपपुर (ब्यूरो)माहेश्वरी समाज ने अपने वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी को श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ मनाया।संभाग स्तरीय कार्यक्रम 28 जून 2026 को होटल लेवल वन आहूजा मार्केट शहडोल में मनाया गया। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ पुरुषों,महिलाओ एवं बच्चों ने सर्वप्रथम भगवान शिवजी की पूजा,अर्चना दीप प्रज्वलन कर की।तत्पश्चात सभी ने शिवजी की आरती कर्पूरगौरं करूणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्। सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानि सहितं नमामि एवं ओम जय जगदीश हरे की। तत्पश्चात महिलाओं ने भजन की प्रस्तुति दी 'सुनता है सबकी विनती मेरा भोलेनाथ'की शानदार प्रस्तुति दी। माहेश्वरी महिला मंडल से वनिता लखोटिया ,एम.एल. मंत्री,कमल कुमार मूंदड़ा, आलोक खटोड़ ,अरविंद बियानी ने समाज को लेकर अपनी बात रखी एवं कहा कि माहेश्वरी समाज का स्लोगन सेवा, त्याग,सदाचार की भावना लेकर सभी आगे बढ़े।साथ ही सामाजिक समरसता,एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत बनाने का संदेश भी दिया गया।समाज के वरिष्ठजनों ने महेश नवमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मध्य में ही जायकेदार नाश्ता का कार्यक्रम आयोजित किया गया।इसके पश्चात छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों का फैंसी ड्रेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें हिमांश मूंदड़ा,प्रिंसा भंडारी, जानवी मूंदड़ा ने राजस्थानी परिधान में कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में आदेश खटोड़, डॉक्टर मंजूला मूंदड़ा ,दीपा पचीसिया ,सुनीता मूंदड़ा ,रितु मूंदड़ा ने भी अपनी बातों से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने माहेश्वरी हैं हम पर जोरदार डांस किया जिसकी सभी ने सराहना की।दीपा पचीसिया एवं सुरभि लखोटिया ने भजन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ने अपने प्रतिभाओं का सम्मान भी किया।जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों का सम्मान किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से हिमांश मूंदड़ा,कनिका खटोड़,सेतु बियानी एवं अंश मूंदड़ा प्रमुख रहे।इसके साथ ही मानसी मूंदड़ा को गोल्ड मेडल मिलने पर उसका भी सम्मान किया गया।युवा माहेश्वरी संगठन ने गेम खिलाया जिसका सभी ने लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के मध्य में लजीज खाना का सभी ने लुत्फ उठाया।इसके पश्चात फिर कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसमें सभी ने तम्बोला गेम खेला एवं शाम 4 बजे चाय के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के शहडोल ,बुढार, अमलाई, चचाई, धनपुरी ,अनूपपुर ,जैतहरी के महेश्वरी समाज के वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ तक पुरुष,महिलाएं एवं बच्चे काफी संख्या में उपस्थित थे। माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष

आदेश खटोड़ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम का सफल संचालन अजय मूंदड़ा ने किया।

शराब की बिक्री से नगर वासी परेशान

समाज जागरण

जैतहरी । थाना अंतर्गत नगर के कई वार्ड में शराब की बिक्री होने से मोहल्ले वासी परेशान ।सूत्रों की जानकारी के मुताबिक शाम ढलते ही छलकने लगते हैं जाम और नशे में धुत होकर के शराबियों के द्वारा रहवासी क्षेत्रों में हल्ला गुल्ला गाली गलौज मारपीट आम बात हो चुकी है जहां पर स्थानीय पुलिस प्रशासन की लापरवाही के वजह से शराब विक्रेताओं के एवं शराबियों के हौसले बुलंद है इन शराब विक्रेताओं को ना ही पुलिस का डर ना शराबियों को पुलिस का डर । नगर वासियों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि नगर में तेजी से हो रहे नशीली पदार्थों विक्रेता के विरुद्ध कार्रवाई की जावे जिससे कि गांव नगर शहर में शांति कायम रह सके।

रीवा-चिरमिरी ट्रेनों के दैनिक संचालन की मांग तेज,

समाज जागरण

अमलाई। कोयलांचल क्षेत्र के यात्रियों ने शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह से मांग की है कि ट्रेन क्रमांक 11752 चिरमिरीझरीवा एवं 11751 रीवाझचिरमिरी का पुनः प्रतिदिन संचालन शुरू कराने की मांग की है। भाजपा नेता डॉ राज पांडे ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र का रीवा से सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यापारिक और सामाजिक रूप से गहरा जुड़ाव है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, व्यापारी, कर्मचारी एवं आम नागरिक इस रेलमार्ग से आवागमन करते हैं। कोरोना काल से पहले इन ट्रेनों का नियमित संचालन होने से यात्रियों को काफी सुविधा मिलती थी तथा रेलवे को भी अच्छा राजस्व प्राप्त होता था। श्रमिक नेता नीरज चतुवेर्दी ने कहा है कि कोरोना महामारी के बाद से इन ट्रेनों का दैनिक संचालन बंद होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को अन्य ट्रेनों में आरक्षण की समस्या, अतिरिक्त आर्थिक बोझ और समय की बबार्दी झेलनी पड़ रही है। नगर परिषद उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह ने संसद से आग्रह किया कि वे रेल मंत्रालय के समक्ष इस जनहित के मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर दोनों ट्रेनों का प्रतिदिन संचालन शीघ्र शुरू कराने का प्रयास करें। उन्होंने विश्वास जताया कि सांसद के प्रयासों से क्षेत्र की यह लंबे समय से लंबित मांग जल्द पूरी होगी। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि रीवाझचिरमिरी रेल सेवा का नियमित संचालन पूरे कोयलांचल क्षेत्र के विकास, व्यापार और आम जनता की सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रेल मंत्रालय जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगा।

अनूपपुर ग्रामीण मंडल चचाई के समस्त बूथों में सुना गया प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम

समाज जागरण

अखिलेश सिंह,अमलाई अनूपपुर। अनूपपुर ग्रामीण मंडल के समस्त बूथों के साथ नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र के सभी बूथों पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को कार्यकताओं एवं आम नागरिकों ने सामूहिक रूप से सुना। मंडल मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह ने बताया कि नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र के सभी बूथ क्रमांकों पर बूथ अध्यक्षों एवं बूथ प्रभारियों के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी शामिल हुए। लोगों ने टीवी, मोबाइल, लैपटॉप एवं रेडियो जैसे विभिन्न माध्यमों से कार्यक्रम का श्रवण किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में समाजहित, जनभागीदारी, कर्तव्यनिष्ठा,

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। उपस्थित लोगों ने इन संदेशों को जनहित में प्रेरणादायक बताते हुए उनके पालन का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में आयोजित किया गया। वहीं, ग्रामीण मंडल चचाई के अध्यक्ष सत्यनारायण सोनी के मार्गदर्शन एवं संगठनात्मक व्यवस्था के तहत मंडल ग्रामीण चचाई के सभी बूथों पर 'मन की बात' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। वही बूथ क्रमांक 8 में बूथ अध्यक्ष सौरभ सिंह एवं प्रभारी के रूप में अखिलेश सिंह के नेतृत्व में मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मुख्य रूप से सल्लू सुनील तिवारी पीयूष तथा एन गोपाल राव आदर्श तथा व्यापारी तथा भाजपा कार्यकताओं ने एक साथ बैठकर सर्वप्रथम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर मन की बात का कार्यक्रम सुना।

नेताओं की 'कमाई की चाह' में उजड़ रहे हरदी का जंगलः वन्यजीवों के आशियाने पर जनप्रतिनिधियों की 'ठेकेदारी' की कुल्हाड़ी!

नियमों को ठेंगे पर रखकर वन भूमि पर तान रहे सामुदायिक भवन ; मैटेरियल सप्लाई और कमीशन के चक्कर में खाकी - खादी और सिस्टम सब मौन!

एनजीटी (NGT) और वन विभाग के कायदे सिर्फ कागजों पर? वन परिक्षेत्र बुढार के हरदी सर्कल के मड़वा में पर्यावरण से खिलवाड़!

समाज जागरण बुढार/

जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं और जनता के चुने हुए नुमाइंदे ही अपनी जेबें गर्म करने के लिए कानून की धज्जियां उड़ाने लगें, तो व्यवस्था का राम ही मालिक है। कुछ ऐसा ही शर्मनाक और कानून को ठेंगा दिखाने वाला खेल जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मड़वा (वन परिक्षेत्र बुढार, हरदी सर्कल) में धड़ल्ले से खेला जा रहा है।अपनी 'नेतागिरी' का चोला ओढ़कर क्षेत्र के विकास का दम भरने वाले कथित जनप्रतिनिधियों की नजरें अब इंसानों की बस्तियों को छोड़कर मूक वन्यजीवों और घने जंगलों की जमीन पर टिक गई हैं। वन परिक्षेत्र की आरक्षित जंगल भूमि पर बिना किसी वैध अनुमति और एनओसी (NOC) के, नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर सामुदा यिक भवन का निर्माण शुरू करवा दिया गया है।

ठेकेदारी और मैटेरियल सप्लाई का अंधा खेल!

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे निर्माण कार्य के पीछे जनता की सुविधा से ज्यादा जनप्रतिनिधियों की अपनी निजी ठेकेदारी और चहेतों को मैटेरियल सप्लाई करने का तगड़ा 'कमीशन मॉडल' काम कर रहा है।

***कमाने की अंधी चाहः**

खुद को जनसेवक बताने वाले नेता जी इस कदर कमाई की चाह में अंधे हो चुके हैं कि उन्हें यह भी दिखाई नहीं दे रहा कि वे जिस जमीन पर सीमेंट-कंक्रीट का ढांचा खड़ा कर रहे हैं, वह वन्यजीवों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आरक्षित है।*

***खुद का मैटेरियल, खुद की मजदूरी:**

अपनी रसूखदारी के दम पर घटिया निर्माण सामग्री खपाने और सरकारी बजट को सीधे ठिकाने लगाने के लिए इस संवेदनशील वन क्षेत्र को चुना गया, ताकि कोई आसानी से उंगली न उठा सके।*

कहाँ सोए हैं वन विभाग के जिम्मेदार?

इस अवैध निर्माण ने बुढार वन परिक्षेत्र और हरदी सर्कल के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है:ः क्या हरदी सर्कल के डिप्टी रेंजर और नाका प्रभारियों को हरे-भरे जंगल के बीच बन रहा यह आलीशान सीमेंट का ढांचा दिखाई नहीं दे रहा? या फिर नेताओं की धौंस और खादी की 'चमक' के आगे वन विभाग के कड़े नियम और निर्देश पूरी तरह नतमस्तक हो चुके हैं?* बड़ा सवालः जब आम आदमी जंगल से सूखी लकड़ियां भी उठा ले, तो वन विभाग फौरन केस दर्ज कर अपनी बहादुरी दिखाता है। लेकिन जब कोई रसूखदार नेता पूरी की पूरी जंगल भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण करवा रहा है, तो साहबों को सांप क्यों सूंघ गया है?

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट, पर्यावरण का दम घुट रहा

जंगलों में कंक्रीट के अवैध निर्माण से न केवल हरियाली नष्ट हो रही है, बल्कि वन्यजीवों का प्राकृतिक कॉरिडोर भी प्रभावित हो रहा है। वन्यजीवों की सुरक्षा को खतरे में डालकर अपनी तिजोरियां भरने वाले इन नेताओं को शायद यह अंदाजा नहीं है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं। अगर उत्तर वन मंडल शहडोल और जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया और मड़वा में चल रहे इस अवैध निर्माण पर तत्काल बुलडोजर चलाकर दोषियों पर एफआईआर (FIR) दर्ज नहीं की, तो यह साफ हो जाएगा कि शहडोल जिले में कानून का राज नहीं, बल्कि रसूखदारों की 'गुंडागर्दी' चलती है। अब देखना यह है कि इस धमाकेदार खुलासे के बाद जिम्मेदार अधिकारी अपनी कुंभकर्णी नींद से जागते हैं या फिर 'मौन स्वीकृति' देकर इस पाप के भागीदार बने रहते हैं!

अतिक्रमण हटाते समय एक व्यक्ति घायल

समाज जागरण

शहडोल । न्यू बस स्टैंड से इंदिरा चौक तक चल रही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। कार्रवाई के बीच अचानक मलबा गिरने से एक व्यक्ति उसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, कोतवाली थाना प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए वहां पर मौजूद व्यक्तियों के साथ घायल को तत्काल अस्पताल भिजवाया।

जीवन में बदलाव के 12 वर्ष : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 11 करोड़ से अधिक महत्वाकांक्षी नागरिकों का उत्थान किया

भारत की कल्याणकारी योजनाओं में बदलावः डिजिटल सुधार और प्रत्यक्ष अंतरण 71,000 करोड़ रुपये से अधिक के सामाजिक न्याय अभियान का आधार बने

गरिमा की बहाली को प्राथमिकताः योजनाओं में ट्रांसजेंडर समुदायों, वरिष्ठ नागरिकों और स्वच्छता कर्मचारियों के लिए सुरक्षा प्रणालियों की पुनर्रचना

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने आज 12 वर्षों की मह त्वपूर्ण उपलब्धियों की एक व्यापक समीक्षा जारी की, जिसमें बुनियादी कल्याण से पूर्ण सशक्तिकरण की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को उजागर किया गया है। गहन डिजिटल क्रियाकलापों, मजबूत विधायी सुरक्षा उपायों और आजीविका के लक्षित अवसरों के माध्यम से, मंत्रालय ने 2014 से देश भर में 11 करोड़ से अधिक छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

डिजिटल पारदर्शिता के माध्यम से शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव : एक बहुस्तरीय डिजिटल संरचना ने शैक्षिक सहायता प्रदान करने के तौर-तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। वित्त वर्ष 2021-22 से आधार-लिंक्ड बैंक खातों से जुड़े पूर्णतः प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) मॉडल को अपनाकर, मंत्रालय ने वित्तीय गड़बड़ियों और संस्थागत विलंबों को समाप्त कर दिया है। अब तक, अनुसूचित जाति के लिए प्रमुख पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 46,581.54 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 6.12 करोड़ से अधिक छात्रों को सहायता प्रदान की गई है। इसी प्रकार, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 4,8 93.03 करोड़ रुपये की धनराशि जारी करके 2.99 करोड़ वंचित छात्रों की शिक्षा सुनिश्चित की गई है। पीएम-यशस्वी योजना के अंतर्गत, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और डीनोटीफायड यानी घूमंतु (डीएनटी) समुदायों के 1,069 लाख से अधिक छात्रों को 15,55 5.53 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता,

आवासीय छात्रावास की सुविधा और प्रमुख विद्यालयों में प्रवेश जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

सामाजिक न्याय और गरिमा के लिए ठोस सुरक्षा उपाय : मंत्रालय ने ऐतिहासिक संस्थागत सुरक्षा उपायों को लागू किया है। न्याय को सख्ती से सुनिश्चित करने के लिए, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम में महत्वपूर्ण

संशोधन किए गए, विशेष न्यायालयों की स्थापना की गई, पीड़ितों के अधिकारों के ढांचे तैयार किए गए और राहत राशि बढ़ाई गई। 2014 से अब तक 5,012.17 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिससे 7.26 लाख अत्याचार पीड़ितों को सीधे सहायता मिली है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य क्षेत्र में, नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) ने अभूतपूर्व जन जागरूकता अभियान चलाया है। इसके माध्यम से आध्यात्मिक संस्थाओं और डिजिटल डैशबोर्ड के साथ साझेदारी करके 9.56 करोड़ युवाओं सहित 26.28 करोड़ से अधिक नागरिकों को जागरूक किया गया है।

अटल वयो अभ्युदय योजना (एवीवाईएवाई) के तहत वरिष्ठ नागरिकों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए विशेष देखभाल कार्यक्रम के तहत, वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल दान से हटकर संस्थागत अधिकार बन गई है। राष्ट्रीय वयोश्री शिविरों के माध्यम से 85 लाख से अधिक बुजुर्गों को 463 लाख मुफ्त सहायक जीवन उपकरण प्राप्त हुए हैं, जबकि राष्ट्रीय "एल्डरलाइन" (14567) ने 29 लाख से अधिक कॉल का सफलतापूर्वक समाधान किया है। इसके अलावा, अग्रणी स्माइल योजना के तहत एक एकीकृत राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कानूनी और आर्थिक पहचान प्रदान की गई है, 33,189 प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं, कार्यरत 'गरिमा गृह' आश्रय स्थापित किए गए हैं और आयुष्मान भारत (पीएम-जेएवाई) ढांचे में लिंग-पुष्टिकरण प्रक्रियाओं को एकीकृत किया गया है। समावेशी उद्यमिता और यांत्रिक स्वच्छता को बढ़ावा

2047 तक जैव ईंधन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा भारत-जुएल ओराम ग्रीन पावर इंडिया-2026 कॉन्क्लेव का सफल आयोजन

समाज जागरण

संवाददाता नई दिल्ली - 29 जुन 26। ग्रीन पावर इंडिया-2026 कॉन्क्लेव का इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (IIC) के मल्टीपर्पज हॉल में अठअ एवं आकलन द्वारा "ग्रीन पावर इंडिया- 2026: राष्ट्रीय कॉन्क्लेव" का गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम का उद्देश्य हरित ऊर्जा,पर्यावरण संरक्षण,ऊर्जा सुरक्षा तथा विकसितभारतझ2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए नीति- निमार्ताओं,वैज्ञानिकों,उद्योग जगत,शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों को एक साझा मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक जैव ईंधन एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं,बल्कि ऊर्जा सुरक्षा,आर्थिक विकास,रोजगार सृजन

और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है।उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों,स्थानीय ज्ञान और नवाचारों के प्रभावी उपयोग पर बल देते हुए कहा कि भविष्य में जैव ईंधन भारत की ऊर्जा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

विशिष्ट अतिथि भारत में पलाऊ गणराज्य के कॉन्सुल जनरल डॉ. नीरज ए. शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा को जनआंदोलन बनाना होगा।उन्होंने कृषि अवशेषों से जैव ईंधन निर्माण को किसानों की आय बढ़ाने तथा पराली जलाने की समस्या के स्थायी समाधान का प्रभावी माध्यम बताया।मुख्य वक्ता गौतम मेहरा ने ई-वेस्ट प्रबंधन और

हरित प्रौद्योगिकी को संस्थागत रूप से सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।पूर्व निदेशक, लोकसभा सचिवालय शिव कुमार बिलग्रामी ने पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में जनभागीदारी की आवश्यकता बताई, जबकि योग गुरु मंगेश त्रिवेदी ने योग, स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण के परस्पर संबंधों पर प्रकाश डाला।

आयोजक एवं आकलन के प्रधान संपादक वी. राज बाबुल ने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के संतुलित समन्वय से ही प्राप्त किया जा सकता है।कॉन्क्लेव में "Advancing Sust ain able Energy for a Greener India"विषय पर सौर एवं पवन ऊर्जा, जैव ईंधन, ऊर्जा दक्षता, ई-वेस्ट प्रबंधन और हरित प्रौद्योगिकी पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम में देशभर से आए विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों,शिक्षाविदों,मीडिया प्रतिनिधियों और युवाओं ने भाग लेकर हरित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प दोहराया। अंत में आयोजकों ने सभी प्रायोजकों, सहयोगी संस्थाओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने नवजात शिशु को पोलियो की खुराक पिलाकर किया सघन पल्स पोलियो महाअभियान का शुभारंभ

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। सघन पल्स पोलियो महा अभियान दिनांक 28 जून, 2026 से प्रारम्भ हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज प्राथमिक विद्यालय लोढ़ी के आंगनबाड़ी केंद्र में नवजात शिशु को पोलियो की दो बूंदें पिलाकर सघन पल्स पोलियो महाअभियान का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर दी गई पोलियो की दो बूंदें बच्चों को आजीवन सुरक्षा प्रदान करती हैं। उन्होंने जनपद के सभी अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, चाहे उसे पहले कितनी भी बार पोलियो की दवा दी जा चुकी हो। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, आंगन बाड़ी कार्यकर्त्रियों, आशा बहनों, शिक्षकों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों से अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में सहयोग

करने की अपील की।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुँचाना है। इसके लिए जनपद में पोलियो बूथ, ट्रांजिट बूथ एवं घर-घर भ्रमण की व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि अपने बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं तथा यदि किसी कारणवश बूथ तक न पहुँच सकें तो घर आने वाली स्वास्थ्य टीम से बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं।

जनपद में कुल 3,07,095 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1092 पोलियो बूथ, 36 ट्रांजिट टीमें एवं 7 मोबाइल टीमों का गठन किया गया है। बूथ दिवस पर प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा धिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह गिरधारी लाल, सहित अन्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनपरा मंडल भाजपा के सभी बूथों पर सुना गया प्रधानमंत्री के 'मन की बात' का 135वां संस्करण

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अनपरा मंडल के सभी बूथों पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 135वां संस्करण सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए विभिन्न समसामयिक एवं प्रेरणादायी विषयों पर अपने विचार साझा किए। उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को गंभीरता से सुना और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही कार्यक्रम की उपस्थिति एवं गतिविधियों को सरल ऐप पर अपलोड कर संगठनात्मक प्रक्रिया भी पूरी की गई। भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि 'मन की बात' कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच, जन भागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का माध्यम बन चुका है।

कार्यक्रम के समापन पर कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सीएसआर रेनुसागर द्वारा विशेष निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

शिविर में चिकित्सकों ने 153 लाभार्थियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के यूनिट हेड आर.पी. सिंह के मार्गदर्शन एवं हेड एचआर आशीष पांडेय के दिशा निर्देशन में ग्रामीण विकास विभाग, रेनुसागर द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व (CSR) के अंतर्गत जूनियर हाई स्कूल कन्या विद्यालय में विशेष निःशुल्क

चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर निःशुल्क पंजीकरण कराते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

चिकित्सा शिविर में रेनुसागर चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इसमें फिजीशियन डॉ. मनोज कुमार, एवं दंत चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार सिंह द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने विभिन्न बीमारियों से संबंधित समस्याओं के आधार पर मरीजों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी प्रदान किया। शिविर में कुल 153 लाभार्थियों से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। वहीं दंत चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार सिंह दंत परीक्षण कर उन्हें टूथपेस्ट एवं ब्रश वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित मरीजों एवं गणमान्य नागरिकों का स्वागत करते हुए विशेष चिकित्सा शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

गौरतलब है कि हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर द्वारा सीएसआर के तहत दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु समय-समय पर ऐसे चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है।इस अवसर पर सभासद अनपरा नगर पंचायत अंगद सिंह, अजित सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी राज नाथ यादव, रमेश गुप्ता, आशा तिवारी एवं रेखा का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर बड़ी

अनपरा तापीय परियोजना में चला वृहद स्वच्छता अभियानः अधिकारियों, कर्मचारियों ने किया श्रमदान

स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण ही सच्ची उन्नति का आधार- सीजीएम

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। अनपरा तापीय परियोजना प्रबंधन द्वारा भारत सरकार के स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत अभियान के अंतर्गत कॉलोनी परिसर में प्रत्येक रविवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को कॉलोनी स्थित हाथी पार्क में सुबह सात बजे से परियोजना प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक इं. अजय कुमार कटियार के नेतृत्व में वृहद श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्म चारियों तथा उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक इं. अजय कुमार कटियार ने स्वयं श्रमदान कर कहा कि इस अभियान का उद्देश्य प्लांट एवं कॉलोनी परिसर को स्वच्छ,सुंदर एवं रोगमुक्त बनाना तथा नागरिकों को साफ सफाई के प्रति जागरूक करना है।उन्होंने ने अधिक से अधिक लोगों से अभियान में सहभागिता करने की अपील की है। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता इं ज्ञानेंद्र सिंह, इं रामज्ञान सिंह, इं वेदप्रकाश विश्वकर्मा, सहायक अभियंता इं अजय सिंह, इं पंकज पांडेय, इं त्रियुगी नारायण, संगठनों के पदाधिकारियों में वीके आनंद, अभिषेक सिंह, मुकेश जाय सवाल, राजकुमार सिंह, सीलि यम मसीह, जितेंद्र जायसवाल, राज कुमार, प्रभाकर सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिशिता महिला मंडल रेनुसागर ने ग्रामीणों को शुद्ध शीतल जल हेतु वाटर कूलर की दी सौगात

सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज की पहचान है- इंदु सिंह

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की वरिष्ठ सदस्या इंदु सिंह के मार्गदर्शन में सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए दिशिता महिला मंडल, रेनुसागर ने भीषण गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्र में राहगीरों एवं आम नागरिकों के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु कम्पोजिट विद्यालय बैरपान एवं आदर्श परिवार कल्याण केंद्र को वाटर कूलर भेंट किया।

इस जनहितकारी पहल का उद्देश्य तपती गर्मी में आने-जाने वाले राहगीरों, ग्रामीणों एवं जरूरतमंद लोगों को स्वच्छ और ठंडा पेयजल

उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें राहत मिल सके। महिला मंडल की इस पहल की स्थानीय लोगों ने मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे समाज सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बताया। इसके पूर्व कम्पोजिटी विद्यालय बैरपान की प्रधानाचार्या मीना सिंह शिक्षिका सपना यादव, दिव्या यादव एवं सपना पांडेय ने मुख्य अतिथि दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की वरिष्ठ सदस्या इंदु सिंह को बुके देकर स्वागत किया।

ततपश्चात मुख्य अतिथि ने सरस्वती माता जी का पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की वरिष्ठ सदस्या इंदु सिंह ने कहा कि सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज की पहचान है। हमारा महिला मंडल समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक कल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है। इसी क्रम में भीषण गर्मी को देखते हुए यह वाटर कूलर भेंट किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने इस सहयोग के लिए दिशिता महिला मंडल एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल न केवल लोगों की प्यास बुझाएगी, बल्कि समाज में सेवा और मानवीय संवेदनाओं का संदेश भी देगी।

यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है और अन्य संस्थाओं को भी जनहित के ऐसे कार्यों के लिए प्रेरित करती है। इस अवसर पर दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की वरिष्ठ सदस्या मेनका अरोड़ा, सविता चौबे, नूतन सिंह, बिनीता सिंह, किरण श्रीवास्तव, वंदना सिंह, श्वेता श्रीवास्तव एवं वंदना श्रीवास्तव का सराहनीय सहयोग रहा।कार्यक्रम के अंत में दिशिता महिला मंडल की सचिव तूलिका श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, गर्भपात कराने एवं एससी/एसटी एक्ट के प्रकरण में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण/
अनिल कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक ओबरा श्री सदानन्द राय के कुशल नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना ओबरा पुलिस द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, गर्भपात कराने एवं एससी/एसटी एक्ट से संबंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण-वादिनी द्वारा थाना ओबरा पर प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी पहचान अभियुक्त सुनील कुमार मौर्या से हुई। अभियुक्त ने विवाह का झांसा देकर कई वर्षों तक उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए। गर्भधारण होने पर अभियुक्त उसे नोएडा ले गया, जहां विवाह का आश्वासन देकर गर्भपात कराने हेतु दबाव बनाया तथा उसकी जानकारी के बिना गर्भपात संबंधी दवा देकर दिनांक 27.05 .2026 को एक निजी अस्पताल में गर्भपात कराया। बाद में विवाह की बात करने पर अभियुक्त एवं उसके परिजनों द्वारा मारपीट, अभद्रता एवं जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया गया। उक्त तहरीर के आधार पर थाना ओबरा पर मु0अ 0सं0-132/2026, धारा 69, 89, 115(2), 352 बीएन एस तथा धारा 3(2)(v), 3(1)(द), 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना ओबरा पुलिस द्वारा अभियुक्त की तलाश हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर दिनांक 28.06.2026 को समय करीब 06:10 बजे शारदा मंदिर, ओबरा के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार माननीय न्यायालय भेजा गया।

व्यापार सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक में व्यापारियों ने रखे सुरक्षा और यातायात सुधार के सुझाव

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद में व्यापार सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। इसमें अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र जायसवाल ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने शक्तिनगर, अनपरा, बैढ़न और बीजपुर क्षेत्र में अवैध पार्किंग, बिना नंबर प्लेट और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ

संयुक्त अभियान चलाने की बात कही। साथ ही, प्रत्येक थाना स्तर पर व्यापार सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठकें आयोजित करने और पुलिस-व्यापार मंडल के बीच समन्वय को मजबूत करने का भी सुझाव दिया। बैठक में प्रभारी मुख्य संरक्षक हाजी सलीम हुसैन ने मारकुण्डी घाटी से संबंधित कई मांगें उठाईं। उन्होंने सड़क पर पड़े पहाड़ी मलबे को हटाने, क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करने, स्पीड ब्रेकरों पर रिफ्लेक्टर और पेंट लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, छोटी गाड़ियों के सुरक्षित आवागमन के लिए बैरिकेडिंग की भी मांग की गई। इस बैठक में रमाशंकर पाण्डेय, राजेश गुप्ता, गोपी सोनकर और रोहित जायसवाल सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। व्यापार मंडल ने विश्वास जताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा दिए गए इन सुझावों पर शीघ्र ही सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दमोह जिले में पुलिस विभाग की बहुप्रतीक्षित तबादला सूची जारी कृष्णपाल सिंह बने हटा एसडीओपी

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। दमोह जिले की बहुप्रतीक्षित पुलिस तबादला सूची जारी कर दी गई है। सूची में कई अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। इनमें सबसे चर्चित नियुक्ति एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के रूप में पहचान रखने वाले कृष्णपाल सिंह की है, जिन्हें हटा अनुविभाग (एसडीओपी) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृष्णपाल सिंह ने बालाघाट जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान अपनी साहसिक

कार्यशैली और प्रभावी नेतृत्व से विशेष पहचान बनाई थी। उन्होंने 56 लाख रुपये के इनामी नक्सली के खिलाफ सफल अभियान का नेतृत्व कर प्रदेशभर में अपनी अलग पहचान स्थापित की थी। उनकी कार्यशैली के चलते वे पुलिस महकमे में एक सक्षम और जुझारू अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। इससे पहले वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान कृष्णपाल सिंह दमोह जिले के रजपुरा थाना प्रभारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उस दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ कोविड-19 संबंधी व्यवस्थाओं के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब हटा एसडीओपी के रूप में उनकी पदस्थापना को पुलिस विभाग और क्षेत्रीय जनता दोनों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति को लेकर पुलिस महकमे में चर्चा का माहौल है और उम्मीद जताई जा रही है कि उनके अनुभव का लाभ क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मिलेगा।

आगजनी की बढ़ती घटनाओं के दृष्टिगत अग्निशमन विभाग द्वारा राजकीय मेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में आगजनी की बढ़ती घटनाओं की रोकथाम एवं जनसामान्य को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज दिनांक 28.06.2026 को अग्नि शमन विभाग, सोनभद्र द्वारा राजकीय मेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मेडिकल कॉलेज के सिक्योरिटी गार्डों एवं कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित मह त्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। उन्हें आग लगने के संभावित कारणों, आग से बचाव के उपायों, आपात कालीन स्थिति में सुरक्षित निकासी (Evacuation) की प्रक्रिया तथा

प्रारंभिक स्तर पर आग पर नियंत्रण पाने के प्रभावी तरीकों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया।

इसके साथ ही अग्निशमन विभाग की टीम द्वारा विभिन्न अग्निशमन उपकरणों(Fire Extinguishers) का व्यावहारिक प्रदर्शन कर कर्मचारियों को उनके सुरक्षित एवं सही उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वे प्रारंभिक स्तर पर प्रभावी कार्रवाई कर सकें। अग्निशमन विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई कि आगजनी की किसी भी घटना की सूचना तत्काल अग्निशमन सेवा को दें तथा आग से संबंधित सुरक्षा मानकों का पालन कर स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

चेक डैम में मिले 35 मगरमच्छ के बच्चे, वन विभाग ने सोन नदी में छोड़ा

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

जुगैल/ सोनभद्र। घोरावल क्षेत्र के जुगैल वन रेंज अंतर्गत सेमिया गांव के छितीरपुरवा टोला स्थित चेक डैम में रविवार को करीब 35 मगरमच्छ के छोटे-छोटे बच्चे मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मौके पर पांच मगरमच्छ के अंडे भी पाए गए। हालांकि क्षेत्र में कोई वयस्क नर या मादा मगरमच्छ दिखाई नहीं दिया। सूचना मिलने पर वन विभाग और पीआरवी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय मल्लाहों के सहयोग से सभी मगरमच्छ के बच्चों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें सोन नदी में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, छितीरपुरवा स्थित चेक डैम में इस समय पानी कम है। रविवार सुबह ग्रामीणों ने पानी में दो छोटे मगरमच्छ के बच्चों को देखा। जब वे पास पहुंचे तो वहां बड़ी संख्या में और भी बच्चे दिखाई दिए। यह खबर पूरे गांव में फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर वन दारोगा अविनाश सिंह, वन्यजीव रक्षक सौरभ उपाध्याय तथा पीआरवी पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय मल्लाह वीरेंद्र साहनी, टिम्मल और अन्य लोगों के सहयोग से वनकर्मियों ने सभी मगरमच्छ के बच्चों को सावधानीपूर्वक बोरियों में एकत्र किया और उन्हें सुरक्षित रूप से पास स्थित सोन नदी में छोड़ दिया। जुगैल वन रेंज के वन क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि चेक डैम में लगभग 35 मगरमच्छ के बच्चे और पांच अंडे मिले हैं। उनका अनुमान है कि प्रजनन काल के दौरान नर और मादा मगरमच्छ चेक डैम तक पहुंचे होंगे, जहां मादा ने अंडे दिए। निर्धारित समय पूरा होने पर अंडों से बच्चे निकलकर पानी में आ गए। उन्होंने बताया कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें उनके प्राकृतिक आवास सोन नदी में छोड़ दिया गया। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि भविष्य में वन्यजीव दिखाई दें तो स्वयं उन्हें पकड़ने का प्रयास न करें और तत्काल विभाग को सूचना दें।

सीडीओ जागृति अवस्थी ने उद्योग बंधु बैठक में सुनीं व्यापारियों की समस्याएं

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद में हाल ही में आयोजित उद्योग बंधु बैठक में व्यापारियों और उद्यमियों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने की, जबकि इसका संचालन उपायुक्त उद्योग विनोद चौधरी द्वारा किया गया। इस बैठक में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, जनपद सोनभद्र के जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र जायसवाल ने प्रशासन के समक्ष व्यापारियों, उद्यमियों और जनहित से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इन प्रमुख मांगों में प्रत्येक माह व्यापारी कल्याण दिवस का आयो जन, उत्कृष्ट जीएसटी करदा ताओं एवं उद्यमियों का सम्मान, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना की प्रभावी समीक्षा तथा बैंक ऋण प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाना शामिल था। इसके अतिरिक्त, जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों की निष्पक्ष जांच और स्वास्थ्य संस्थानों की पारदर्शी जांच व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। बैठक में संगठन के प्रभारी मुख्य संरक्षक हाजी सलीम हुसैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने जिलाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों का समर्थन करते हुए कहा कि व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान जिले के व्यापारिक एवं औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर संगठन के रोहित जायसवाल, गोपी सोनकर एवं रमाशंकर पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्तुत प्रस्तावों का समर्थन किया।

भाजपा दीनदयाल नगर मंडल में मन की बात के 135वें संस्करण का बूथ स्तर पर किया श्रवण

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें संस्करण का श्रवण भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल के अंतर्गत बूथ स्तर पर उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम मंडल प्रभारी एवं जिला मंत्री रानू नामदेव तथा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी रही।

इस अवसर पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती के 125वें वर्ष के उपलक्ष्य में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित कार्यकताओं ने उनके राष्ट्रवादी विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मंडल प्रभारी एवं जिला मंत्री रानू नामदेव ने नया बाजार नं 5 के बूथ क्रमांक 135 पर एवं मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा ने बजरिया वार्ड क्रमांक 3 के बूथ क्रमांक 106, 107 एवं 108 पर मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम का श्रवण किया। कार्यक्रम के उपरांत सभी बूथ केंद्रों पर भारतीय जनता पार्टी के संगठन ऐप के माध्यम से डिजिटल लर्निंग कोर्स पूर्ण किया गया तथा प्रतिभागियों ने प्रमाणपत्र भी प्राप्त किए। इस पहल ने कार्यकताओं के कौशल विकास और संगठनात्मक दक्षता को नई दिशा देने का कार्य किया।

बूथ स्तरीय कार्यक्रम में मंडल महामंत्री अरूण सोनी, महेंद्र अहिरवार, आशीष राय, विकास जैन, देवल कटारिया, श्रीमती गायत्री वंशवर्ती, श्रीमती राधा सोनी, मंडल मंत्री श्रीमती रेनू रजक, श्रीमती रितु पांडेय, राहुल पाठक, अभिषेक सोनी, अखिलेश सिंह, सुनील राज, अखिलेश चौबे, पार्षद गणेश जाटव, पार्षद प्रतिनिधि धीरज घारू, कार्तिक शैलार, नर्मदा पटेल, सद्दाम खान, मुकेश नामदेव, अजय राज, सहित बूथ अध्यक्ष, बीएलए-02, बूथ कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

किचन के ये 4 मसाले फेफड़ों को रखेंगे हेल्दी! सांस संबंधित समस्याओं से होगा बचाव

बदलते मौसम और पॉल्यूशन की वजह से सांस संबंधित समस्याएं काफी बढ़ जाती हैं. रसोई में मौजूद कुछ मसाले वायरल इंफेक्शन को कम करने और रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम से बचाने में कारगर हैं. तो चलिए जानते हैं.

भारतीय मसालों की बात हो तो हर एक मसाले में कई खासियत होती हैं. मसालों का स्वाद और सुगंध से खाने को लजीज बना देती है. मसाले आपके खाने को तो स्वादिष्ट बनाते ही हैं, इनमें कई न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं और इसलिए ये कई समस्याओं में दवा से कम काम नहीं करते. रसोई में मौजूद कुछ ऐसे ही मसाले हैं जो आपके लंग्स के लिए फायदेमंद होते हैं और रेस्पिरेटरी सिस्टम यानी श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं से राहत दिलाने में हेल्प फुल होते हैं. तो चलिए जानते हैं ऐसे ही 4 मसालों के बारे में जो आपको सांस से जुड़ी दिक्कतों में राहत दिलाएंगे.

बढ़ता पॉल्यूशन, कमजोर इम्यूनिटी और बदलता मौसम, ऐसी कई वजह हैं जिसकी वजह से लंग्स में संक्रमण हो सकता है और सांस संबंधित तकलीफें बढ़ सकती हैं. तो चलिए एक्सपर्ट से जानते हैं कि कैसे किचन में मौजूद कुछ मसाले आपकी श्वसन तंत्र की कार्यप्रणाली को बेहतर बना सकते हैं.

डायटिशियन सुरभि पारीक के मुताबिक, हल्दी, अदरक, लहसुन और ओरेगेनो (इटालियन हर्ब जो भारत में भी कई रेसिपी में यूज होती है), आदि सांस से जुड़ी समस्याओं में फायदेमंद रहते हैं. ये मसाले न सिर्फ सांस संबंधित समस्याओं से बचाव करेंगे, बल्कि अगर आपको कोई समस्या हो गई है तो उससे भी राहत दिलाने में कारगर हैं.

हल्दी है बेहद फायदेमंद

सब्जी में इस्तेमाल होने वाली हल्दी कई न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती है. इसमें पाया जाने वाला करक्यूमिन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स रेस्पिरेटरी इंफ्लामेशन को कम करते हैं, जिससे सांस संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है. वहीं हल्दी आपके इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करती है और आप वायरल इंफेक्शन आदि से बचे रहते हैं.

अदरक करेगी सांस संबंधित समस्याओं में सुधार

लंग्स और रेस्पिरेटरी सिस्टम के लिए अदरक का सेवन भी फायदेमंद होता है. अदरक में वैसे तो कई न्यूट्रिएंट्स होते हैं. वहीं इसमें जिंजरोल नाम का कंपाउंड पाया जाता है, जो रेस्पिरेटरी इंफ्लामेशन को कम करने में कारगर है, जिससे म्यूकस रिड्यूस करने में मदद मिलती है और ब्रीदिंग स्ट्रेस कम होता है और आप आराम से सांस ले पाते हैं.

संक्रमण से बचाने में हेल्पफुल है लहसुन

लहसुन में मौजूद गुण कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं से बचाने में कारगर होते हैं, वहीं ये आपके लंग्स के लिए भी काफी फायदेमंद है. लहसुन में एलिसिन और सल्फर कंपाउंड पाया जाता है, जो वायरल इंफेक्शन से बचाने और बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है. इसलिए लहसुन का सेवन सांस संबंधित दिक्कतों में काफी फायदा पहुंचाता है.

ओरेगेनो (इटैलियन हर्ब)

कई रेसिपीज में इस्तेमाल होने वाली हर्ब ओरेगेनो एंटी माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होती है, यह बैक्टीरिया और वायरस से होने वाली समस्याओं जैसे जुकाम-खांसी आदि से बचाने में कारगर है. इसका तेल भी काफी फायदेमंद रहता है.

जानिए फायदा है या नुकसान

क्या सुबह उठते ही आपको भी है गुनगुना पानी पीने की आदत?

सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने के ?कुछ फायदे हैं तो कुछ नुकसान भी हैं. ऐसे में अक्सर लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं कि आखिर सही क्या है. आइए इसके बारे में हेल्थ एक्सपर्ट से ही जानने की कोशिश करते हैं.

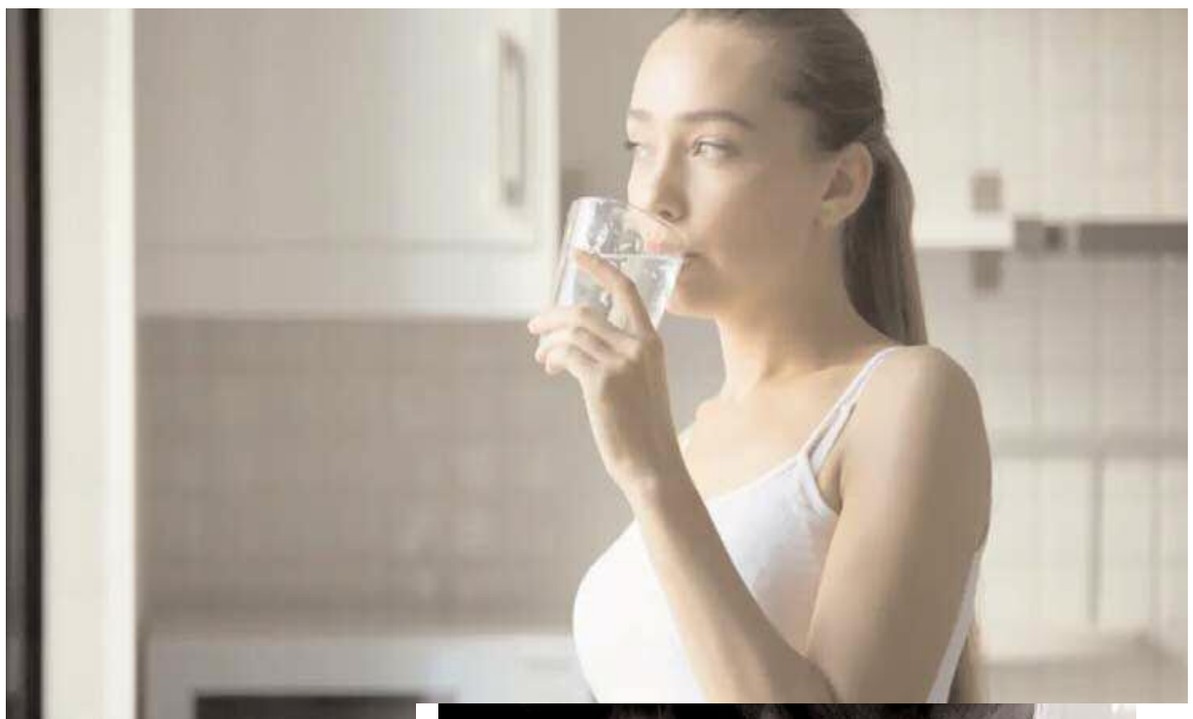

खुद को हेल्दी और फिट रखने के लिए लोग सुबह गुनगुने पानी से अपने दिन की शुरूआत करते हैं. ज्यादातर फिटनेस कोच से लेकर सेलिब्रिटीज भी इस अपने दिन की शुरुआत इसी रुटीन के साथ करते हैं. सुबह उठते ही उन्हें गुनगुना पानी चाहिए होता है. लेकिन कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो इस रुटीन को ठीक नहीं मानते हैं. फायदे के साथ-साथ गुनगुने पानी के नुकसान भी हैं.

कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं आखिर सही क्या है. क्या गुनगुने पानी से अपने दिन की शुरूआत करनी चाहिए. तो आइए हेल्थ एक्सपर्ट से ही इसके बारे में जानने की कोशिश करते हैं. डॉ. वरलक्ष्मी ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसके बारे में बताया है.

पानी पीने का तरीका

कई बार वेट लॉस करने या फिर स्किन को ग्लोइंग बनाने के चक्कर में पानी पीने की टार्गेट रखते हैं. वे पूरा दिन इसी रुटीन के साथ चलते हैं. लेकिन हेल्थ के लिहाज से ये ठीक नहीं है. डॉ. वरलक्ष्मी का कहना है कि पानी तभी पीना चाहिए जब आपको प्यास लगे. पानी पीने के तुरंत बाद सॉलिड चीजें न खाएं.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

इस बात में कोई शक नहीं है कि अपने दिन की शुरूआत गुनगुने पानी के साथ की जाए. लेकिन इसके साथ कुछ नियमों को फॉलो किया जाना भी जरूरी है. पानी हमेशा ब्रश करने के बाद ही पिएं. वर्कआउट करने से पहले पानी न पिएं. सुबह ब्रेकफास्ट के साथ आप थोड़ा गुनगुना पानी पी सकते हैं. हालांकि, 100द्वद्य से ज्यादा पानी न पिएं.

इन बातों का रखें ख्याल

ज्यादातर लोग सुबह उठते ही 1 या 2 गिलास पानी पी लेते हैं. ऐसा करने से उनका मानना है कि पेट साफ होगा. लेकिन इसका नुकसान भी है कि रातभर में आपके मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया पनपते हैं. सुबह बिना मुंह साफ किए यही बैक्टीरिया आपके पेट में चले जाते हैं. इस कारण कई परेशानियां बढ़ती हैं.ऐसे में आप गुनगुना पानी हमेशा ब्रश करने के बाद ही पिएं.

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, हर बच्चे तक पहुंचे पोलियो की दो बूंद

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

28 जून। पोलियो जैसी आजीवन विकलांगता देने वाली बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रविवार को किशनगंज जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने बीआरसी भवन, खगड़ा स्टेडियम के समीप आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरूआत की।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त है, लेकिन दुनिया के कुछ देशों में अभी भी पोलियो वायरस मौजूद है। ऐसे में प्रत्येक अभिभावक का दायित्व है कि वह अपने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि 28 जून से 2 जुलाई 2026 तक चलने वाले अभियान में जिले के 3,22,826 बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें 3,77,366 घरों तक पहुंचेंगी। जो बच्चे किसी कारणवश छूट जाएंगे, उन्हें 4 जुलाई को बी-टीम द्वारा कवर किया जाएगा। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान के लिए 1050 टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 927 हाउस-टू-हाउस, 90 ट्रांजिट, 25 मोबाइल और 8 वन-मैन टीमें शामिल हैं। अभियान में 2092 टीकाकर्मी एवं 315 सुपरवाइजर लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौक-चौराहों, ईंट-भट्ठों, ट्रांजिट प्वाइंट तथा प्रवासी एवं घुमंतू आबादी वाले क्षेत्रों में भी विशेष टीमें तैनात की गई हैं, ताकि पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

अभियान के लिए 20,499 ड्डढश वायल, 5,530 पोस्टर, 2,524 मार्कर पेन तथा 3,318 कपड़े के बैनर उपलब्ध करा दिए गए हैं। सभी टीकाकर्मियों का प्रशिक्षण और सुपरवाइजरों का ओरिएंटेशन भी पूरा कर लिया गया है।

जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग करें, अफवाहों पर ध्यान न दें और सुनिश्चित करें कि जन्म से पांच वर्ष तक का प्रत्येक बच्चा पोलियोरोधी दवा की दो बूंद अवश्य प्राप्त करे। उन्होंने कहा, "आज की दो बूंद, बच्चे के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी है।"

गरवा में वन रक्षा बंधन कार्यक्रम आयोजित, ग्रामीणों ने पेड़ों को बांधा रक्षा सूत्र

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण

पदमाः प्रखंड के ग्राम गरवा में रविवार को वन संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को लेकर वन रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिमी वन प्रमंडल के डीएफओ मोन प्रकाश शामिल हुए।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने पेड़ों की पूजा-अर्चना कर उन्हें रक्षा सूत्र बांधा और वनों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने कहा कि वन और पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हर वर्ष इसी प्रकार का वन रक्षा बंधन कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को पेड़ों की अंधाधुंध कटाई रोकने और अधिक से अधिक पौधरोपण करने के लिए जागरूक किया गया। महिलाओं एवं उपस्थित अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े झारखंडी गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग भी दिया।

इस अवसर पर मुखिया सविता देवी, पूर्व मुखिया कंचन मेहता, जीवलाल प्रजापति, दिवाकर प्रजापति, खेमलाल महतो, दिनेश खंडेलवाल, अनीता देवी, सरिता देवी, सुरेंद्र सिंह, प्रशांत सिंह, निशांत सिंह, मुनेश्वर सिंह, दिनेश्वर सिंह, सुरेन्द्र नारायण सिंह, रामगोविन्द सिंह, किशोरी राणा, अशोक केसरी, परमानंद राणा, शुभम सिंह, विकास सिंह, गिरधारी महतो, केदार प्रजापति, उमाकांत प्रजापति, आशीष सिंह, अमरेंद्र सिंह, रिंकू देवी, प्यासा देवी, गंगाधर प्रजापति, युगलकिशोर सिंह, बुलाकी साव, रामलाल राणा, अभिषेक राणा, विवेक राणा, शम्भु प्रजापति, भैरव राणा, राजेश्वर सिंह समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

जदयू युवा जिला अध्यक्ष हारून रशीद की अध्यक्षता में सरोत या पंचायत में एस आई आर को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

समाज जागरण

गोड्डा दिनांक 28 06 2026 दिन रविवार को जिला अध्यक्ष युवा जदयू मोहम्मद हारुन रशीद की अध्यक्षता में सरोतिया पंचायत में एस आई आर को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ आम बैठक हुई जिसमें मुख्य रूप से मोहम्मद हारुन रशीद ने कहा कि आने वाले 30 तारीख से लेकर बी ओ ने घर घर

जाकर फॉर्म देंगे और उन्होंने कहा कि बीएल ओ के साथ जदयू पार्टी का भी बी एल ए 2 भी साथ में रहेंगे हारून रशीद ने कहा कि एक भी ग्रामीणों का लिस्ट से नाम कटना नहीं चाहिए और हर एक फॉर्म में जो सरकार के द्वारा मांगी गई दस्तावेज पूर्ण रूप से उन्हें अवगत कराकर फार्म के साथ समिट कर बी एल ओ को समर्पित करेंगे इस बैठक में उपस्थित युवा जिला सचिव डॉक्टर चंद्रिका प्रसाद राम बोआरीजोर प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम अंसारी पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद मुस्लिम मोहम्मद इदरीश मोहम्मद शौकत मोहम्मद जैनुल अनूप लाल यादव जगन बेबी मरियम बी बी मोहम्मद उस्मान मोहम्मद लियाकत मोहम्मद इबादत अंसारी मोहम्मद असलम अंसारी आदि सभी कार्यकर्ता इस बैठक में उपस्थित थे

एनवीडब्ल्यू वारंटी गिरफ्तार, नवीनगर थाना पुलिस की कार्रवाई

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)औरंगाबाद जिले के नवीनगर थाना पुलिस ने फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक एनवीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के जनकपुर पोखरा गांव में की गई। गिरफ्तार वारंटी की पहचान जनकपुर पोखरा निवासी अरविंद यादव के रूप में हुई है। पुलिस को काफी दिनों से उसकी तलाश थी। गुप्त सूचना के आधार पर नवीनगर थाना पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया, जिसमें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व एसआई कामिनी कुमारी ने किया। उनके साथ सशस्त्र बल के जवान भी मौजूद थे। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार किया।थानाध्यक्ष मृतंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंट के आलोक में आरोपी की गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में फरार वारंटियों और अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा ऐसे लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

26 वर्षों बाद जगी नई उम्मीद, वेदांता के साथ मिलकर केबल की नई पहचान बनाएंगे कर्मचारी : केबल मजदूर संघ

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण ब्यूरो चीफ कोल्हान

जमशेदपुर (झारखंड) 28 जून 2026: वेदांता द्वारा केबल कंपनी के अधिग्रहण के बाद रविवार को केबल गेट परिसर में केबल मजदूर संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लेकर कंपनी के भविष्य, कर्मचारियों के हितों एवं वेदांता प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक की शुरूआत हाल ही में दिवंगत केबल कर्मचारी स्वर्गीय सुबोध कुमार को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। उपस्थित सभी कर्मचारियों ने उनके योगदान को याद करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

बैठक को संबोधित करते हुए केबल मजदूर संघ के संस्थापक सागर तिवारी ने कहा कि लगभग 26 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद कंपनी का दोबारा संचालन शुरू होना कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं है। वर्षों तक बंद पड़ी कंपनी के कारण हजारों परिवारों ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन अब वेदांता के आने से एक नई उम्मीद जगी है। उन्होंने वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल एवं पूरे वेदांता प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से वर्षों से बंद पड़ी केबल कंपनी को नया जीवन मिलने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केबल मजदूर संघ जल्द ही वेदांता के अधिकारियों से मुलाकात करेगा और कर्मचारियों की सभी मांगों, सुझावों एवं समस्याओं को विस्तारपूर्वक उनके समक्ष रखेगा। साथ ही संघ वेदांता प्रबंधन को अपना पूर्ण समर्थन भी देगा, ताकि कर्मचारियों और प्रबंधन के आपसी सहयोग से कंपनी नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल मांग रखना नहीं, बल्कि वेदांता के साथ मिलकर केबल की खोई हुई पहचान को वापस दिलाना और कर्मचारियों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना है।

इसके बाद बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी कर्मचारी एकजुट होकर केबल मजदूर संघ के बैनर तले अपनी मांगों एवं सुझावों को वेदांता प्रबंधन के समक्ष रखेंगे तथा कंपनी के पुनर्निर्माण और विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक का संचालन रविंद्र मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि केबल मजदूर अब किसी भी प्रकार की राजनीति का शिकार नहीं बनेंगे। अतीत में कर्मचारियों के नाम पर काफी राजनीति हुई, जिसका सबसे अधिक नुकसान मजदूरों को उठाना पड़ा। अब सभी कर्मचारी एकजुट होकर केवल अपने अधिकारों, सम्मान और कंपनी के विकास के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि केबल मजदूर संघ के बैनर तले कर्मचारी अपनी मांगों को वेदांता प्रबंधन के समक्ष मजबूती से रखेंगे। हमारा उद्देश्य किसी से टकराव नहीं, बल्कि सहयोग है। कर्मचारियों और वेदांता के संयुक्त प्रयास से आने वाले समय में केबल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलेंगी।

संघ के वरिष्ठ सदस्य प्रदीप झा ने कहा कि केबल कर्मचारी पहले भी राजनीति का शिकार हो चुके हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। केबल मजदूर संघ कर्मचारियों का अपना मंच है और यही मंच वेदांता का सहयोगी बनकर कर्मचारियों के हितों के साथ-साथ कंपनी की प्रगति के लिए भी कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है, ताकि सभी समस्याओं का समाधान आपसी सहमति से हो और कंपनी निरंतर प्रगति करे।

बैठक के अंत में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने संगठन की एकजुटता बनाए रखने, वेदांता प्रबंधन के साथ सकारात्मक सहयोग करने तथा कंपनी के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कर्मचारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि वेदांता के नेतृत्व, कर्मचारियों के अनुभव और आपसी सहयोग से केबल का स्वर्णिम दौर एक बार फिर लौटेगा तथा हजारों परिवारों की उम्मीदें फिर से साकार होंगी।

पटना के मनेर में सूफी महोत्सव और डिप्टी सीएम के दौरे से पहले प्रशासन सख्त सड़कों से हटाया गया अतिक्रमण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ ऐतिहासिक नगरी मनेर में आयोजित होने वाले भव्य 'सूफी महोत्सव' और बिहार के उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के प्रस्तावित आगमन के मद्देनजर रविवार को स्थानीय नगर प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आया। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सिद्धार्थ हर्षवर्धन के दिशा-निदेशों पर पूरे शहर में व्यापक 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' चलाया गया, जिससे लंबे समय से मुख्य मार्गों पर कब्जा जमाए दुकानदारों और अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया। नगर प्रबंधक जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान मनेर की मुख्य सड़कों—विशेषकर बिहटा-मनेर और दानापुर स्टेट हाइवे—को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यह अभियान सूफी महोत्सव स्थल के समीप से शुरू होकर महादेव स्थान, जमीरगंज, बाजारपर, गांधी हाट मोड़, भगत सिंह स्मारक मोड़, मनेर थाना, पड़ावपर, गांधी मैदान और चर्चपर जैसे व्यस्त इलाकों तक चलाया गया। इन प्रमुख स्थलों पर दुकानदारों द्वारा सड़क की जमीन पर किए गए अवैध विस्तार को जेसीबी और अन्य साधनों से हटाया गया।प्रशासन की इस अचानक कार्रवाई से स्थानीय दुकानदारों में हड़कंप मच गया और पूरे इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। कई दुकानदारों ने अपना सामान समेटने की जद्दोजहद की। नगर प्रबंधक जितेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई है और कई दुकानदारों पर जुमार्ना भी लगाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल महोत्सव के लिए नहीं, बल्कि आम जनता को सुगम यातायात उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भी की जा रही है।मनेर में होने वाले सूफी महोत्सव को लेकर जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर कोई कोताही नहीं बरत रहा है। डिप्टी सीएम के आगमन को देखते हुए शहर की साफ-सफाई और यातायात सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नगर प्रबंधक ने चेतावनी दी कि दोबारा सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में मनेर थाना के एएसआई मुन्ना चौधरी, नगर कर्मी चंदन गुप्ता, मिथिलेश कुमार सागर समेत भारी संख्या में पुलिस बल और नगर परिषद के कर्मचारी मौजूद रहे। फिलहाल, प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद शहर की सड़कों ने राहत की सांस ली है और यातायात व्यवस्था में सुधार दिख रहा है।

टाटानगर रेल सिविल डिफेंस टीम ने शुरू किया पल्स पोलियो अभियान, छह बूथों पर बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

टाटानगर रेल सिविल डिफेंस टीम के तत्वावधान में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान "दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार" का शुभारंभ रविवार को किया गया। अभियान के पहले दिन रेलवे क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बूथ आधारित कार्यक्रम आयोजित कर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई गई। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की दो बूंद पहुंचाकर देश को पोलियो मुक्त बनाए रखना है।

अभियान के तहत लोको कॉलोनी, ट्रैफिक कॉलोनी, बागबेड़ा, कैरेज कॉलोनी, गोलपहाड़ी तथा रेलवे अस्पताल सहित कुल छह स्थानों पर विशेष पोलियो बूथ स्थापित किए गए। सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस अभियान में बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेकर बूथों पर पहुंचे और उन्हें पोलियो की खुराक दिलाई। बूथों पर स्वास्थ्यकर्मियों एवं सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने बच्चों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से पोलियो ड्रॉप पिलाई।

अभियान को सफल बनाने के लिए सिविल डिफेंस टीम ने बूथों के आसपास और रेलवे कॉलोनियों में अनाउंसमेंट के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। लोगों से अपील की गई कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। जागरूकता अभियान का सकारात्मक असर देखने को मिला और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लिया।

रेलवे अस्पताल के वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. पोली टारगेन ने अभियान के शुभारंभ से पूर्व सिविल डिफेंस के जवानों को मेडिकल किट, चार्ट एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराते हुए विभिन्न बूथों का आवंटन किया। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए प्रत्येक बच्चे तक दवा पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है।

सिविल डिफेंस के जवान वीरेंद्र कुमार, विनोद कुमार, सरस्वती मुर्मू, तेजीता सहित अन्य स्वयंसेवकों ने पूरे समर्पण के साथ अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी स्वयंसेवकों ने बूथों पर व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोगों को पोलियो की खुराक के महत्व की जानकारी भी दी।

अभियान के दूसरे चरण में सोमवार को सिविल डिफेंस के जवान घर-घर जाकर उन बच्चों की पहचान करेंगे, जो पहले दिन किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। ऐसे सभी छूटे हुए बच्चों को उनके घर पर ही पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा इस महत्वपूर्ण टीकाकरण अभियान से वंचित न रह जाए।

टाटानगर रेल सिविल डिफेंस टीम ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने आसपास के पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलवाएं और भारत को स्थायी रूप से पोलियो मुक्त बनाए रखने के राष्ट्रीय संकल्प में अपना योगदान दें।

पटना में डाक कर्मचारियों का फूटा गुस्सा समयपूर्व तबादलों और उत्पीड़न के विरोध में 17 जुलाई को होगा विशाल धरना

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ भारतीय डाक कर्मचारी संघ, वर्ग-3 (बीपीईए), बिहार परिमंडल ने डाक प्रशासन की कार्यशैली और कर्मचारियों के प्रति अपनाए जा रहे दमनकारी रवैये के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को पटना जीपीओ स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित आपातकालीन सर्किल कार्यकारिणी की बैठक में संघ ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए 17 जुलाई 2026 को मुख्य डाक महाध्यक्ष (सीपीएमजी) कार्यालय के समक्ष विशाल धरना देने का निर्णय लिया है। परिमंडलीय अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि डाक प्रशासन पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर संघ के निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही मनमाने ढंग से स्थानांतरण कर रहा है। संघ का कहना है कि यह कार्रवाई न केवल स्थानांतरण नीति का उल्लंघन है, बल्कि प्राकृतिक न्याय और ट्रेड यूनियन के अधिकारों पर भी सीधा प्रहार है। बैठक में विशेष रूप से सीतामढ़ी मंडल का उल्लेख किया गया, जहाँ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाने पर संघ पदाधिकारियों को प्रशासनिक प्रताड़ना का शिकार बनाया गया।बैठक में केवल तबादलों का मुद्दा ही नहीं, बल्कि कर्मचारियों पर लक्ष्य (टारगेट) के नाम पर बढ़ते मानसिक दबाव और नियमविरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाइयों पर भी गंभीर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से सेवा और वित्तीय मामलों से जुड़ी फाइलें लंबित हैं, जिनकी ओर प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। संघ ने इन तमाम मुद्दों को समाहित करते हुए मुख्य डाक महाध्यक्ष को एक विस्तृत मांग-पत्र सौंपने का निर्णय लिया है। भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय मंत्री संजय सिन्हा ने इस अवसर पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कर्मचारी संगठन को कमजोर करने या उसके पदाधिकारियों को डराने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय मजदूर संघ इस लड़ाई में डाक कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 17 जुलाई तक उनकी मांगें नहीं मानी गईं और प्रताड़ना का सिलसिला बंद नहीं हुआ, तो आंदोलन को और अधिक उग्र एवं चरणबद्ध तरीके से पूरे बिहार में फैलाया जाएगा। बैठक में प्रदेश महामंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्य भर के सभी प्रमंडलीय अध्यक्ष एवं सचिवों ने भाग लेकर आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बीपीएससी परीक्षा में चयनित एसडीओ सुमित कुमार का पैतृक गांव पिरही में हुआ भव्य स्वागत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दुल्हिन बाजार प्रखंड के पिरही गांव के होनहार लाल सुमित कुमार ने बीपीएससी की 70 वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में 100 वीं रैंक लाकर सफलता का परचम लहराया। साथ ही न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। सुमित का चयन एसडीओ (उप-विभागीय अधिकारी) के पद पर हुआ है। रविवार को जब सुमित पहली बार अपनी सफलता के बाद पैतृक गांव पिरही पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उनका अभूतपूर्व और भव्य स्वागत किया। सुमित के आगमन की सूचना मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। रविवार को जब वे दुल्हिन बाजार पहुंचे, तो पहले से प्रतीक्षारत लोगों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। यहां से वे ढोल-नगाड़ों और हर्षोल्लास के साथ अपने पैतृक गांव पिरही पहुंचे। रास्ते भर ग्रामीणों ने उन पर पुष्प वर्षा की और इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए सुमित कुमार ने भावुक होकर अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता उमाशंकर प्रसाद को दिया। उन्होंने कहा की मेरे पिताजी एक किसान हैं। विपरीत आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी मेरी पढ़ाई में बाधा नहीं आने दी और अपनी मेहनत की कमाई से मेरी हर जरूरत पूरी की। आज मैं जो कुछ भी हूं, उनकी निस्वार्थ मेहनत और उनके द्वारा दिए गए संस्कारों की बदौलत हूं। युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने सुमित कुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति ठान ले, तो दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है। उन्होंने कठिन परिश्रम और संयम को सफलता का मूल मंत्र बताया।

इस अवसर पर पिरही गांव के गणमान्य लोगों सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। पूरा गांव इस उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर रहा है और सुमित कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहा है।

पटना के पालीगंज में सड़क हादसे के दौरान अधेड़ की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिला के पालीगंज थाना अंतर्गत महाबलीपुर बाजार में रविवार को एक बालु लदी ट्रक ने सड़क पार कर रहे एक अधेड़ को रौंद दिया। जिससे उस व्यक्ति की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी।

जानकारी के अनुसार रविवार को एक अधेड़ व्यक्ति पटना जिले के पालीगंज थाना अंतर्गत महाबलीपुर बाजार में सड़क पार कर रहा था। उसी दौरान सड़क से गुजर रही एक बालू लदी ट्रक उसे रौंद दिया। जिससे उस अधेड़ व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर ही हो गया। मृतक की पहचान महाबलीपुर गांव निवासी श्रीलखन चौधरी के 58 वर्षीय पुत्र लिली चौधरी के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गयी। वही आक्रोशित लोगों ने पाली अरवल मुख्य सड़क को जाम कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पालीगंज थाने की पुलिस ने लोगो को समझा बुझाकर सड़क से जाम हटवाई तथा शव को कब्जे में ले लिया। उसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वही पुलिस ने बताई की घटना में संलिप्त ट्रक को जप्त कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

पटना के फतुहा में चोरी और उत्पाद मामले में दो फरार आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के नदी थाना पुलिस ने अपराधियों और लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी और उत्पाद अधिनियम से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र के सक्रिय अपराधियों में हड़कंप मच गया है। नदी थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस की टीम ने चोरी के मामले (कांड संख्या 221/2025) में फरार चल रहे नामजद आरोपी मनोज राय को गिरफ्तार किया है। मनोज वैशाली जिले के रुस्तमपुर थाना अंतर्गत सुकुमारपुर गांव का निवासी है।